उत्तर प्रदेश शासन

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

वर्ष 2020-21

का

कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक

(परफार्मेन्स बजट)

प्राक्कथन

विभागीय योजनाओं के वित्तीय एवं भौतिक पक्षों में पारस्परिक सामंजस्य स्थापित करने के उद्देश्य से कार्यक्रमों/कार्यकलापों का वर्गीकरण करते हुये संस्कृति विभाग का कार्यपूर्ति दिग्दर्शक आय-व्ययक 2020-21 प्रस्तुत किया जा रहा है। आशा है कि आय-व्ययक में प्राविधानित धनराशि के उपयोग पर सूक्ष्म नियंत्रण रखने तथा उसके समतुल्य उपलब्धियॉ प्राप्त करने में यह सहायक होगा।

जितेन्द्र कुमार
प्रमुख सचिव
संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

भूमिका

संस्कृति विभाग द्वारा उत्तर प्रदेश की गौरवमयी धरोहर एवं परम्पराओं, पुरावशेषों एवं स्मारकों तथा लोक एवं शास्त्रीय कलाओं के विकास में अपने तीन निदेशालयों यथाः उ0प्र0 संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 पुरातत्व निदेशालय एवं उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय तथा अपनी अशासकीय संस्थाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निर्वहन किया जा रहा है। प्रदेश की लोक संस्कृति की लुप्त होती विधाओं को गाँव-गाँव पहुँचाना, मंच प्रदान करना एवं इनसे संबंधित सर्वेक्षण/दस्तावेजीकरण आदि का कार्य भी क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से विभाग द्वारा किया जा रहा है।

प्रदेश के विभिन्न अंचलों में समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ-साथ युवा नवोदित कलाकारों को भी अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का समुचित अवसर प्राप्त होता है। कला एवं संस्कृति के संवर्धन हेतु विभाग के अधीन स्वायत्तशासी संस्थाएं कार्यरत हैं जिनके माध्यम से प्रदेश में कला और संस्कृति को जनमानस से जोड़ने के लिए लोक एवं शास्त्रीय कलाओं के साथ साथ ललित कलाओं के विकास का कार्य एवं सांस्कृतिक उत्सव सम्पन्न कराये जाते हैं। उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ के भवन का रेनोवेशन एवं तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ीकरण कराया जाना है।

उ0प्र0 सरकार के विभिन्न विभागों एवं अर्द्धशासकीय एवं व्यक्तिगत अधिकारों व स्रोतो से प्राप्त अप्रचलित अभिलेखों के स्थानान्तरण एवं समुचित संरक्षण का कार्य उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ एवं उसकी इकाइयों द्वारा आधुनिक उपकरणों के माध्यम से वैज्ञानिक ढंग से किया जा रहा है। दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं प्रपत्रों के डिजिटाईजेशन संबंधी कार्य भी सम्पादित किया जा रहा है।

प्रदेश के विभिन्न भागों व अंचलों में बिखरी पड़ी प्राचीन संस्कृति व सम्पदा के अवशेषों को प्रकाश में लाने एवं भावी पीढ़ियों के लिये उन्हें संरक्षित करने, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक महत्व के स्थलों/स्मारकों/पुरावशेषों का सर्वेक्षण, प्राचीन स्मारकों के जीर्णोद्धार एवं परिरक्षण, पुरातात्विक महत्व के स्थलों का उत्खनन, डाक्यूमेन्टेशन एवं प्रकाशन आदि का कार्य भी उ0प्र0राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा किया जा रहा है। पुरातत्व की महत्ता के प्रति सामान्यजन में अभिरूचि उत्पन्न करने हेतु पुरातत्व निदेशालय द्वारा विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विभाग के अधीन प्रदेश में 15 संग्रहालय कार्यरत है। जनपद लखनऊ एवं मथुरा संग्रहालय को अपने संग्रह के लिये अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की ख्याति प्राप्त है। इन संग्रहालयों में प्रस्तर कलाकृतियां, मृणमूर्तिया, लघुचित्र, सिक्के, हस्तलिखित अभिलेख, पाण्डुलिपियां, धातु, चर्म, कास्ट तथा हाथी दाँत आदि की कलावस्तुएं भी उपलब्ध है। संग्रहालयों द्वारा सांस्कृतिक सम्पदा, पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक धरोहरों का अनुरक्षण, संरक्षण तथा प्रदर्शन का कार्य किया जाता है। 03 नवीन वीथिकाओं क्रमशः मृणमूर्ति कला वीथिका, मुद्रा वीथिका एवं प्राणिशास्त्र वीथिका का निर्माण कार्य प्रचलन में है। जनसामान्य में संग्रहालय की महत्ता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर को उन्नत किया जाना है।

———————————————

विषय-सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1.	वित्तीय आवश्यकताएं	
	क - कार्यक्रम तथा कार्य-कलापों का वर्गीकरण	6
	ख - उद्देश्यवार वर्गीकरण	7-16
	ग - वित्तीय स्रोत	17
	घ - राजस्व प्राप्तियाँ	18
	भाग-1	
2.	संस्कृति निदेशालय	
	वित्तीय आवश्यकताओं की व्यवस्था	
	1. निदेशन एवं प्रशासन-संस्कृति निदेशालय	20-21
	2. उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ	22-28
	3. पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र	28
	4. भातखण्डे संगीत संस्थान, लखनऊ	29-30
	5. उत्तर प्रदेश राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ	30-32
	6. उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ	33-38
	7. भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ	38-42
	8. अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या, फैजाबाद	42-49
	9. जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ	50-51
	10. लोक एवं जन-जातीय कला तथा संस्कृति संस्थान, लखनऊ	51-52
	11. राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ	53-56
	12. कला एवं कलाकारों का सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण एवं वृद्ध कलाकारों को सहायता योजना	57
	13. तहसील स्तर के कस्बों में प्रेक्षागृहों/खुले मंचो का निर्माण	57
	14. फिल्मों का विकास (डाक्यूमेंट्री आडियो विजुअल)	57
	15. लोक कलाकारों को वाद्ययंत्रों के क्रय हेतु आर्थिक सहायता	57
	16. कल्चरल क्लब की स्थापना	57
	17. मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी की स्मृति संकुल की स्थापना	57
	18. सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदीवारी का निर्माण	57
	19. राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार	58
	20. गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ संस्थान, गोरखपुर की स्थापना	58
	21. पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की स्मृति भवन की स्थापना	58
	22. तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ीकरण	58
	23. राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर को उन्नत किया जाना	58
	भाग - 2	
3.	उ0 प्र0 पुरातत्व निदेशालय	60-72
	भाग - 3	
4.	उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय	74-102

वित्तीय आवश्यकतायें

भाग - 1
संस्कृति निदेशालय

निदेशन एवं प्रशासन
संस्कृति निदेशालय

उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों से सम्बन्धित कार्यों का सम्पादन समन्वय का कार्य विभागाध्यक्ष स्तर पर संस्कृति निदेशालय द्वारा किया जाता है। इसके अन्तर्गत उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ, क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना एवं अनेक स्वायत्तशासी संस्थायें यथा- भातखण्डे संगीत संस्थान समविश्वविद्यालय, उ0प्र0 राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, भारतेन्दु नाट्य अकादमी लखनऊ, अयोध्या शोध संस्थान अयोध्या, उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान, लोक एवं जन-जातीय कला तथा संस्कृति संस्थान, राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त निदेशालय द्वारा वृन्दावन शोध संस्थान, मथुरा को वेतन तथा गैर वेतन मद में अनुदान दिया जाता है।

कला एवं संस्कृति को जनसामान्य से जोड़ने के लिए संस्कृति निदेशालय द्वारा अपनी अधीनस्थ संस्थाओं के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं गतिविधियों का आयोजन किया जात है। प्रदेश के विभिन्न अंचलों में समय-समय पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिनमें देश के प्रतिष्ठित कलाकारों के साथ-साथ युवा नवोदित कलाकारें को भी अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का समुचित अवसर प्रदान किया जाता है। कुम्भ मेला-2019, प्रयागराज के अवसर पर विभाग द्वारा 05 सांस्कृतिक मंचों तथा प्रयागराज के 20 स्थानों पर लगभग 7000 कलाकारों द्वारा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अतिरिक्त 11 देशों की रामलीला सम्बन्धी प्रस्तुतियॉ आयोजित की गयीं। निदेशालय द्वारा विभिन्न स्थलों- लमही महोत्सव-वाराणसी, सावन-झूला-अयोध्या, मेघ मल्हार-गोरखपुर, दीपोत्सव-अयोध्या, कबीर उत्सव-संतकबीर नगर, गीता महोत्सव-कुरूक्षेत्र, सूरजकुण्ड मेला-फरीदाबाद, रंगोत्सव-मथुरा, एक भारत श्रेष्ठ भारत के अन्तर्गत तवांग महोत्सव, ईटानगर, अरूणाचल प्रदेश, सुशाासन दिवस, उ0प्र0 दिवस, कृष्णोत्सव, महात्मका गॉधी जी की 150वीं जयन्ती पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन उल्लेखनीय है। प्रदेश की लोक संस्कृति की लुप्त होती विधाओं को गॉव-गॉव तक पहुॅचाना, मंच प्रदान करना एवं इनसे संबंधित सर्वेक्षण/दस्तावेजीकरण आदि का महत्वपूर्ण कार्य भी निदेशालय द्वारा किया जाता है।

कल्याणकारी योजनाओं के अन्तर्गत प्रदेश के 60 वर्ष के वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को जिन्होनें अपना पूरा जीवन कला एवं संस्कृति तथा साहित्य की साधना में लगा दिया है परन्तु वृद्धावस्था एवं खराब स्वास्थ्य के कारण अपनी जीविकापार्जन में असमर्थ हो गये है। उन्हें रू0 2,000/- मासिक पेंशन दी जा रही है। ऐसे उत्कृष्ट कलाकारों/महानुभावों जिन्होंने अपने व्यक्तिगत प्रयासों से राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गौरव प्राप्त किया हो, को यश भारती पेंशन योजना भी संचालित की जा रही है। गजल, दादरा, ख्याल एवं ठुमरी के क्षेत्र में लब्ध प्रतिष्ठित कलाकारों को बेगम अख्तर पुरस्कार से सम्मानित भी किया जाता है।

विभाग द्वारा देश के महान विभूतियों की स्मृति को जनमानस में बनाये रखने तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जनसामान्य को परिचित कराने के उद्देश्य से विभाग द्वारा मूर्तियों का निर्माण कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में भारतरत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी एवं स्वामी विवेकानन्द जी की मूर्ति का अनावरण क्रमशः लोक भवन, लखनऊ एवं राजभवन परिसर, लखनऊ में कराया जा चुका है तथा महन्त अवैध नाथ एवं महन्त दिग्विजय नाथ तथा स्वतंत्रता सेनानी एवं उ0प्र0 के भूतपूर्व मुख्यमंत्री स्व0 हेमवती नन्दन बहुगुणा जी की मूर्ति के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी एवं शहीद बन्धु सिंह जी की प्रतिमा के निर्माण कार्य निकट भविष्य में किया जायेगा।

जनसामान्य की सांस्कृतिक अभिरूचि को समुन्नत करने हेतु निदेशालय द्वारा विभिन्न प्रकृति के निर्माण कार्य भी किये जाते हैं। निर्माण कार्य योजना के अन्तर्गत गोरखपुर में अत्याधुनिक प्रेक्षागृह, गोरखपुर स्थित रामगढ़ ताल परियोजना, गोरखपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच के अनुरक्षण का कार्य, गोरखपुर में पं0 दीनदयाल विश्वविद्यालय परिसर में गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ, आजमगढ़ स्थित हरिऔध कला केन्द्र, पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की जन्मस्थली गढ़कोला उन्नाव में विशाल स्मृति भवन, पुस्तकालय, आर्काइवल गैलरी, सांस्कृतिक संकुल आदि उल्लेखनीय है।

संस्कृति निदेशालय द्वारा निर्मित ई-डायरेक्ट्री के माध्यम से प्रदेश के कलाकारों को ऑन लाईन पंजीकरण के माध्यम से कार्यक्रम आवंटित किये जा रहे हैं। संस्कृति विभाग के विभिन्न प्रेक्षागृहों एवं वीथिकाओं की आन-लाईन बुकिंग व्यवस्था क्रियान्वित करने के उद्देश्य से एक साफ्टवेयर निर्मित कराया जा चुका है। उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ का रेनोवेशन एवं तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ीकरण कराया जाना है।

बिन्दु-1

उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार का संक्षिप्त परिचय, उद्देश्य

उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार की स्थापना सन् 1949 में सेन्ट्रल रिकार्ड आफिस के रूप में शिक्षा विभाग, उ0प्र0 इलाहाबाद के कार्यालय में हुई थी, जिसे पृथक इमारत का आवंटन 53 महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद में सन् 1951 में किया गया। उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार अपने नवनिर्मित भवन जो कि बी-44, महानगर विस्तार, लखनऊ में स्थित है, जुलाई 1973 को स्थानान्तरित हुआ। 1973 से ही उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ ने अपना विस्तार प्रारम्भ किया जब इसी वर्ष क्षेत्रीय अभिलेखागार व पाण्डुलिपि पुस्तकालय, इलाहाबाद की स्थापना की गयी। विस्तार की यह प्रक्रिया क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी (1976), नैनीताल (1977), आगरा व देहरादून (1980) की स्थापना के साथ ही निरन्तर चलती रही। क्षेत्रीय अभिलेखागार, नैनीताल व देहरादून वर्तमान समय में उत्तराखण्ड राज्य में हैं। उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार में सन् 1803 से अभिलेख संरक्षित हैं तथा व्यक्तिगत अधिकार से प्राप्त सन् 1540 से अभिलेख संरक्षित हैं। इसके मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

1. उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, मण्डलीय एवं जिला स्तर के कार्यालयों एवं अर्द्धशासकीय संस्थाओं में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण अभिलेखों का स्थानान्तरण तथा स्थानान्तरित अभिलेखों का वर्गीकरण तथा समुचित वैज्ञानिक संरक्षण करके सुव्यवस्थित ढंग से कार्टन बाक्स में रखना।
2. शोध-छात्रों को शोध हेतु ऐतिहासिक महत्व के अभिलेख एवं शासन को आवश्यक सूचनायें उपलब्ध कराना।
3. अभिलेखों की माइक्रोफिल्मिंग एवं फोटोकापी से सम्बन्धित सुविधायें और व्यक्तिगत अधिकारों से दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं प्रपत्रों को प्राप्त करना है।
4. उक्त कार्यो की सम्पूर्ति हेतु समय-समय पर विभिन्न सरकारी कार्यालयों के अभिलेखों का सर्वेक्षण करना।
5. उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, शासकीय कार्यालयों, स्वायत्तशासी संस्थाओं एवं व्यक्तिगत अधिकार में रखे गये अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने एवं उनके वैज्ञानिक संरक्षण के लिए परामर्श भी देता है।
6. मौखिक इतिहास योजना के अन्तर्गत विशिष्ट व्यक्तियों के संस्मरण टेप कराकर संरक्षित करना।
7. राज्य के विभिन्न कार्यालयों के अभिलेख कक्षों में कार्यरत कर्मचारियों को दो सप्ताह का अभिलेख संरक्षण का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।
8. अभिलेखागार द्वारा समय-समय पर संरक्षित अभिलेखों पर आधारित महत्वपूर्ण प्रकाशन भी किये जाते हैं।
9. प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण अंग-अभिलेखीय धरोहर के प्रति जन-सामान्य एवं छात्र-छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करने के निमित्त समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर अभिलेख प्रदर्शनियों एवं संगोष्ठियों आदि का आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं हेतु अभिलेख अभिरूचि कार्यक्रम के अन्तर्गत अभिलेखागार भ्रमण एवं अभिलेखों पर आधारित प्रश्नोत्तर कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार की गतिविधियाँ

- उत्तर प्रदेश सरकार के विभिन्न विभागों, मण्डलीय एवं जिला स्तर के कार्यालयों एवं अर्द्धशासकीय संस्थाओं में उपलब्ध ऐतिहासिक एवं प्रशासनिक दृष्टिकोण से **महत्वपूर्ण अभिलेखों का स्थानान्तरण** तथा स्थानान्तरित अभिलेखों का वर्गीकरण, तथा समुचित वैज्ञानिक संरक्षण करके सुव्यवस्थित ढंग से कार्टन बाक्स में रखना, शोध-छात्रों को शोध हेतु ऐतिहासिक महत्व के अभिलेख एवं शासन को आवश्यक सूचनायें उपलब्ध कराना, अभिलेखों की माइक्रोफिल्मिंग एवं फोटोकापी से सम्बन्धित सुविधायें और व्यक्तिगत अधिकारों से दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं प्रपत्रों को प्राप्त कराना।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, शासकीय कार्यालयों, स्वायतशासी संस्थाओं एवं व्यक्तिगत अधिकार में रखे गये अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने एवं उनके **वैज्ञानिक संरक्षण के लिए परामर्श** देना।
- मौखिक इतिहास योजना के अन्तर्गत **विशिष्ट व्यक्तियों के संस्मरण टेप कराकर** संरक्षित करना।
- राज्य के विभिन्न कार्यालयों के **अभिलेख कक्षों में कार्यरत कर्मचारियों को दो सप्ताह का अभिलेख प्रशिक्षण** दिया जाना।
- अभिलेखागार द्वारा समय-समय पर **संरक्षित अभिलेखों पर आधारित महत्वपूर्ण प्रकाशन** करना।
- प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के एक महत्वपूर्ण अंग-अभिलेखीय धरोहर के प्रति जन-सामान्य एवं छात्र-छात्राओं में जागरूकता उत्पन्न करने के निमित्त समय-समय पर प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर **अभिलेख प्रदर्शनियों एवं संगोष्ठियों आदि का आयोजन** करना।

बिन्दु-2

वित्तीय वर्ष 2019-20 में उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार लखनऊ एवं अधीनस्थ इकाइयों के कार्यो का विस्तृत विवरण

1. अभिलेखीय प्रबन्ध

अभिलेखों की मांग :- 1135 पत्रावलियां, 69 पुस्तकें, 382 वाल्यूम्स, 50 गजेटियर्स, 3161 पाण्डुलिपियाँ।

सत्यापन - 5050 पत्रावलियां, 617 वाल्यूम्स, 205 व्यक्तिगत अभिलेख, 3198 पाण्डुलिपियाँ, 132 गजट, 207 पुस्तकें, 16 बस्ते रामपुर।

सुव्यवस्था - 3153 पत्रावलियां, 601 वाल्यूम्स, 290 पुस्तकें, 2548 पाण्डुलिपियाँ, 132 गजट, 56 बस्ता रामपुर सीरीज, 240 व्यक्तिगत अभिलेख, 40 सेटिलमेंट रजिस्टर, 134 गजेटियर्स।

2. अभिलेखों का सन्दर्भ साधन :- अभिलेख कक्ष के विभिन्न विभागों की 153 पत्रावलियाँ, 425 दुर्लभ पुस्तकें, 262 पुस्तकें, 160 पाण्डुलिपियाँ, 168 पत्रिका।

3. शोध छात्र - देश विदेश के 156 शोध छात्रों ने अभिलेखागार में उपलब्ध अभिलेखों का अध्ययन किया।

4. खोज कार्य - इस अवधि में अभिलेखों से सम्बन्धित 17 खोज कार्य किए गये।

5. अभिलेखों का संरक्षण/मरम्मत :-

1.	पृष्ठीकरण	-	17553 शीट्स
2.	शीट्स अलग करना	-	17667 शीट्स
3.	सिलाई	-	21868 शीट्स
4.	निशान	-	4209 शीट्स
5.	कटिंग	-	7040 शीट्स
6.	हैण्ड लामीनेशन	-	1211 शीट्स
7.	फुल पेस्टिंग	-	3494 शीट्स
8.	सफाई	-	19822 शीट्स, 600 पाण्डुलिपियाँ
9.	साधारण मरम्मत	-	1632 शीट्स
10.	फ्यूमीगेशन	-	1400 वाल्यूम
11.	विअम्लीकरण	-	315 वॉल्यूम
12.	बाइडिंग	-	55 पुस्तकें/पत्रावलियां,
13.	09-पाण्डुलिपियाँ,		12-रजिस्टर
14.	गार्डिग	-	1359 शीट्स
15.	टिशू रिपेयरिंग	-	341 शीट्स/मैप
16.	जिल्दसाजी	-	34 वॉल्यूम्स, 80-पाण्डुलिपियाँ, 5-बुकलेट
17.	नत्थीकरण	-	74 पत्रावलियाँ
18.	वाष्पीकरण	-	757 पुस्तकें, 153-पत्रावलियाँ, 114-वाल्यूम्स
19.	सैंडविच	-	1742 शीट्स
20.	जीराक्स/स्कैनिंग	-	2059 शीट्स

6. पुस्तकालय :-

1.	शोध छात्रो को निर्गत	-	450 पुस्तकें
2.	पुस्तकालय के शोध छात्र	-	61 छात्र

7. अभिलेख प्रदर्शनी :-

- उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा निदेशक, संस्कृति निदेशालय,उ0प्र0 के निर्देशानुसार ''अन्तर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव-2019'' के अवसर पर 'उर्दू एवं फारसी ग्रंथों में रामकथा का चित्रण' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी (दिनांक 20 से 22 सितम्बर, 2019) तक उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर, लखनऊ में लगायी गयी।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज तथा मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के संयुक्त तत्वाधान में निर्मित ''1857 के प्रथम संगठित उपनिवेशवाद विरोधी आन्दोलन एवं राष्ट्रीय आन्दोलन'' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का उद्घाटन दिनांक 23 सितम्बर, 2019 को किया गया।
- दिनांक 06 नवम्बर, 2019 को स्थानीय जगत तारन महिला महाविद्यालय, प्रयागराज की छात्राओं ने राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज का शैक्षिणक भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्हें 'इतिहास एवं साहित्य शोध में पाण्डुलिपियों का महत्व' विषयक जानकारी प्रदान की गयी एवं 'धरोहर दर्शन कार्यक्रम' के अन्तर्गत मूल पाण्डुलिपियों का प्रदर्शन भी किया गया।
- दिनांक 22 नवम्बर, 2019 को 'विश्व धरोहर सप्ताह' (19-25 नवम्बर, 2019) के अवसर पर स्थानीय आर्यकन्या डिग्री कॉलेज प्रयागराज के पाणिनि सभागार में दुर्लभ पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी आयोजित की गयी, जिसका उद्घाटन अध्यक्ष, उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग, प्रयागराज ने किया, जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, अध्यक्ष, अरबी एवं फारसी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं मुख्य वक्ता के रूप में पाण्डुलिपि अन्वेषक श्री उदयशंकर दुबे आदि ने विषय से सम्बन्धित सारगर्भित व्याख्यान दिया। इस प्रदर्शनी में मूल पाण्डुलिपियों एवं उनके चित्रों का प्रदर्शन किया गया।
- दिनांक 25 नवम्बर, 2019 को 'विश्व धरोहर सप्ताह' (19 से 25 नवम्बर, 2019) के समापन अवसर पर ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज का शैक्षिणक भ्रमण किया। इस अवसर पर उन्हें 'इतिहास एवं साहित्य शोध में पाण्डुलिपियों का महत्व एवं संरक्षण' विषयक

जानकारी प्रदान की गयी एवं 'धरोहर दर्शन कार्यक्रम' के अन्तर्गत मूल पाण्डुलिपियों का प्रदर्शन भी किया गया।

- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा दिनांक 19 दिसम्बर, 2019 को आयोजित 'काकोरी के शहीद' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी बाजनगर, हरदोई रोड, लखनऊ में लगायी गयी।

8. रिप्रोग्राफी :-

- पूर्व में तैयार 158 रोल माइक्रोफिल्म की भौतिक एवं रासायनिक जाँच की गयी।

9. डिजिटाईजेशन :-

- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ कार्यालय में चल रहे डिजिटाइजेशन कार्य के अन्तर्गत विभिन्न विभागों की पत्रावलियों के लगभग 395605 पृष्ठों की पी0डी0एफ0 तथा 730 पत्रावलियों के मेटा डाटा की जाँच की गयी।

10. अन्य कार्य :-

- उ0प्र0 अभिलेख नीति के अनुपालनार्थ ऐतिहासिक महत्व के स्थायी अभिलेखों की 15 अदद पत्रावलियां जिलाधिकारी कार्यालय प्रतापगढ़ द्वारा दिनांक 26 जुलाई, 2019 को क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज को स्थानान्तरित करा दी गयी।
- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा श्री राम सिंह, बुद्धनगर गजरौला के व्यक्तिगत संस्था में संरक्षित अभिलेखों पाण्डुलिपियों का निरीक्षण दिनांक 31-08-2019 को किया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, आगरा द्वारा जिला बदायूं के ऑडिटोरियम/प्रेक्षागृह की दिनांक 18-10-2019 का निरीक्षण कर निरीक्षण आख्या निदेशक, संस्कृति निदेशालय,उ0प्र0, लखनऊ को प्रेषित की गयी।
- मा0 संस्कृति मंत्री जी के निर्देशानुसार कार्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकों के क्रय हेतु दिनांक 19-10-2019 को निदेशक, उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ की अध्यक्षता में हिन्दी, संस्कृत, इतिहास के विषय विशेषज्ञों (लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ के विभागाध्यक्ष/प्रोफेसर) के साथ बैठक की गयी।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, आगरा द्वारा कन्हैयालाल मणिकलाल हिन्दी संस्थान, डा0 बी0आर0 अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा द्वारा आयोजित 07 दिवसीय कार्यशाला में आवश्यक सहयोग दिया गया।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, आगरा द्वारा सामाजिक वानिकी प्रभाग, आगरा द्वारा ताज नेचर वाक क्षेत्र आगरा में कराये जा रहे विशेष प्रजाति के वृक्षारोपण कार्य का दिनांक 07-11-2019 को निरीक्षण कर आख्या विभाग को उपलब्ध करायी गयी।

उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ एवं अधीनस्थ इकाइयों के अन्तर्गत स्वीकृत पद

उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन/लेवल	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	निदेशक	78800-209200	7600/12	1	-
2	उपनिदेशक	67700-208700	6600/11	1	-
3	सहायक निदेशक एवं प्रशासकीय अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
4	सहायक निदेशक (संरक्षण)	47600-151100	4800/8	1	1
5	फोटो अधिकारी	44900-142400	4600/7	1	-
6	प्राविधिक सहायक (इतिहास)	35400-112400	4200/6	6	1
7	प्राविधिक सहायक (फारसी)	35400-112400	4200/6	1	1
8	प्राविधिक सहायक (परिरक्षण)	35400-112400	4200/6	1	-
9	प्रकाशन सहायक	35400-112400	4200/6	1	1
10	लेखाकार	35400-112400	4200/6	2	1

11	फोटोग्राफर	35400-112400	4200/6	1	1
14	कनिष्ठ प्राविधिक सहायक	29200-92300	2800/5	3	2
15	क्षेत्रीय सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
12	फोरमैन	35400-112400	4200/6	1	-
13	प्रधान सहायक	35400-112400	4200/6	1	-
16	पुस्तकालयाध्यक्ष	29200-92300	2800/5	1	1
17	आशुलिपिक	29200-92300	2800/5	2	2
18	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	2	-
19	उर्दू अनुवादक सह वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
20	सहायक लेखाकार	29200-92300	2800/5	1	1
21	सूक्ष्म फिल्म प्रचालक	29200-92300	2800/5	1	-
22	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	6	4
23	वाहन चालक	21700-69100	2000/3	1	1
24	ज्येष्ठ मेण्डर	19900-63200	1900/2	1	-
25	मेण्डर	18000-56900	1800/1	12	6
26	बिजली मिस्त्री	18000-56900	1800/1	1	1
27	बण्डल लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	-
28	बुक लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	1
29	प्रयोगशाला परिचर	18000-56900	1800/1	1	1
30	कारपेन्टर	18000-56900	1800/1	1	1
31	फर्राश	18000-56900	1800/1	1	-
32	चपरासी	18000-56900	1800/1	6	-
33	माली	18000-56900	1800/1	2	1
34	चौकीदार	18000-56900	1800/1	3	-
35	चौकीदार-कम-माली	18000-56900	1800/1	1	-
36	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	2	1
37	वाटरमैन-कम-साइकिल स्टैण्ड परिचर	18000-56900	1800/1	1	-
				72	29

कुल स्वीकृत पद-72, कुल रिक्त पद-29

क्षेत्रीय अभिलेखागार, आगरा

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन/लेवल	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	कनिष्ठ प्राविधिक सहायक	29200-92300	2800/5	1	1
3	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	1	-
4	मेण्डर	18000-56900	1800/1	2	2
5	चपरासी	18000-56900	1800/1	1	1
6	चौकीदार	18000-56900	1800/1	1	-
7	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	1	-
				08	04

कुल स्वीकृत पद-08, कुल रिक्त पद-04

क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	प्राविधिक सहायक (इतिहास)	35400-112400	4200/6	1	-
3	प्राविधिक सहायक (फारसी)	35400-112400	4200/6	1	1
4	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
5	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	2	1
6	मेण्डर	18000-56900	1800/1	3	2
7	बण्डल लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	-
8	चपरासी	18000-56900	1800/1	1	1
9	चौकीदार	18000-56900	1800/1	1	-
10	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	1	-
				13	05

कुल स्वीकृत पद-13, कुल रिक्त पद-05

क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन/लेवल	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	क्षेत्रीय अभिलेख अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	प्राविधिक सहायक (इतिहास)	35400-112400	4200/6	1	-
3	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
4	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	1	1
5	मेण्डर	18000-56900	1800/1	2	1
6	चपरासी कम बण्डल लिफ्टर	18000-56900	1800/1	1	-
7	सफाई कर्मी कम चौकीदार	18000-56900	1800/1	1	1
				08	03

कुल स्वीकृत पद-08, कुल रिक्त पद-03

राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	स्वीकृत पदों की संख्या	रिक्त पदों की संख्या
1	पाण्डुलिपि अधिकारी	47600-151100	4800/8	1	-
2	प्राविधिक सहायक (संस्कृत)	35400-112400	4200/6	1	-
3	प्राविधिक सहायक (फारसी)	35400-112400	4200/6	1	-
4	वरिष्ठ सहायक	29200-92300	2800/5	1	-
5	कनिष्ठ सहायक	21700-69100	2000/3	1	-
6	मेण्डर	18000-56900	1800/1	2	1
7	चपरासी	18000-56900	1800/1	1	-
8	चौकीदार	18000-56900	1800/1	1	1

9	सफाई कर्मी	18000-56900	1800/1	1	-
				10	02

कुल स्वीकृत पद-10, कुल रिक्त पद-02

बिन्दु-3

वर्ष 2020-21 में कराये जाने वाले कार्यो का विवरण

अभिलेख कक्ष निरीक्षण

उ0प्र0 अभिलेख नीति सन्-1990 के अनुपालन में विभिन्न जिलाधिकारी कार्यालयों के अभिलेख कक्षों एवं अन्य शासकीय कार्यालयों के अभिलेख कक्षों का निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है।

अभिलेख स्थानान्तरण

प्रशासनिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण विभिन्न शासकीय कार्यालयों के अभिलेख कक्षों से स्थायी संरक्षण के निमित्त अभिलेख स्थानान्तरित किया जाना प्रस्तावित है।

अभिलेख प्रदर्शनी

वर्ष 2020-21 में अभिलेखीय जनजागरूकता उत्पन्न करने के लिए विभिन्न विषयों पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन प्रस्तावित है।

अभिलेख अभिरूचि कार्यक्रम

वर्ष 2020-21 में लखनऊ जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं में प्रदेश की समृद्ध अभिलेखीय धरोहर के प्रति अभिरूचि उत्पन्न करने के लिए अभिलेखागार के भ्रमण एवं प्रश्नोत्तर कार्यक्रम का आयोजन प्रस्तावित है।

सेमिनार/संगोष्ठी

अभिलेखों के महत्व एंव उनके सम्यक् संरक्षण विषय पर सेमिनार एवं संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित है।

अभिलेख संरक्षण

व्यक्तिगत अधिकार में संरक्षित ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण एवं दुर्लभ अभिलेख/पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण कर उनका सूचीकरण किया जाना प्रस्तावित है।

मौखिक इतिहास योजना

प्रदेश के जीवित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का संस्मरण टेप कर संरक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

डिजिटाइजेशन

कार्यालय में संरक्षित विभिन्न विभागों के अभिलेखों का डिजिटाइजेशन प्रस्तावित

पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली द्वारा पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति योजना क्रियान्वयन हेतु अनुदान समाप्त कर दिया गया है। इस प्रकार मात्र प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत 04 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, 05 अवर लिपिक तथा 10 परिचर के पद शेष रह गये है। जिसमें वर्तमान समय में मात्र 01 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, फैजाबाद, 01 अवर लिपिक तथा 04 परिचर कार्यरत है। क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के संचालन हेतु 08 क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के माध्यम से सांस्कृतिक गतिविधियॉ संचालित हैं।

भातखण्डे संगीत संस्थान अभिमत विश्वविद्यालय, लखनऊ।

शास्त्रीय संगीत की विभिन्न विधाओं में अपनी शिक्षण पद्धति एवं विशिष्ट पाठ्यक्रम के लिए सुविख्यात इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1926 में मैरिस कालेज के नाम से हुई। बाद में इसका नाम बदलकर भातखण्डे हिन्दुस्तानी संगीत महाविद्यालय कर दिया गया। राज्य सरकार द्वारा दिनांक 26 मार्च, 1966 को इसे अपने नियंत्रण में लिया गया और विश्वविद्यालय घोषित होने तक एक शासकीय संस्था के रूप में गतिशील रहा।

भारत सरकार द्वारा दिनांक 24 अक्टूबर, 2000 को अपनी अधिसूचना में इसे समविश्वविद्यालय घोषित कर देश में इस संस्थान को संगीत शिक्षा के क्षेत्र में अपनी तरह का पहला विश्वविद्यालय होने का गौरव प्रदान किया गया है। संगीत शिक्षा के क्षेत्र में अनेक कीर्तिमान स्थापित करने वाले इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान कर दिये जाने से संगीत के विद्यार्थियों को प्रदेश में ही मान्यता प्राप्त उच्च स्तरीय शिक्षा ग्रहण करने का अवसर उपलब्ध हो गया है।

संगीत जैसी प्रदर्शन प्रधान कलाओं को सीखने के लिए कम आयु वर्ग के विद्यार्थियों की उपयुक्तता को ध्यान में रखकर महाविद्यालय में पहले संचालित पाठ्यक्रमों की कक्षाओं को संस्थान में भी यथावत बनाये रखे जाने का निर्णय लिया गया है। ताकि जो विद्यार्थी बी0पी0ए0 व एम0पी0ए0 के लिए निर्धारित अर्हताएं पूर्ण न करते हो, उन्हें भी संगीत शिक्षा प्राप्त करने मे कोई कठिनाई उत्पन्न न हो।

संस्थान द्वारा शास्त्रीय (गायन,ताल-वाद्य,स्वर-वाद्य,नृत्य) संगीत की चारो विद्याओं में बी0पी0ए0, एम0पी0ए0 एवं पी0 एच0 डी0 की डिग्री/उपाधि तथा प्रवेशिका, परिचय, प्रबुद्ध, पारंगत एवं उपशास्त्रीय गायन (ध्रपद-धमार, होरी, ठुमरी, दादरा, संवादिनी, की-बोर्ड, सुगम संगीत) में सर्टिफिकेट डिप्लोमा तथा लोकनृत्य में तीन वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। संगीत के शिक्षण कार्य के साथ-साथ पूर्व में संचालित वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम संगीत अभिरूचि की विशिष्ट कार्यशाला एवं संगीत सध्या का आयोजन कर रहा है।

संस्थान द्वारा सत्र 2001-02 से विश्वविद्यालय पाठ्यक्रमों के साथ-साथ महाविद्यालय के सर्टिफिकेट/डिप्लोमा की वार्षिक परीक्षाओं का स्वतन्त्र रूप से संचालन किया गया जा रहा है।

शिक्षण सत्र 2019-20 में संस्थान में प्रवेशिका से पारंगत कक्षा तक सर्टिफिकेट/डिप्लोमा पाठ्यक्रम में कुल 1700 तथा विश्वविद्यालय अनुभाग में कुल 300 अर्थात् शास्त्रीय संगीत की चारों विद्याओं (गायन, ताल-वाद्य, स्वर-वाद्य, नृत्य एवं संगीत शास्त्र) में कुल 2000 विद्यार्थी अध्ययनरत है।

भातखण्डे संगीत संस्थान समविश्वविद्यालय, लखनऊ

2020-21 के सांस्कृतिक कार्यक्रम

कार्यक्रम का नाम	प्रस्तुति का माह	प्रस्तुति स्थल
1. स्थापना दिवस	18 अप्रैल, 2020	कला मण्डपम प्रेक्षागृह
2. कार्यशाला(गायन,वादन व नृत्य)	16 मई, 2020 से 15 जून, 2020 तक	आचार्य रातनजनकर सभागार
3. जन्माष्टमी	सितम्बर, 2020	आचार्य रातनजनकर सभागार
4. भातखण्डे जयंन्ती समारोह, 2020	सितम्बर, 2020 तीन दिवसीय कार्यक्रम	कला मण्डपम प्रेक्षागृह
5. विश्व संगीत दिवस	अक्टूबर, 2020	कला मण्डपम प्रेक्षागृह
6. कार्यशाला	01.12.2020 से 20.12.2020 तक	आचार्य रातनजनकर सभागार
7. दशम दीक्षांत समारोह-2020	दिसम्बर, 2020	कला मण्डपम प्रेक्षागृह
8. सरस्वती पूजा	फरवरी, 2021	आचार्य रातनजनकर सभागार
9. संगीत प्रतियोगिता	फरवरी, 2021	आचार्य रातनजनकर सभागार
10. होलिकोत्सव	मार्च, 2021	कला मण्डपम प्रेक्षागृह

उक्त कार्यक्रमों का आयोजन वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिये प्रस्तावित है।

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0

राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 की स्थापना 08 फरवरी, 1962 को उत्तर प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग की पूर्णतः वित्त पोषित स्वायत्तशासी इकाई के रूप में हुई थी। अकादमी कला एवं कलाकारों की प्रोन्नति एवं प्रोत्साहन के ध्येय की ओर निरन्तर अग्रसर होती हुई कला जगत में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। अकादमी छत्तरमंजिल और हाईकोर्ट (लखनऊ बेंच) के मध्य ललित कला अकादमी मार्ग पर लाल बारादरी भवन में स्थित है। यह भवन उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित एक पुरातात्विक इमारत है। इसका निर्माण 1778-1814 के बीच हुआ। स्वतंत्रता के पश्चात सर्वप्रथम इस भवन में राज्य संग्रहालय स्थापित हुआ। राज्य संग्रहालय का अपने भवन में स्थानान्तरण होने के पश्चात वर्ष 1962 में राज्य ललित कला अकादमी की स्थापना हुई।

अकादमी द्वारा दृश्य कला से सम्बन्धित विभिन्न प्रदेश/अखिल भारतीय/अन्तर्राष्ट्रीय कला प्रदर्शनियों, कला व्याख्यान मालाओं, कला शिविरों तथा युवा कलाकारों के लिये छात्रवृत्ति एवं आर्थिक सहायता के माध्यम से गतिविधियों का आयोजन कर रही है तथा युवाओं का उत्साहवर्धन पिछले 57 वर्षों से अपने सीमित संसाधनों से कर रही है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में माहवार आयोजित गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

मई, 2019

01. प्रदेश के 24 स्थानों पर स्ववित्तपोषित ग्रीष्मकालीन 20 दिवसीय कार्यशालाओं का आयोजन

(10 मई से 30 जून के मध्य)

02. पद्मश्री डॉ0 विष्णु श्रीधर वाकणकर जी के जन्मदिवस पर कला परिचर्चा दिनांक 04 मई को अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन में।

जून, 2019

01. दिनांक 01 से 20 जून, 2019 तक अकादमी परिसर में स्ववित्तपोषित ग्रीष्मकालीन कार्यशाला का आयोजन।

02. दिनांक 09 जून, 2019 अकादमी द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं केपुरस्कारों का वितरण कार्यक्रम। स्थान- यशपाल सभागार, हिन्दी संस्थान, लखनऊ।

जुलाई, 2019

01. रचनात्मक कला केन्द्र के षट्मासिक प्रशिक्षण सत्र का शुभारम्भ 01 जुलाई, 2019 को।

अगस्त, 2019

01. श्री कृष्ण जन्मोत्सव 2019 कृष्णलीला पर आधारित चित्रांकन (वाल पेन्टिंग/कैनवास) का आयोजन मथुरा में। दिनांक 22, 23, 24 व 25 अगस्त, 2019

सितम्बर, 2019

01. रचनात्मक कला केन्द्र के प्रशिक्षार्थियों की कृतियों की प्रदर्शनी। दिनांक 07 से 10 सितम्बर, 2019 अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन में।
02. पद्मश्री डॉ0 विष्णु श्रीधर वाकणकर जी की स्मृति पर कला शिविर कम प्रतियोगिता। दिनांक 9, व 10, सितम्बर 2019 कला एवं शिल्प महाविद्यालय, लखनऊ में।
03. पद्मश्री डॉ0 विष्णु श्रीधर वाकणकर जी की स्मृति में प्रदर्शनी। दिनांक 19 से 22 सितम्बर, 2019 माधव सभागार, निराला नगर, लखनऊ में।
04. संस्कृति एवं पर्यटन विभाग, उ0प्र0 तथा भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद् नई दिल्ली द्वारा दिनांक 20 से 22 सितम्बर, 2019 तक अंतर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव का आयोजन उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर, लखनऊ में किया गया। इस अवसर पर अकादमी द्वारा 25 दिव्यांग युवा कलाकारों का रामायण पर आधारित दो दिवसीय (20 व 21 सितम्बर, 2019) चित्रकार शिविर का आयोजन किया गया।
05. कला आचार्य प्रदर्शनी वाराणसी क्षेत्र दिनांक 25 से 27 सितम्बर, 2019 तक।
06. कला आचार्य प्रदर्शनी जे.वी.जैन पी.जी. कालेज, सहारनपुर में दिनांक 27 एवं 28 सितम्बर, 2019 को महाविद्यालय परिसर में।

अक्टूबर, 2019

01. महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ती के समापन समारोह के अवसर पर 302 बच्चों की क्ले माडलिंग एवं जलरंग में कार्यशाला/प्रदर्शनी तथा 9 वरिष्ठ/युवा मूर्तिकारों का सजीव प्रदर्शन। अवध शिल्पग्राम, शहीद पथ, गोमती नगर, लखनऊ में दिनांक 01 अक्टूबर, 2019 को।
02. कला आचार्य प्रदर्शनी लखनऊ एवं अयोध्या मण्डल की अकादमी परिसर, लाल बारादरी भवन, ललित कला अकादमी मार्ग में दिनांक 4 से 06 अक्टूबर, 2019 तक।
03. कला आचार्य प्रदर्शनी आगरा क्षेत्र दिनांक 9 से 14 अक्टूबर, 2019 तक चित्रकला विभाग, आगरा कालेज, आगरा में।
04. कला आचार्य प्रदर्शनी गोरखपुर क्षेत्र दिनांक 18 अक्टूबर, 2019 को चन्द्रकान्ति रमावती आर्य महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर में।
05. कला आचार्य प्रदर्शनी कानपुर/झांसी क्षेत्र, दिनांक 23 से 25 अक्टूबर, 2019 तक कानपुर विद्या मन्दिर महिला इण्टर कालेज, स्वरूप नगर, कानपुर में।

नवम्बर, 2019

01. कला आचार्य प्रदर्शनी बरेली क्षेत्र दिनांक 02 से 04 नवम्बर, 2019 तक श्री राम मूर्ति कला वीथिका, ललित कला विभाग, बरेली कालेज, बरेली में।
02. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 एवं ललित कला विभाग, छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में कानपुर में दिनांक 14 से 20 नवम्बर, 2019 तक अंतर्राष्ट्रीय चित्रकार शिविर व दिनांक 19 व 20 नवम्बर को अंतर्राष्ट्रीय कला संगोष्ठी का आयोजन कानपुर में।
03. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् की इकाई राष्ट्रीय कला मंच, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में आगरा में विद्यार्थी परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन के अवसर पर दिनांक 17 व 18 नवम्बर, 2019 को दो दिवसीय चित्रकला शिविर **'राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के नायक'** शीर्षक से एस.एस. एजूकेशनल इंस्टीट्यूट, का गामरी मलपुरा, आगरा में।

दिसम्बर, 2019

01. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 एवं श्री राम रतन शास्त्री महाविद्यालय, गोला के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 01 व 02 दिसम्बर, 2019 को बाल एवं युवा छात्राओं की चित्रकला प्रतियोगिता।

02. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 एवं लखनऊ स्मार्ट सिटी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 08 व 09 दिसम्बर, 2019 को 1090 चौराहा, गोमती नगर, लखनऊ में एक चित्रकार शिविर का आयोजन।

03. राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा श्री दिनेश प्रताप सिंह, वरिष्ठ कलाकार के संयुक्त तत्वावधान में श्रावस्ती में भगवान बुद्ध एवं बौद्ध धर्म पर आधारित तीन दिवसीय चित्रकार शिविर दिनांक 14 से 16 दिसम्बर, 2019 तक।

04. क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी झाँसी/कानपुर क्षेत्र की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक 20 दिसम्बर, 2019 को प्रदर्शनी दिनांक 22 दिसम्बर, 2019 तक चलेगी।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में प्रस्तावित गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

जनवरी, 2019

01. स्ववित्तपोषित योजना के अंतर्गत अकादमी द्वारा संचालित रचनात्मक कला केन्द्र के षट्मासिक सत्र का शुभारम्भ (जनवरी से जून-2020)।

02. संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 के सौजन्य से दिनांक 11 से 13 जनवरी, 2020 गोरखपुर महोत्सव के अवसर पर **अपना गोरखपुर** चित्रांकन।

03. वरिष्ठ कलाकारों का पोट्रेट चित्रकार शिविर बरेली में दिनांक 14 से 16 जनवरी, 2020

04. क्षेत्रीय कला प्रदर्शनियाँ सहारनपुर/गाजियाबाद, आगरा, बरेली, लखनऊ, वाराणसी एवं गोरखपुर क्षेत्रों की प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समारोह।

05. राष्ट्रीय चित्रकार शिविर, जे.जे.टी. यूनिवर्सिटी, झुन्झुनू, राजस्थान एवं राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 27 से 29 जनवरी, 2020

फरवरी, 2019

01. 34वीं राज्य स्तरीय कला प्रदर्शनी का उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समारोह।
02. 16वीं अखिल भारतीय फोटोग्राफी का उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समारोह।
03. आमंत्रित कला प्रदर्शनी का उद्घाटन।

मार्च, 2019

01. अन्तर्राज्य विनिमय कला प्रदर्शनी।
02. अकादमी संग्रह से चयनित कलाकृतियों की संग्रह कला प्रदर्शनी।
03. डॉ0 राधाकमल मुखर्जी स्मृति व्याख्यानमाला।
04. सम्मान एवं कला प्रदर्शन कार्यक्रम।

वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्रस्तावित गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण

01. 15वीं अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी।
02. 17वीं अखिल भारतीय फोटोग्राफी कला प्रदर्शनी।
03. आमंत्रित कला प्रदर्शनी का उद्घाटन।
04. अकादमी संग्रह से चयनित कलाकृतियों की संग्रह कला प्रदर्शनी।
05. अन्तर्राज्य विनिमय कला प्रदर्शनी।
06. डॉ0 राधाकमल मुखर्जी स्मृति व्याख्यानमाला।
07. क्षेत्रीय कला प्रदर्शनी, प्रदेश के 07 स्थानों पर।
08. अकादमी के स्थापना दिवस पर कला शिविर, कला प्रदर्शन, सेमिनार एवं परिचर्चा।
09. राष्ट्रीय कला संस्थाओं एवं भारत सरकार के संस्कृति विभाग, दूतावासों के सहयोग से राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों एवं समकालीन कला विषयक संगोष्ठियों का आयोजन।
10. राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कला शिविरों का आयोजन।
11. अधिसदस्यता सम्मान।
12. समय-समय पर शासन द्वारा आदेशित एवं देश/प्रदेश की विभिन्न कला संस्थाओं के सहयोग से आयोजित अस्थायी कार्यक्रम।

उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर, लखनऊ

अकादमी का परिचय

अकादमी की स्थापना 13 नवम्बर, 1963 को हुई थी। पिछले 57 वर्षों से अकादमी संगीत, नृत्य, नाटक, लोकसंगीत, लोकनाट्य की परम्पराओं के प्रचार-प्रसार, संवर्द्धन एवं परिरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उत्तर प्रदेश एक विशाल सांस्कृतिक क्षेत्र है, जिसकी विविध समृद्धसांस्कृतिक परम्पराओं के परिरक्षण एवं संवर्द्धन की दिशा में अभी बहुत कुछ किया जाना है। अकादमी के अत्यधिक सीमित संसाधन हैं, जबकि इतने वृहद् प्रदेश के लिये अधिक आर्थिक संसाधनों की आवश्यकता है, जिससे प्रदेश की सांस्कृतिक गतिविधियों को और अधिक गतिशील व क्रियाशील बनाया जा सके। प्रदेश में संगीत, नृत्य, नाटक, लोक विधाओं सम्बन्धी परम्पराओं के विषय में अधिक जागरूकता एवं जानकारी, नवोदित प्रतिभाशाली युवा कलाकारों को प्रोत्साहन, नवीन प्रतिभाओं का विकास एवं उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण, सांस्कृतिक कार्यकलापों का विकेन्द्रीकरण, प्रदेश के विभिन्न अंचलों में कार्यरत् स्वैच्छिक संस्थानों से सम्पर्क एवं उनके कार्यकलापों में सहायता, लुप्त हो रही विधाओं के परिरक्षण एवं प्रदर्शन की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर सम्पन्न कराना, साथ ही सर्वेक्षण एवं सर्वेक्षण के आधार पर कार्यक्रमों को तैयार कर उन्हें जनता के समक्ष लाना, अकादमी की गतिविधियों में शामिल है।

अकादमी द्वारा किये कार्यकलापों का विवरण निम्नवत है:--

1. अकादमी सम्मान- प्रदेश में संगीत, नृत्य एवं नाटक के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु विद्वान् एवं समर्पित कलाकारों को उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा वर्ष 1970 से सम्मानित करने की योजना प्रारम्भ की गयी थी, जिसके अन्तर्गत अकादमी द्वारा चयनित विद्वानों को अकादमी पुरस्कार (1970 से), सफदर हाशमी पुरस्कार (1991 से), बी एम.शाह पुरस्कार (1998 से) तथा अकादमी के सर्वोच्च सम्मान 'रत्न सम्मान' (1970 से) अलंकृत किया जाता है।

2. शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता (नवोदित, बाल, किशोर एवं युवा कलाकारों को प्रोत्साहन)- अकादमी द्वारा विगत 44 वर्षों से प्रति वर्ष संगीत प्रतियोगिता का आयोजन दो चरणों में आयोजित किया जाता रहा है। प्रथम चरण में सम्भागीय स्तर के 18 केन्दों पर तथा दूसरे चरण में इन केन्द्रों से प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी कलाकारों को प्रादेशिक प्रतियोगिता में आमंत्रित किया जाता है। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने का उद्देश्य शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में उभरती नवोदित प्रतिभाओं की खोजकर उन्हें व्यावसायिक कला के क्षेत्र में पदार्पण करने हेतु प्रोत्साहित करना है। विगत वर्षों में इस प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेता कलाकारों ने प्रदेश, देश तथा विदेश में अपनी कला का प्रदर्शन कर ख्याति अर्जित की है और निरंतर अपनी कला के माध्यम से प्रदेश को गौरवान्वित कर रहे हैं।

3. नाट्य समारोह- अपने नियमित कार्यक्रमों के अन्तर्गत अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष सम्भागीय नाट्य समारोह एवं राज्य नाट्य समारोह का आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों मे सम्पन्न किया जाता है।

4. लोक नाट्य समारोह- अपने नियमित कार्यक्रमों के अन्तर्गत अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष प्रदेश के लोक नाट्य यथानौटंकी, रामलीला, रासलीला, आदि को प्रोत्साहन देने हेतु लोक नाट्य समारोह का आयोजन किया जाता है।

5. अवध संध्या–अकादमी द्वारा प्रत्येक माह के चौथे शुक्रवार को अवध संध्या शीर्षक से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसके अन्तर्गत शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, सुगम संगीत एवं नृत्य तथा नाटक के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

6. ध्रुवपद समारोह – विलुप्त होती शास्त्रीय ध्रुवपद गायन एवं वादन परम्परा को जनमानस से परिचित कराने एवं कलाकारों को प्रोत्साहित एवं मंच प्रदान करने के उद्देश्य से अकादमी द्वारा प्रत्येक वर्ष ध्रुवपद समारोह का आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों में किया जाता है।

7. रसमंच – इस योजना के अन्तर्गत प्रत्येक माह एक बार संगीत, नृत्य एवं नाट्य से जुड़ी उदीयमान एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं/व्यक्ति को प्रोत्साहन स्वरूप वाल्मीकि रंगशाला/सतं गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, विज्ञापन एवं निमंत्रण पत्र मुद्रण का सहयोग प्रदान किया जाता है।

8. नवांकुर संगीत संध्याः– इस योजना में संगीत प्रतियोगिता के पुरस्कृत प्रतिभागी कलाकारों को मंच प्रदान करने के उद्देश्य से उदीयमान कलाकारों को मंच प्रदान किया जाता है।

09. (क) अभिलेखागार– अकादमी अभिलेखागार के अन्तर्गत इस वर्ष अकादमी द्वारा आयोजित समस्तसंगीत, नृत्य एवं नाट्य-कार्यक्रमों की आडियो-वीडियो रिकार्डिंग एवं फोटोग्राफ संग्रहित किये गये हैं अब तक अकादमी द्वारा आडियो कैसेट 1973, वीडिया कैसेट 1177, डी0वी0डी0 50, सी0डी0 125 एवं स्पूल टेप्स 1008 तथा लगभग कुल 5040 घंटे की रिकॉर्डिंग संग्रहित हैं।

(ख) स्टूडियो रिकार्डिग– अकादमी की एक महत्वपूर्ण योजना स्टूडियो रिकार्डिग भी है, जिसके अन्तर्गत उत्तर प्रदेश की लुप्त प्रायः विधाओं यथा शास्त्रीय, उपशास्त्रीय एव लोक गीत, संगीत एवं वादन विधाओं के कलाकारों की स्टूडियो रिकार्डिग शोधार्थियों एवं भविष्य के सन्दर्भ हेतु की जाती है।

10. प्रकाशन– अकादमी द्वारा संगीत, नृत्य एवं नाट्य पर आधारित त्रैमासिक पत्रिका 'छायानट' का प्रकाशन किया जाता है। समय-समय पर संगीत, नृत्य एव नाट्य से संबंधित विशेषांकों का भी प्रकाशन कराया जाता रहा है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में पत्रिका के तीन अंक प्रकाशित हुये जिसमें कथक विशेषांक तथा 'भारत रत्न' बिस्मिल्लाह खां' पर केन्द्रित अंक भी प्रकाशित किया गया।

11. पुस्तकालय– अकादमी पुस्तकालय संकलन की दृष्टि एवं सेवा की प्रकृति के अनुसार विशिष्ट पुस्तकालय की श्रेणी में आता है। संकलन की लगभग 80 प्रतिशत पुस्तकें संगीत व नाटक विषय से संबंधित हैं। अकादमी पुस्तकालय मौलिक स्थापना मूल्यों के प्रति निरन्तरता का प्रयास करता है। देश-विदेश के वे सभी शोधार्थी जो संगीत तथा नाटक विषयों में शोध कार्य कर रहे हैं। यहां उपयोगी सामग्री प्राप्त करते हैं। किसी भी प्रकार की सर्वेक्षण पूर्व योजना के लिये अकादमी ग्रंथागार में विविध संदर्भो से युक्त साहित्य का विशाल भण्डार है। अकादमी पुस्तकालय की सेवाओं का लाभ अकादमी तथा कथक केन्द्र परिवार के अतिरिक्त शोध छात्र-छात्रायें, कलाकार एवं कलामित्र तथा पुस्तकालय-सदस्य निरन्तर प्राप्त कर रहे हैं।

वर्तमान में अकादमी में लगभग 15,000 पुस्तकें एवं पत्रिकाएं संग्रहित की गयी है। अकादमी पुस्तकालय की सेवाओं का लाभ अकादमी तथा कथक केन्द्र के अतिरिक्त शोधार्थी छात्र-छात्रायें, कलाकार एवं पुस्तकालय-सदस्य आदि निरन्तर प्राप्त कर रहे हैं।

12. कथक केन्द्र- लखनऊ घराने की कथक परम्परा के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से वर्ष 1972 में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अन्तर्गत कथक केन्द्र की स्थापना शासन द्वारा की गयी। कथक केन्द्र के प्रथम निदेशक के रूप में लखनऊ घराने के सुविख्यात कथकाचार्य स्व0 पं0 लच्छू महाराज (पं0बैजनाथ मिश्र) की नियुक्ति की गयी। कथक केन्द्र द्वारा नियमित नौ वर्षीय पाठयक्रम के अर्न्तगत छात्र-छात्राओं को कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। विशेष रूप से निर्मित इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रारम्भिक पाठ्यक्रम, जूनियर डिप्लोमा, सीनियर डिप्लोमा तथा पोस्ट डिप्लोमा की कक्षाएं संचालित की जाती हैं। कथक केन्द्र द्वारा कथक नृत्य प्रशिक्षण के साथ-साथ कथक केन्द्र के सीनियर छात्र-छात्राओं को सम्मिलित करते हुये नृत्य-नाटिकाओं का निर्माण भी किया जाता है, जिनका प्रस्तुतिकरण नगर में तथा नगर के बाहर समय-समय पर अनेक सरकारी एवं गैर सरकारी आयोजनों में किया जाता है। सुविख्यात कथकाचार्य स्व0 पं0 लच्छू महाराज की जयन्ती के अवसर पर 31 अगस्त एवं 01 सितम्बर को **'नमन'** कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है।

उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, गोमतीनगर, लखनऊ

वर्ष 2019-20 में की गयी गतिविधियों का विवरण

दिनांक	कार्यक्रम /गतिविधि	कलाकार	स्थल
05.4 2019	नमस्ते ''जय श्री कृष्णा''	सुश्री इला अरूण श्री के0के0 रैना	संतगाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
26.-.2019	अवध संध्या (लोक गायन)	सुश्री वन्दना मिश्रा (फैजाबाद) सुश्री रंजना मिश्रा (लखनऊ)	वाल्मीकि रंग-शाला,
24 मई 2019	देवी आगमन	संस्था दर्पण, लखनऊ	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
21 जून 2019	भजनांजलि	पद्यश्री श्री अनुप जलोटा	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
03 जुलाई 2019	कथक पल्लव	कथक केन्द्र द्वारा आयोजित	वाल्मीकि रंगशाला
26 जुलाई 2019	सरोद वादन	पं0 अभिजीत राय चौधरी (लखनऊ) पं0 नरेन्द्र नाथ धर (कोलकाता)	वाल्मीकि रंगशाला,
07 अगस्त से 09 2019 तक	कथक रंग	कथक केन्द्र लखनऊ नि0 पद्मश्री प्रताप पवार (लंदन)	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
29 अगस्त 2019	लोक संध्या	श्री मगन मिश्र (लखनऊ) सुश्री अर्चना प्रजापति (लखनऊ) श्री राकेश श्रीवास्तव (गोरखपुर)	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
31 अगस्त 2019	नमन	कथक केन्द्र द्वारा आयोजित	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
27 सितम्बर 2019	सुगम संगीत	श्री किशोर चतुर्वेदी सुश्री स्वाति रिज़वी	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
01 अक्टूबर 2019	संध्या काले प्रभात फेरी मोहन से मसीहा	संस्कृति विभाग उ0प्र0 एवं भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा संगीत नाटक अकादमी के सहयोग	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
30 अक्टूबर 2019	यादें	पदमश्री मालिनी अवस्थी	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह

07 नवम्बर 2019	कथक पल्लव	कथक केन्द्र द्वारा आयोजित	वाल्मीकि रंगशाला,
13 नवम्बर 2019	कबीर	श्री शेखर सेन	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
16 नवम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	बरेली
17 नवम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	मुरादाबाद
21 नवम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	मेरठ

24 नवम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	कानपुर
28 नवम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	बस्ती
28 नवम्बर 2019	कथक सुगंध	कथक केन्द्र द्वारा आयोजित	वाल्मीकि रंगशाला
08 दिसम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	फैज़ाबाद
11 से 14 दिसम्बर 2019	सम्भागीय नाट्य समारोह	कामायनी, लखनऊ, संस्कार भारती, आगरा, अभिनय ज्योति, वाराणसी, मदद एजूकेशनल एण्ड वेलफेयर सोसायटी, लखनऊ	शाहजहांपुर
18 दिसम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	बनारस
19 दिसम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	विध्यांचल
20 दिसम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	इलाहाबाद
21 दिसम्बर 2019	संगीत प्रतियोगिता	उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा आयोजित	चित्रकूट

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ

वित्तीय वर्ष 2020-21 में नगर तथा नगर से बाहर स्थानीय संस्थाओं/ज़िला प्रशासन के सहयोग से आयोजित किए जाने वाले प्रस्तावित सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरण

माह/कार्यक्रम	स्थान
माह अप्रैल, 2020	
1. अवध संध्या	लखनऊ
2. रसमंच	लखनऊ
माह मई, 2020	
1. अवध संध्या	लखनऊ
2. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकार्डिंग	अकादमी स्टूडियो
3. रसमंच	लखनऊ
4. ग्रीष्मकालीन प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला	लखनऊ

माह जून, 2020

1. अवध संध्या	लखनऊ
2. ग्रीष्मकालीन प्रस्तुतिपरक कथक कार्यशाला	लखनऊ
3. ग्रीष्मकालीन प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशाला	लखनऊ
4. रसमंच	लखनऊ

माह जुलाई, 2020

1. अवध संध्या	लखनऊ
2. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
3. लोक नाट्य समारोह	लखनऊ के बाहर
4. रसमंच	लखनऊ
5. नवांकुर संगीत समारोह (बाल वर्ग)	लखनऊ या अन्य जगह

माह अगस्त, 2020

1. अवध संध्या	लखनऊ
2. संगीत कार्यशाला	लखनऊ
3. रसमंच	लखनऊ
4. नवांकुर संगीत संध्या	लखनऊ
5. 'नमन' स्व0लच्छू महाराज स्मृति में कथक कार्यक्रम	लखनऊ
6. नवांकुर संगीत समारोह (युवा वर्ग)	लखनऊ या अन्य जगह

माह सितम्बर, 2020

1. 'नमन' स्व0लच्छू महाराज स्मृति कथक कार्यक्रम	लखनऊ
2. अवध संध्या	लखनऊ
3. संगीत प्रतियोगिता	प्रदेश के विभिन्न शहरों में
4. रसमंच	लखनऊ

माह अक्टूबर, 2020

1. भजन संध्या	लखनऊ
2. संगीत प्रतियोगिता	प्रदेश के विभिन्न शहरों में
3. यादें (बेगम अख्तर स्मृति कार्यक्रम)	लखनऊ
4. रसमंच	लखनऊ

माह नवम्बर, 2020

1. 'धरोहर' अकादमी स्थापना दिवस	लखनऊ
2. 'उल्लास उत्सव' प्रादेशिक संगीत प्रतियोगिता तथा तथा नवोदित कलाकार संध्या एवं पुरस्कार वितरण समारोह	लखनऊ
3. अवध संध्या	लखनऊ
4. रसमंच	लखनऊ
5. सम्भागीय नाट्य समारोह	लखनऊ के बाहर

माह दिसम्बर, 2020

1. अवध संध्या	लखनऊ
2. सम्भागीय नाट्य समारोह	लखनऊ के बाहर
3. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
4. रसमंच	लखनऊ

माह जनवरी, 2021

1. अवध संध्या	लखनऊ
2. ध्रुवपद समारोह	लखनऊ के बाहर
3. सम्भागीय नाट्य समारोह	लखनऊ के बाहर
4. रसमंच	लखनऊ

माह फरवरी, 2021

1. राज्य नाट्य समारोह	लखनऊ के बाहर
2. लोकोत्सव	लखनऊ के बाहर
3. अवध संध्या	लखनऊ
4. अभिलेखागार हेतु स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
5. रसमंच	लखनऊ
6. नवांकुर संगीत समारोह (किशोर वर्ग)	लखनऊ या अन्य जगह

माह मार्च, 2021

1. अवध संध्या	लखनऊ
2. स्टूडियो रिकॉर्डिंग	अकादमी स्टूडियो
3. रसमंच	लखनऊ

नोट :- उपरोक्त स्थान/कार्यक्रमों में आवश्यकतानुसार परिवर्तन हो सकता

भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

स्थापना व परिचय

हिन्दी भाषी प्रान्तों में प्रतिभावान व महत्वाकांक्षी युवक युवतियों को नाट्यकला में प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से भारतेन्दु नाट्य अकादमी की स्थापना अगस्त 1975 में हुई थी। संस्थापक निदेशक पद्मश्री राज बिसारिया के कुशल निर्देशन में अकादमी का प्रशिक्षण कार्य, अंशकालिक प्रशिक्षण के रूप में प्रारम्भ होकर 1978 में एक वर्षीय पूर्णकालिक सर्टीफिकेट कोर्स तथा 1981 में द्विवर्षीय डिप्लोमा के रूप में स्थापित हुआ, जिसके अन्तर्गत नाट्यकला के विभिन्न पक्षों अभिनय, निर्देशन, रंग-तकनीक एवं नाट्य साहित्य विषयों में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। अकादमी से प्रशिक्षण प्राप्त छात्र-छात्राओं का पलायन रोकने के दृष्टिकोण से वर्ष 1988 में रंगमण्डल की स्थापना की गई।

भारतेन्दु नाट्य अकादमी उत्तर प्रदेश शासन के संस्कृति विभाग के अन्तर्गत स्वायत्तशासी संस्थान के रूप में कार्य कर रहा है।

उद्देश्य

अकादमी का उद्देश्य रंगमंच के विभिन्न पहलुओं में सैद्धान्तिक व व्यावहारिक गहन प्रशिक्षण प्रदान करना है ताकि इसे व्यवसाय के रूप में अपनाने के लिये सशक्त पृष्ठभूमि तैयार हो सके। सैद्धान्तिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण के द्वारा छात्र छात्राओं की सृजनात्मकता का विकास करना उसकी कल्पना शक्ति लोक सौन्दर्यबोध के साथ रचनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करना है। इस प्रशिक्षण को प्रदान करने में अकादमी के नियमित प्रवक्ताओं के अतिरिक्त देश विदेश के ख्याति प्राप्त कलाकारों व कलाविदों की सेवायें समय-समय पर प्राप्त की जाती हैं।

द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण किये जाने के पश्चात् सफल छात्रों को अकादमी द्वारा नाट्य विधा में डिप्लोमा प्रदान किया जाता है। सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र को अकादमी के भूतपूर्व छात्र की स्मृति में स्वर्गीय मृगांक शर्मा मेडल भी दिया जाता है।

भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ।

छात्रों के विशिष्ट प्रशिक्षण हेतु 01 अप्रैल, 2019 से 19 दिसम्बर, 2019 तक आमंत्रित अतिथि विशेषज्ञ

क्र.सं.	नाम व स्थान	विषय
1	श्री मनोज शर्मा, लखनऊ	अभिनय
2	श्री योगेश पाठक, बंग्लौर	इण्डियन ड्रामा
3	श्री ललित सिंह पोखरिया, लखनऊ	वेशभूषा
4	सुश्री संध्या मुखर्जी, लखनऊ	संगीत
5	श्री आतमजीत सिंह, लखनऊ	नौटंकी कार्यशाला
6	श्री उर्मिल कुमार थपलियाल, लखनऊ	नागरी नौटंकी
7	श्री राकेश श्रीवास्तव, गोरखपुर	रंगमंच में लोक गीतों की भूमिका
8	श्री एस0विश्वाजीत सिंह, मणिपुर	मार्शल आर्ट
9	श्री राजीव गौर सिंह, मुम्बई	अभिनय रियलिस्टिक
10	सुश्री निवेदिता भार्गव, मुम्बई	अभिनय सिद्धान्त व्यवहारिक
11	श्री सुमन कुमार, दिल्ली	अभिनय व्यवहारिक
12	श्री प्रसोभ, केरला	कलरी पट्ट
13	सुश्री दिव्या भारद्वाज, लखनऊ	पर्सनैलिटी डेवलपमेन्ट
14	सुश्री विधु खरे दास, वर्धा	अभिनय
15	श्री हेमेन्द्र भाटिया, मुम्बई	अभिनय फिल्म एवं टेलीविजन
16	श्री अमीर चन्द, दिल्ली	भारतीय संस्कृति पर व्याख्यान
17	श्री अशोक भांठिया, मुम्बई	अभिनय
18	श्री अजय मलकानी, रांची	अभिनय
19	डा0 साबिरा हबीब, लखनऊ	रसियन ड्रामा
20	श्री पुनीत अस्थाना, लखनऊ	निर्देशन
21	श्री सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, लखनऊ	निर्देशन सैद्धान्तिक

अकादमी तथा रंगमण्डल की नाट्य प्रस्तुतियां

तिथि	कार्यक्रम	निर्देशक	स्थान
2,3,4,5 मई, 2019	छात्र प्रस्तुति बहती हवा से गिर जाते हैं पत्ते!	सी0आर0जाम्बे	बी0एम0शाह प्रेक्षागृह लखनऊ।
09 सितम्बर, 2019	भारतेन्दु जयन्ती के उपलक्ष्य में 'भावांजलि' तदुपरान्त छात्र प्रस्तुति 'अंधेर नगरी'	चित्रा मोहन	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
01 अक्टूबर, 2019	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में	मनोज :र्मा	संत गाडगे जी महाराज

	छात्र प्रस्तुति संध्या काले प्रभात फेरी		प्रेक्षागृह, गोमती नगर, लखनऊ
23 व 24 अक्टूबर, 2019	छात्र प्रस्तुति 'जलियांवाला बाग़'	अशोक भांठिया	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
16 व 17 नवम्बर, 2019	छात्र प्रस्तुति 'मैकबेथ़'	जॉय माईस्नाम	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।

<u>संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम</u>

24 अप्रैल, 2019	भारतेन्दु नाट्य अकादमी एवं रंगपाखी के संयुक्त तत्वाधान में प्रस्तुति आक्टोपस	विक्रांतमणि त्रिपाठी	बी0एम0शाह प्रेक्षागृह, लखनऊ
राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली एवं भारतेन्दु नाट्य अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में छः दिवसीय ग्रीष्मकालीन नाट्य समारोह-			
09 जून, 2019	पहला सत्याग्राही	प्रो0 सुरेश शर्मा	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
10 जून, 2019	ख़ामोशी सीली सीली	प्रो0 सुरेश शर्मा	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
11 जून, 2019	बांयेन	उषा गांगुली	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
12 जून, 2019	जात ही पूछो साधु की	राजिन्दर नाथ	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
13 जून, 2019	ताजमहल का टेण्डर	चितरंजन त्रिपाठी	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
14 जून, 2019	ग़ज़ब तेरी अदा	बामन केन्द्रे	थ्रस्ट प्रेक्षागृह लखनऊ।
01 अक्टूबर, 2019	महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में मोहन से मसीहा	लईक हुसैन	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, गोमती नगर, लखनऊ
18 से 25 अक्टूबर, 2019	अयोध्या शोध संस्थान, लखनऊ (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) एवं भारतेन्दु नाट्य अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में खोन रामलीला थाइलैण्ड प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	थाइलैण्ड के कलाकार दल द्वारा	बी0एम0शाह प्रेक्षागृह
11 नवम्बर, 2019	नवोन्मेष एवं भारतेन्दु नाट्य अकादमी के संयुक्त तत्वाधान में प्रस्तुति रिफ्लेक्शन अननोन	चित्रा मोहन	लोहिया कला भवन, सिद्वार्थनगर, उ0प्र0

<u>प्रायोजित कार्यक्रम</u>

1. दिनांक 08 अक्टूबर, 2019 को नाट्य प्रस्तुति का मंचन तुलसीदास रामलीला, चौपटियां में किया गया।
2. दिनांक 06 अक्टूबर, 2019 को दुर्गापूजा, गोमती नगर, लखनऊ में नाट्य प्रस्तुति का मंचन किया गया।
3. युवा नाट्य कार्यशाला के अन्तर्गत श्री मनोज शर्मा के निर्देशन में तैयार प्रस्तुति **''मार पराजय''** का मंचन दिनांक 17 दिसम्बर, 2019 को आजमगढ़ महोत्सव 2019 में राहुल सांस्कृत्यायन प्रेक्षागृह में किया गया।

शैक्षिक सत्र 2019-21 के प्रथम वर्ष में चयन संबंधी कार्यवाही

शैक्षिक सत्र 2019-21 के प्रथम वर्ष में प्रवेश हेतु चयन संबंधी कार्यवाही दिनांक 2,3,4 व 5 जुलाई, 2019 को निर्धारित चयन समिति द्वारा सम्पन्न की गयी।

वार्षिक परीक्षा

प्रथम व द्वितीय वर्ष के छात्रों की वार्षिक परीक्षा दिनांक 27 मई, 2019 से दिनांक 31 मई, 2019 मई, 2019 तक सम्पन्न कराई गयी।

विशेष

अकादमी के द्वितीय वर्ष के सत्र 2017-19 के 18 छात्रों को दिनांक 16 नवम्बर, 2019 को छः सप्ताह के फिल्म एवं टेलीविजन प्रशिक्षण हेतु सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान, कोलकाता भेजा गया।

ग्रीष्मकालीन रंगमंच कार्यशालायें-

अकादमी रंगमण्डल द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 में 01 बाल एवं 02 युवा नाट्य कार्यशालाओं का आयोजन अकादमी परिसर में किया गया। बाल नाट्य कार्यशाला की प्रस्तुति **'साहब भाग्य भरोसे'** का मंचन आशिया मदार के निर्देशन में दिनांक 29 जून, 2019 को बी0एम0शाह प्रेक्षागृह में किया गया तथा युवा नाट्य कार्यशाला के अन्तर्गत तैयार की गयी प्रस्तुति **'प्रेम सरीखा'** का मंचन प्रिवेन्द्र कुमार सिंह के निर्देशन में दिनांक 08 जुलाई, 2019 को थ्रस्ट प्रेक्षागृह एवं **'खबसूरत बहू'** का मंचन मनोज शर्मा के निर्देशन में दिनांक 12 जुलाई, 2019 को थ्रस्ट प्रेक्षागृह में किया गया।

कार्यशाला प्रस्तुति

1. युवा नाट्य कार्यशाला के अन्तर्गत राजेश कुमार कृत ''झोपड़पट्टी'' पर आधारित **''थोड़ा-थोड़ा गांधी''** का मंचन प्रिवेन्द्र सिंह के निर्देशन में दिनांक 21 नवम्बर, 2019 को बी0एम0शाह प्रेक्षागृह में किया गया।
2. युवा नाट्य कार्यशाला के अन्तर्गत राजेश कुमार कृत **''मार पराजय''** का मंचन मनोज शर्मा के निर्देशन में दिनांक 29 नवम्बर, 2019 को थ्रस्ट प्रेक्षागृह में किया गया।

भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ।
कैलेण्डर वर्ष 2020-21 की प्रस्तावित योजनाऐं।

माह/तिथि	कार्यक्रम	निर्देशक	स्थान
अप्रैल, 2020			
अप्रैल, 2020	रंगमण्डल प्रस्तुति का मंचन		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
अप्रैल, 2020	छात्र प्रस्तुति पूर्वाभ्यास प्रारम्भ		भारतेन्दु नाट्य अकादमी
मई, 2020			
मई, 2020	छात्र प्रस्तुति का मंचन	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जून, 2020			
01 जून, 2020	बाल रंगमंच कार्यशाला का प्रारम्भ	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
01 जून, 2020	वयस्कों हेतु अभिनय कार्यशाला का प्रारम्भ	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
29 जून, 2020	बाल रंगमंच कार्यशाला की प्रस्तुति का मंचन	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
30 जून, 2020	वयस्कों हेतु अभिनय कार्यशाला की प्रस्तुति का मंचन	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
जुलाई, 2020			

3 व 4 जुलाई, 2020	प्रवेश परीक्षा व साक्षात्कार	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
5 व 6 जुलाई, 2020	नये प्रतिभागियों हेतु दो द्विवसीय कार्यशाला	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
16 जुलाई, 2020	नवीन सत्र का आरम्भ	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
अगस्त, 2020			
अगस्त, 2020	रंगमण्डल प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
सितम्बर, 2020			
09 सितम्बर, 2020	भारतेन्दु जयंती के अवसर पर अकादमी के छात्रों की नाट्य प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
सितम्बर, 2020	रंगमण्डल की नाट्य प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
अक्टूबर, 2020			
अक्टूबर, 2020	रंगमण्डल की नाट्य प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
नवम्बर, 2020			
नवम्बर, 2020	छात्र प्रस्तुति पूर्वाभ्यास प्रारम्भ	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
दिसम्बर, 2020			
दिसम्बर, 2020	छात्र प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
फरवरी, 2021			
07 फरवरी, 2021	स्व0 कृष्ण नारायण कक्कड़ व्याख्यान सेमिनार	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
फरवरी, 2021	छात्र प्रस्तुति पूर्वाभ्यास प्रारम्भ	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
मार्च, 2021			
मार्च, 2021	छात्र प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी
27 मार्च, 2021	विश्व रंगमंच दिवस पर सेमिनार/छात्र प्रस्तुति/ रंगमण्डल प्रस्तुति	-	भारतेन्दु नाट्य अकादमी

नोट- उपरोक्तानुसार प्रस्तावित कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2020-21 के बजट की उपलब्धता के अनुरूप सम्पन्न कराये जायेंगे।

अयोध्या शोध संस्थान

तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या-फैजाबाद

भूमिका व स्थापना का उद्देश्य

अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग उ.प्र. शासन द्वारा अयोध्या के ऐतिहासिक तुलसी स्मारक भवन, में 18 अगस्त, 1986 को की गयी। यह संस्कृति विभाग की स्वायत्तशाषी संस्था है।

अयोध्या के प्रमुख संतों की विशेष मांग पर जहां गोस्वामी तुलसी दास जी ने मानस की रचना प्रारम्भ की थी, उस स्थान पर गोस्वामी तुलसीदास जी की स्मृति में तुलसी स्मारक भवन के निर्माण की मांग शासन से की गई। अयोध्या के संतों की मांग का सम्मान करते हुए उ0 प्र0 सरकार ने अयोध्या में तुलसी स्मारक भवन का निर्माण वर्ष 1969 में करवाया गया। इस भवन में गोस्वामी तुलसीदास की स्मृति को संजोये रखने हेतु उनकी रामायण लेखन मुद्रा में सांगो-पांग प्रतिमा स्थापित है अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना के प्रमुख उद्देश्य निम्नवत् है।

प्रमुख उददेश्य

1. सामान्य रूप से अवध और विशिष्ट रूप से अयोध्या की कला संस्कृति, साहित्य, लोकसाहित्य, इतिहास और परम्पराओं की पाण्डुलिपियों तथा वस्तुओं और शिल्प तथ्यों का संग्रह, संरक्षण और अध्ययन करना है।
2. अवध की सांस्कृतिक विरासत से सम्बंधित नष्ट और विलुप्त हो रही पुरालेखीय सामग्री को सुरक्षित रखना।
3. अवध की भारतीय विद्या, कला, संस्कृति और इतिहास में विशेष रूप से अयोध्या, रामायण और तुलसीदास के साहित्य और दर्शन से सम्बंधित शोध कार्य को प्रोत्साहन देना और पूरा करना।
4. सामाजिक, धार्मिक, साहित्यिक, कलात्मक और ऐतिहासिक महत्व पाण्डुलिपियों, पुरालेखीय सामग्री और अन्य वस्तुओं का उनके उन्नयन, संरक्षण और अध्ययन हेतु एक संग्रहालय स्थापित करना।
5. वैष्णव भक्ति, भक्ति आन्दोलन, कला, संस्कृति और सम्बद्ध भाषाई और भारतीय विद्या से सम्बंधित अन्य विषयों में विशेष रूप से अवध और राम की दन्त कथा के संदर्भ में शोध कार्य करना और स्नातकोत्तर अध्ययन संचालित कराना।
6. महत्वपूर्ण मूल पाठों की सूचियों, आलोचनात्मक संस्करणों और अनुवादों तथा शोध कार्यों के परिणामों को प्रकाशित कराना तथा अन्य उपयोगी प्रकाशनों को प्रकाशित कराना।
7. उपर्युक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने और आगे बढ़ाने के लिये भारत और विदेशों के विश्वविद्यालयों संग्रहालयों, पुस्तकालयों और अन्य शिक्षा संस्थाओं से सहयोग करके कार्य करना।
8. व्याख्यानों, संगोष्ठियों, उत्सवों, सम्मेलनों और अन्य शैक्षिक तथा सांस्कृतिक क्रिया-कलापों का आयोजन कराना तथा इस सोसाइटी के उददेश्यों से सम्बंधित क्रिया-कलापों में लगे हुये शोध छात्रों और लेखकों को छात्रवृत्तियाँ, वृत्तिकाएं और पुरस्कार प्रदान करना।
9. धन, वस्तु या सम्प्रति के रूप में अनुदानों, चन्दों, उपहारों अंशदानों को स्वीकार करना। अयोध्या शोध संस्थान का अपना संविधान है। संस्थान के पदेन अध्यक्ष, प्रमुख सचिव, संस्कृति विभाग, उ0 प्र0 शासन है। संस्थान के संचालन हेतु सामान्य सभा, कार्यकारिणी परिषद्, शोध एवं विकास समिति तथा वित्त समिति गठित है।
10. रोजगार परक योजनाओं का संचालन, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार तथा राज्य सरकार के विभिन्न शिल्प और विकास योजनाओं का संचालन।

अयोध्या शोध संस्थान प्रमुख रूप से शोध छात्रों के लिये पुस्तकालय का संचालन महत्वपूर्ण शोध कार्य तथा शोध के परिणामों को प्रकाशित करने हेतु प्रकाशन सहायता शोध पत्रिका का प्रकाशन, महापुरूषों की जयन्ती का आयोजन, प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन व प्रस्तुति करवाना तथा हस्तशिल्प में देश के विभिन्न कोने से रामकथा का संकलन टेराकोटा के माध्यम से विभिन्न शैलियों में रामकथा अंकन तथा विभिन्न चित्र शैलियों में रामकथा का चित्रांकन राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठीयों का आयोजन करवाया जाना है। इसी के क्रम में नित्य परम्परिक राम लीला का मंचन तथा मैदानी रामलीला का दस्तावेजीकरण शोध कार्य हेतु करवाया जा रहा है।

संक्षेपिका

(वित्तीय वर्ष 2019-20)

अयोध्या शोध संस्थान की स्थापना अवध, अवधी, रामकथा, तुलसी तथा भारतीय संस्कृति के विभिन्न पक्षों पर शोध एवं प्रदर्शन आदि के उददेश्यों के निमित्त की गयी थी। इस वर्ष अत्यन्त महत्वपूर्ण आयोजन किये गये जिसमें माह अप्रैल के प्रथम दिवस उड़िया दिवस के रूप में ओड़िशा की रामायण आधारित संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। ओड़िशी पट्टशैली में प्राचीन काल से रामकथा के चित्र बनाये जाते हैं जिनके पेपर मैसी के मुखौटे, वस्त्रों एवं ताड़ पत्र पर चित्रकारी संग्रहीत की गयी। तुलसी जयन्ती के रूप में अवधी दिवस का आयोजन किया गया जो एक साथ लखनऊ एवं अयोध्या में किया गया। लखनऊ में जहॉ अवधी कवि सम्मेलन किया गया वहीं अयोध्या में 24 घण्टे का अखण्ड रामचरित मानस पाठ व कवि सम्मेलन तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

माह सितम्बर में काशी में फादर कामिल बुल्के की जयन्ती समारोहपूर्वक आयोजित की गयी। इस अवसर पर वाणी प्रकाशन से पुस्तक एवं 'साक्षी' का भी प्रकाशन व विमोचन कराया गया। बाल कार्यशालाओं के रूप में अयोध्या तथा फैजाबाद में पारम्परिक लोकगीतों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया गया जिसमें विद्यालय एवं महाविद्यालय के बच्चों ने प्रतिभाग किया।

शोध एवं प्रकाशनों के क्षेत्र में यह वर्ष अत्यन्त उल्लेखनीय रहा है। साक्षी के 55 अंकों का प्रकाशन किया जा चुका है। अयोध्या शोध संस्थान द्वारा लगभग 140 पुस्तकों/शोध कार्यों का प्रकाशन किया जा चुका है। इस वर्ष वाणी प्रकाशन के सहयोग से देश के विभिन्न पुस्तक मेलों में इन पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया जिससे संस्थान के बहुमूल्य प्रकाशन आमजन के अवलोकनार्थ प्रस्तुत हो सके और यह शोध कार्यों को आमजन तक पहुँचाने के प्रयास के रूप में सफल आयोजन रहा है।

राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार का आयोजन किया जाता है। भारतीय सांस्कृतिक सम्बंध परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से नेपाल, श्रीलंका, इण्डोनेशिया तथा फिलीपिंस की अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला का अयोध्या में मंचन किया गया।

अयोध्या-कोरिया सम्बंधों में अयोध्या शोध संस्थान की महती भूमिका रही है। संस्थान द्वारा कोरिया के महानुभावों से सतत् सम्पर्क बनाये रखा गया जिसके फलस्वरूप बहुत अधिक पूँजी निवेश की सम्भावना भी अयोध्या में है। अयोध्या-कोरिया सम्बंधों पर आधारित पुस्तक का प्रकाशन किया गया। मुख्य सचिव महोदय द्वारा निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान को अयोध्या-कोरिया सम्बंधों हेतु गठित राज्य स्तरीय समिति का सदस्य-सचिव भी नामित किया गया है।

''अयोध्या दीपोत्सव' के आयोजन के रूप में अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग द्वारा दिनांक 26 अक्टूबर, 2019 को पाईडण्डा, राईसैरा, कालबेलिया, बुन्देली, नन्दादेवी राजजात, हरियाणवी, डफला, फरूवाही, गुडुम्ब बाजा, धोबिया, छाऊ इत्यादि लोक नृत्यों पर आधारित 25 लोक विधाओं एवं रामलीला के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित 11 रामलीला दलों एवं विदेशी रामलीला दलों में नेपाल, श्रीलंका, इण्डोनेशिया तथा फिलीपिंस के दलों की झांकी का आयोजन।

वित्तीय वर्ष 2019-20

1. पुस्तकालय का संचालन-

संस्थान द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन किया गया जिसमें विभिन्न विश्वविद्यालयों में पंजीकृत शोध छात्र एवं अध्ययनकर्ताओं ने पुस्तकालय एवं वाचनालय में अध्ययन किया।

माह अप्रैल, 2019 से माह दिसम्बर, 2019 तक

1. शोध छात्र - 10

2.	सामान्य अध्ययनार्थी	-	619
3.	पत्रिका अध्ययनार्थी	-	1283
4.	रोजगार समाचार अध्ययनार्थी	-	490
5.	समाचार पत्र अध्ययनार्थी	-	3051

2. शिल्प संग्रहालय-

शिल्प संग्रहायल में देश-विदेश की विभिन्न विधाओं में उपलब्ध हस्तशिल्प में निर्मित रामकथा सामग्रियों का संकलन प्रदर्शन की व्यवस्था तथा क्षेत्र की कला का विस्तृत परिचय हेतु प्रदर्शक की व्यवस्था।

3. **<u>शोध कार्य-</u>**

संस्थान की वित्तीय सहायता से संचालित शोध कार्यों का विवरण-

	चल रहे शोध कार्यः-	**शोधकर्ता**
1.	लखनऊ की रामलीला पर आधारित साक्षी	आलोक पराड़कर
2.	कानपुर की परशुरामी पर शोध	डॉ0 दीप कुमार शुक्ल
3.	कानपुर का धनुषयज्ञ एवं लक्ष्मण-परशुराम संवाद	डॉ0 दीप कुमार शुक्ल
4.	तेलगु लोक साहित्य में राम तत्व	प्रो0 आई0 एन0 चन्द्रशेखर रेड्डी
5.	अवध की रामलीला में मुसलमानों का योगदान	श्री अखिलेश दीक्षित
6.	दूसरा लखनऊ	प्रो0 नदीम हसनैन
7.	प्रतापगढ़ जनपद का सांस्कृतिक विरासत	डॉ नीतू सिंह
8.	भारत व श्रीलंका की रामलीला	सुश्री अमिला दमयन्ती
9.	भारतीय भाषाओं में रामकथा- उड़िया, हरियाणवी, मलयालम, असमिया, उर्दू, फारसी, भोजपुरी, ब्रज, मराठी।	डॉ0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
10.	सांस्कृतिक विरासत (साक्षी-1 का द्वितीय संस्करण)	सुश्री शोभा गुप्ता

4. **<u>संस्थान की सहायता से प्रकाशित ग्रन्थ-</u>**

क्र.सं.	**पुस्तक का नाम**	**लेखक/संपादक/संकलनकर्ता**
1.	कैरेबियन रामलीला	अयोध्या शोध संस्थान
2.	अयोध्या के पूर्वी भाग के पुरातात्विक सर्वेक्षण की रिपोर्ट	विजय कुमार
3.	भारतीय भाषाओं में रामकथा संस्कृत भाषा	डॉ0 प्रभाकर सिंह

5. **<u>संस्थान द्वारा साक्षी पत्रिका का प्रकाशन-</u>**

क्र.सं.	**पुस्तक का नाम**	**लेखक/संपादक/संकलनकर्ता**
1.	साक्षी- 25	प्रभाकर सिंह
2.	साक्षी- 54	अयोध्या शोध संस्थान
3.	साक्षी- 55	विजय कुमार

6. <u>पंचांग प्रकाशन</u> -

संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष विक्रम संवत् 2076 शक सम्वत् 1941 सन् 2019-20 का हिन्दी पंचाग का प्रकाशन करवाया गया।

7. <u>नित्य पारम्परिक रामलीला</u> -

1. दिनांक 03 मई, 2017 से प्रतिदिन सायं 06.00 बजे से रात्रि 09.00 बजे तक नित्य पारम्परिक रामलीला का मंचन। अप्रैल, 2019 से दिसम्बर, 2019 तक 15 दिवसीय पखवाड़ा का 18 दलों द्वारा रामलीला का मंचन।

- 01 से 15 अप्रैल, 2019 जय माँ हंसवाहिनी रामलीला एवं नाट्य मण्डल, कौशाम्बी।
- 16 से 30 अप्रैल, 2019 जय हनुमान मानस उत्थान आदर्श रामलीला मण्डल, गोण्डा।
- 01 से 15 मई, 2019 श्री संकट मोचन आदर्श रामलीला मण्डल, बैरसिया, भोपाल।
- 16 से 31 मई, 2019 जय रामलीला संस्थान, भवानीपुर, सीतामढ़ी।
- 01 से 15 जून, 2019 श्री आदर्श चन्द्रकला रामलीला मण्डल, सीतामढ़ी।
- 16 से 30 जून, 2019 श्री मारुति नंदन आदर्श रामलीला मण्डल, बाराबंकी।
- 01 से 15 जुलाई, 2019 कार्तिकेय सांस्कृतिक संस्था, मुरादाबाद।
- 16 से 31 जुलाई, 2019 मिथलांचल आदर्श बाल रामलीला मण्डल, सीतामढ़ी।
- 01 से 15 अगस्त, 2019 जय रामानुज किंकर आदर्श रामलीला मण्डल, गोण्डा।
- 16 से 31 अगस्त, 2019 श्री साकेत आदर्श रामलीला मण्डल, अयोध्या।
- 01 से 15 सितम्बर, 2019 श्री धनुषधारी अवध आदर्श रामलीला मण्डल, अयोध्या।
- 16 से 30 सितम्बर, 2019 श्री बाबा झारखण्डी आदर्श रामलीला मण्डल, दुमका, झारखण्ड।
- 01 से 15 अक्टूबर, 2019 जय माँ सम्मय आदर्श रामलीला मण्डल, गोण्डा।
- 16 से 31 अक्टूबर, 2019 गिरजेश रामलीला मण्डल, मधुबनी, बिहार।
- 01 से 15 नवम्बर, 2019 जय बाला जी आदर्श रामलीला मण्डल, गोण्डा।
- 16 से 30 नवम्बर, 2019 श्री शिव शक्ति आदर्श बाल रामलीला मण्डल, सीतामढ़ी।
- 01 से 15 दिसम्बर, 2019 श्री संकट मोचन आदर्श रामलीला मण्डल, भदोही।
- 16 से 31 दिसम्बर, 2019 श्री रामचरितमानस प्रचार रामलीला मण्डल, सीतामढ़ी।

8. <u>रामायण मेला-</u>

1. 30 नवम्बर से 03 दिसम्बर, 2019 तक रामायण मेला में अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

9. <u>अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला का आयोजन-</u>

1. 22 से 29 अगस्त, 2019 तक मॉरीशस देश में अयोध्या की रामलीला की प्रस्तुति।

2. 20 से 22 सितम्बर, 2019 थाईलैण्ड, बांग्लादेश, श्रीलंका, मारीशस, कम्बोडिया, फिजी देशों की रामलीला लखनऊ में।

10. <u>उत्सवों महोत्सव में आयोजित लोक रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम-</u>

1. 1 अप्रैल, 2019 को उड़िया दिवस के अवसर पर लखनऊ में ओडिसी बैले लोकनृत्य।
2. 27 अगस्त, 2019 अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या के 32वाँ स्थापना दिवस के अवसर पर समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम।
3. दिनांक 12 व 13 अप्रैल, 2019 चैत्र राम नवमी के उपलक्ष्य में दो दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
4. 17 मई, 2019 को श्री हरि प्रताप सिंह, पूर्व विधायक, प्रतापगढ़ द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोक नृत्य/गायन का सफल आयोजन।
5. दिनांक 30 मई, 2019 से 01 जून, 2019 तक त्रिदिवसीय को श्री राम चन्द्र, विधायक, रुदौली द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में लोक नृत्य/गायन का सफल आयोजन।
6. दिनांक 14 से 16 जून, 2019 को सरयू जयन्ती महोत्सव के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
7. 15 जुलाई, 2019 रामलीला प्रस्तुति मैना देवी बालिका इण्टर कालेज, बिलन्दपुर, गोरखपुर।
8. 16 जुलाई, 2019 रामलीला प्रस्तुति सन्त रविदास सरस्वती शिशु मन्दिर, माधवपुर, गोरखपुर।
9. अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, अयोध्या, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर, तथा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज तथा के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 20 व 21 जुलाई, 2019 को दो दिवसीय रामायण आधारित **'गीत रामायण'** का आयोजन भगवताचार्य स्मारक सदन, अयोध्या जी में किया गया।
10. 13 व 14 अगस्त, 2019 सावन झूला उत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
11. 23 से 25 अगस्त, 2019 श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
12. 29 दिसम्बर, 2019 'सवेरा' साहित्य के विमोचन पर एकल काव्य पाठ का आयोजन।

11. <u>कोदण्ड राम का अनावरण</u>-

दिनांक 07 जून, 2019 को योगी आदित्यनाथ जी, मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा संस्थान के 'हस्तशिल्प में राम संग्रहालय' में स्थापित कर्नाटक की विशेष दक्षिण भारतीय शैली में टीक वुड की सात फीट ऊँची कोदण्ड राम प्रतिमा का अनावरण तथा कोदण्ड राम पर आधारित डाक टिकट एवं विशेष कवर आवरण का विमोचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।

12. <u>जयन्ती का आयोजन–</u>

1. 14 अप्रैल, 2019 को डॉ0 भीम राव अम्बेडकर की जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
2. 07 अगस्त, 2019 को तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या तथा लखनऊ में तुलसी जयन्ती के उपलक्ष्य में मानस पाठ तथा कवि सम्मेलन का आयोजन।
3. कबीरदास जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।

13. <u>प्रदर्शनी–</u>

1. दिनांक 14 से 17 जून, 2019 को सरयू जयन्ती महोत्सव में चित्र प्रदर्शनी ।
2. 26 अक्टूबर, 2019 अयोध्या दीपोत्सव के अवसर चित्रकला प्रदर्शनी।
3. 15 से 17 नवम्बर, 2019 राम की विश्व यात्रा प्रदर्शनी, आई.आई.एम. लखनऊ।

14. <u>राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन</u>		**<u>संगोष्ठी विषय</u>**
1.	08 से 10 अप्रैल, 2019 वाराणसी	'भारतीय लोकज्ञान पुनर्नवता एवं पुनः प्रयोग'
2.	28 से 29 जून, 2019 काकीनाडा, आन्ध्र प्रदेश	रामायण कान्फ्रेन्स'ग्लोबल जर्नी ऑफ रामायण'
3.	11 अक्टूबर, 2019 एमिटि यूनीवर्सिटी, हरियाणा	'रामायण समसामयिक विषयों पर आधारित विज्ञान एवं कला का एक अनुपन उदाहरण.'
4.	22 से 23 अक्टूबर, 2019	'भारतीय भाषओं में रामकथा'
5.	24 नवम्बर, 2019 जबलपुर	राम की विश्वयात्रा
6.	20 से 21 दिसम्बर, 2019 काकीनाडा, आन्ध्र प्रदेश	'दक्षिण भारत के जीवन, कला व साहित्य में राम का दर्शन'

15. भावी योजनाएं

1. **फेलोशिप योजना-**

देश और विदेशों में अध्ययनरत शोध छात्र जो पी0एच0डी0 हेतु अनुमन्य हों उनमें इस योजना संचालन किया जायेगा जिसके माध्यम से रामकथा, रामायण, रामलीला, तुलसी, अयोध्या, अवध आदि से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर शोध छात्रों को फेलोशिप प्रदान की जायेगी।

विश्वविद्यालय में आर0डी0सी0 के माध्यम से संस्थान के उद्देश्यों के आधार पर फेलोशिप स्वीकृत होगी। नियम एवं शर्तें सम्बंधित विश्वविद्यालय की होंगी। संस्थान मात्र आर्थिक सहयोग प्रदान करेगा। नियम एवं शर्तों हेतु कार्यकारिणी की अभिमति से देश और विदेश के विभिन्न विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया गया है जिनके माध्यम से फेलोशिप का चयन किया जायेगा।

2. अयोध्या ष्शोध संस्थान अयोध्या और भारतीय संस्कृति की राष्ट्रीय परिषद ट्रीनीडाड के मध्य हुए एम0 ओ0 यू0 के अन्तर्गत सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं रामलीला प्रस्तुति एवं प्रशिक्षण तथा व्यासों के रामकथा विषयक लेक्चर, प्रदर्शनी एवं शोध कार्य, प्रकाशन, हस्तशिल्प संग्रहालय व पुस्तकालय में आपसी समन्वय स्थापित कर कार्यों को संपादित करवाया जाना।
3. स्कूली बच्चों में सांस्कृतिक विरासत के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं प्रस्तुतियां करवाया जाना।
4. सांस्कृतिक विरासत का सर्वेक्षण संकलन एवं प्रकाशन कार्य कर विलुप्तप्राय विधाओं का संरक्षण, संवर्धन एवं प्रकाशन कार्य।
5. यूनेस्कों द्वारा वर्ल्ड हेरिटेज घोषित रामलीला के प्रचार-प्रसार, प्रदर्शनी हेतु विद्यालयों में विभिन्न क्षेत्रों की रामलीला प्रस्तुति के प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं प्रस्तुति।
6. रामलीला विरासत के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास के लिए रामलीला प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन।
7. संस्थान में संग्रहीत सांस्कृतिक विरासतों के दस्तावेजीकरण को विद्यालय एवं महाविद्यालयों में प्रदर्शन।
8. देश के विभिन्न विश्वविद्यालय में संस्थान के उद्देश्यो की पूर्ति हेतु किये गये शोध कार्यो का सर्वेक्षण, संकलन व प्रकाशन।
9. संस्थान के उद्देश्यो की पूर्ति हेतु शोध कार्य।
10. पुस्तकालय का विकास कम्प्यूटरीकृत किये जाने का कार्य तथा विभिन्न पुस्तकालयो से संग्रहीत पुस्तको की जानकारी हेतु परस्पर समन्वय।
11. राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन।
12. अवधी साहित्य पर पाठ्यक्रय अनुमोदित करवाकर डिपलोमा का क्रियान्वयन।
13. मई, 2017 से नित्य पारम्परिक रामलीला का उच्च स्तरीय प्रदर्शन।

उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ

उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान की स्थापना वर्ष 1991 में संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के अधीन स्वायत्तशासी संस्था के रूप में जैन संस्कृति के उत्थान एवं संरक्षण को दृश्टिगत रखते हुए की गई थी जिसका मुख्य उद्देश्य भारत के विभिन्न भागों में प्रचलित जैन विधाओं का राष्ट्रीय संदर्भ में अध्ययन तत्संबंधी शोध तथा जैन तीर्थकरों की संस्कृतिक महत्व की परम्परा एवं आधारभूत मान्यताओं, मानवीय मूल्यों, कला अवशेषों का संरक्षण एवं विश्लेषण है।

2- संस्थान अपने सीमित संसाधनों द्वारा जैन संस्कृति पर आधारित व्याख्यान, जैन धर्म पर लघु संगोष्ठी, महावीर जीवन दर्शन पर आधारित पेंटिंग, निबन्ध एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन वर्षपर्यन्त उ0प्र0 के विभिन्न जनपदों में किया जाता है, साथ ही व्याख्यानों में विद्वानों द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों को संकलित कर पुस्तक के रूप में प्रकाशित कराया जा रहा है।

3- **पुस्तकालय**- संस्थान द्वारा अपना एक संदर्भ पुस्तकालय स्थापित है जिसमें जैन संस्कृति से संबंधित लगभग 3500 दुर्लभ ग्रन्थ पुस्तके एवं पत्रिकाये है। पुस्तकालय में जैन विद्या से संबंधित जैन धर्म दर्शन, कला संस्कृति, मूर्ति कला, इतिहास एवं शब्दकोष आदि के संदर्भ ग्रन्थ उपलब्ध है। संस्थान का यह पुस्तकालय कार्यालय कार्य दिवसों में शोधार्थियों एवं जैन विद्वानों के अध्ययन हेतु निःशुल्क संचालित है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 के सम्पन्न एवं प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरणः-

1. 14 अप्रैल, 2019 को बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर भाषण एवं पेन्टिग प्रतियोगिता आयडियल पब्लिक इण्टर कालेज, लखनऊ में सम्पन्न।
2. 17 अप्रैल, 2019 को तीर्थंकर महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव श्री वर्द्धमान कालेज, तकरोही, इन्दिरा नगर, लखनऊ में सम्पन्न।
3. दिनांक 21 एवं 22 जुलाई, 2019 को वीर शासन जयन्ती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी तीर्थ धाम मंगलायतन, सासनी, हाथरस में सम्पन्न।
4. दिनांक 22 सितम्बर, 2019 को विश्व मैत्री पर्व (क्षमावाणी पर्व) पर अवध क्षेत्र सामूहिक क्षमावाणी पर्व का आयोजन श्री दिगम्बर जैन मन्दिर प्रांगण श्रावस्ती में सम्पन्न।
5. दिनाक 02 अक्टूबर, 2019 को महात्मा गॉधी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में महात्मा गॉधी और जैन दर्शन विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न।
6. दिनांक 01 दिसम्बर, 2019 को लखनऊ वि-वविद्यालय, लखनऊ में जैन साहित्य का हिन्दी भक्तिकाल पर प्रभाव विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न।
7. दिनांक 25 दिसम्बर, 2019 को वर्द्धमान इण्टर कालेज, इन्दिरा नगर, लखनऊ में भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जयन्ती के अवसर पर पेन्टिग एवं भाषण प्रतियोगिता प्रस्तावित।
8. दिनांक 31 जनवरी, 2020 को संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर संगोष्ठी, पेन्टिग, भाषण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित।
9. दिनांक 13 से 16 फरवरी, 2020 को हस्तिनापुर, मेरठ में राष्ट्रीय संगोश्ठी प्रस्तावित।

10. दिनांक 17 मार्च, 2020 को तीर्थंकर ऋषभदेव जयन्ती के उपलक्ष्य में डा0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुर्नवास विश्वविद्यालय, लखनऊ में राष्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित।

वित्तीय वर्ष 2020-21 में संस्थान के प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरणः-

1. दिनांक 06 अप्रैल, 2020 को तीर्थंकर महावीर जनकल्याणक महोत्सव-2020 के अवसर पर भाषण एवं पेन्टिंग प्रतियोगिता प्रस्तावित।
2. 14 अप्रैल, 2020 को बाबा साहेब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर भाषण एवं पेन्टिग प्रतियोगिता प्रस्तावित।
3. जुलाई, 2020 को वीर शासन जयन्ती के उपलक्ष्य में राश्ट्रीय संगोष्ठी प्रस्तावित।
4. सितम्बर, 2020 को 'महावीर जीवन दर्शन' पर आधारित पेन्टिग, निबन्ध एवं भाषण प्रतियोगिता, प्रस्तावित।
5. सितम्बर, 2020 को विश्व मैत्री पर्व (क्षमावाणी पर्व) पर संगाष्ठी प्रस्तावित।
6. 25 दिसम्बर, 2020 को भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी के जयन्ती के अवसर पर पेन्टिग एवं भाषण प्रतियोगिता प्रस्तावित।
7. जनवरी, 2021 में लखनऊ विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार प्रस्तावित।
8. 31 जनवरी, 2021 को संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर संगोश्ठी, पेन्टिग एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तावित।
9. फरवरी, 2021 में राष्ट्रीय सेमिनार प्रस्तावित।
10. मार्च, 2021 में ऋषभदेव जयन्ती के अवसर पर संगाष्ठी प्रस्तावित।

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान

उत्तर प्रदेश के जन जातीय एवं लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रद-ान हेतु लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान की स्थापना सन् 1986 में की गई थी जिसके द्वारा लोक संस्कृति की लुप्त होती विधाओं को मंच प्रदान करना, इनमें संबंधित सर्वेक्षण/दस्तावेजीकरण आदि का महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है। इस वर्श संस्थान द्वारा लुप्तप्राय कला रूपों तथा लोक रूपों तथा लोक संस्कृति के विविध पक्षों का सर्वेक्षण एवं दस्तावेजी करण प्राथमिकताओं पर रहा हैः-

उद्देश्य

1. उ0प्र0 की लोक और जनजाति कलाओं एव ंशिल्पों का संयोजन एवं विकास।
2. लोक कलाओं, संस्कृति एवं शिल्प के क्षेत्र में शोध का विकास एवं बढ़ावा देना, इसके लिए पुस्तकालय, अभिलेखागार, संग्रहालय, पुस्तकों, टेपरिकार्ड्स आदि स्थापित करना।
3. लोक कलाओं, संस्कृति एवं शिल्प विकास हेतु भारत की अन्य संस्थाओं एवं विशेष से सहयोग।

4. विभिन्न क्षेत्रो की लोक एवं जनजाति कला, संस्कृति, शिल्प की तकनीक एवं आदर्शो का आदान-प्रदानं।
5. ऐसी संस्थाओं की स्थापना को बढ़ावा जो कि लोक एवं जनजाति कला, ि-ल्प एवं संस्कृति के संरक्षण तथा विकास हेतु प्रशिक्षण देना।
6. लोक एवं जनजातिकला, शिल्प एवं संस्कृति के क्षेत्र में सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण एवं प्रचार को बढ़ावा देना।
7. लोक एवं जनजाति कला, शिल्प एवं संस्कृति के क्षेत्र में सेमिनार कार्यशाला का आयोजन तथा :ोध एवं सर्वेक्षण हेतु अनुदान देना।
8. जनजाति एवं लोक कला का कार्य संगीत, नृत्य एवं नाटक, त्योहारों तथा शिल्प में राज्य तथा राज्य के बाहर प्रायोजित करना।

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान, लखनऊ
वर्श 2020-21 में प्रस्तावित कार्यक्रम

क्र0	कार्यक्रम का विवरण	स्थान	माह
1	ब्रज की प्रस्तुति परक कार्यशाला एक माह प्रस्तुति एवं प्रदर्शन	मथुरा, ब्रज क्षेत्र	मई, जून-2020
2	रागिनी कम्पटीशन की प्रस्तुति	गौतमबुद्ध नगर	अगस्त-2020
3	आल्हा दंगल	लालगंज	सितम्बर-2020
4	कजरी दंगल	मिर्जापुर	अक्टूबर-2020
5	नौटंकी, कार्यशाला/प्रसतुति एवं प्रदर्शन	प्रतापगढ़	नवम्बर-2020
6	थारू लोक सर्वेक्षण/कार्यशाला/प्रस्तुति	बलराण्मपुर, लखीमपुर	दिसम्बर-2020
7	करमा प्रस्तुति एवं सर्वेक्षण	सोनभद्र, पूर्वांचल क्षेत्र	जनवरी-2021
8	लोक उत्सव	लखनऊ, वारणसी	फरवरी-2021

चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 में सम्पादित कार्यो का विवरण निम्नवत् हैः-

क्र0 सं0	मद का नाम
1	रागनी कम्पटी-ान की प्रस्तुति
2	कजरी कार्यक्रम की प्रस्तुति
3	थारू लोक सर्वेक्षण एवं प्रस्तुति
4	करमा जनजाति कार्यक्रम की प्रस्तुति

राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ

वित्तीय वर्ष 2019-2020 में सम्पन्न किये गये कार्यकलापों का विवरण

राष्ट्रीय कथक संस्थान की स्थापना संस्कृति विभाग के अर्न्तगत स्वायत्तशासी संस्थान के रुप में वर्ष 1988-89 में हुई थी। संस्थान का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर कथक के विविध घरानों की परम्पराओं का अभिलेखीकरण, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, वरिष्ठ कलाकारों का संरक्षण, कथक नृत्य का संवर्द्धन एवं लुप्त हो गये व नवीन पक्षों पर शोध और कथक संग्रहालय की स्थापना है।

1. मासिक कथक संध्या

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा वर्ष 2001 से प्रत्येक माह के तृतीय शुक्रवार को अनवरत कथक संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रतिभावान उद्दीयमान नवोदित एवं वरिष्ठ कलाकारों को अपनी प्रतिभा दर्शाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष 2019-2020 में की गई कथक संध्याओं का विवरण इस प्रकार है-

क्र0	दिनांक	कलाकारों का नाम	स्थान
1.	19.04.2019	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ एवं सुश्री अरुणिमा सेनगुप्ता, कोलकाता	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
2.	17.05.2019	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ एवं विशाल कृष्णा, वाराणसी एवं रागिनी महाराज, नई दिल्ली	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
3.	21.06.2019	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ एवं सुश्री रूद्रशंकर मिश्र, वाराणसी	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
4.	19.07.2019	सुश्री शिंजनी कुलकर्णी, नई दिल्ली	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
5.	16.08.2019	सुश्री अंजना कुमारी, नई दिल्ली	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
6.	20.09.2019	डॉ0 मीरा दीक्षित, लखनऊ	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
7.	18.10.2019	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
8.	15.11.2019	नृत्य कलाकार- विश्वदीप, नई दिल्ली	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह
9.	17.01.2020	नृत्य कलाकार- गरिमा आर्या, नई दिल्ली	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह

2. कथक बाल उत्सव

कथक संस्थान के अतिरिक्त कथक नृत्य का प्रशिक्षण प्रदान करने वाले प्रदेश की अन्य संस्थाओं के शिक्षार्थियों द्वारा प्रतिवर्ष एक कथक बाल उत्सव का संस्थान द्वारा आयोजन किया जाता है। इस बाल उत्सव के अन्तर्गत बाल, युवा एवं किशोर वर्ग के कथक शिक्षार्थियों को अपनी प्रतिभा दर्शाने का सुनहरा अवसर दिया जाता है। जिसके अन्तर्गत दिनांक 25 अगस्त, 2019 को 'उल्लास' का आयोजन स्थानीय राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ में किया गया, जिसके अन्तर्गत लगभग 135 बच्चों ने अपनी प्रतिभा का सफल प्रदर्शन किया।

3. शिक्षण

चालू वित्तीय वर्ष 2019-2020 में 6 से 28 वर्ष तक की छात्र/छात्राओं को प्रवेश देकर शिक्षण प्रदान किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा स्नातक एवं परास्नातक स्तर की शिक्षा एवं परीक्षा दिलायी गयी।

4. प्रादेशिक कथक आयोजन

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा लखनऊ के अतिरिक्त प्रदेश के अन्य मण्डलों में भी कथक के प्रति अभिरुचि जागृत करने का प्रयास किया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष 2019-2020 में माह अप्रैल 2019 से अबतक तक प्रयागराज, शाहजहाँ, आगरा, सीतापुर एवं कानपुर जिले में प्रादेशिक कथक कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया।

5. कथक यात्रा

वित्तीय वर्ष 2019-2020 में कथक संस्थान द्वारा किये गये प्रायोजित/आयोजित कार्यक्रमों के अन्तर्गत दिनांक 27 मई, 2019 को 'कथक सौन्दर्य' एवं दिनांक 16 जुलाई, 2019 को 'आयाम' विशिष्ट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रमों में देश से आये शोधकर्ताओं एवं साहित्यकारों द्वारा भूरि-भूरि सराहना प्राप्त हुयी एवं कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर एवं महानुभावों तथा जनता का भरपूर प्रोत्साहन मिला।

6. यंग प्रोफेशनल ग्रूमिंग कोर्स (कार्यशाला)

इसका उद्देश्य देश के सुप्रसिद्ध कथक आचार्यो द्वारा बाल एवं युवा कलाकारों को नृत्य का उच्च तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना तथा उन्हें कथक के बहुआयामों से परिचित कराना है। कथक संस्थान द्वारा समय-समय पर देश के सुप्रसिद्ध एवं वरिष्ठ कथक आचार्यो को आमंत्रित करके प्रदेश के कथक क्षेत्र के बाल एवं युवा कलाकारों को नृत्य का उच्च तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इस प्रकार उनकी प्रतिभा को निखारने का अनूठा प्रयास निरन्तर संस्थान द्वारा किया जा रहा है। प्रशिक्षित बाल एवं युवा कलाकारों को प्रस्तुतियां तैयार करने का अवसर भी प्रदान किया जाता है ताकि युवा कलाकारों की प्रतिभा में परिपक्वता आ सके। इस अनूठे एवं सार्थक प्रयास से अनेकों युवा कलाकार लाभान्वित हो रहे हैं और अनुभवी कलाकारों के सानिध्य से लाभ प्राप्त कर स्वयं शिक्षण संस्थानों में अपने अनुभवों का प्रसार कर रहे हैं। संस्थान के इस योगदान से कथक का सच्चे अर्थो में प्रचार प्रसार जन जन तक पहुँच रहा है। इसी क्रम में वर्ष 2019-20 में दिनांक 25 सितम्बर, 2019 से 29 सितम्बर, 2019 तक कथक कार्यशाला संचालित की गयी। उक्त कार्यशाला में भगवान श्रीकृष्ण के अनेक रूपों तथा कथक एवं लोक संगीत के मिश्रण पर आधारित **'कथक प्रवाह'** कथक नृत्य प्रस्तुति तैयार करायी गयी।

7. कथक प्रवाह

''कथक प्रवाह'' के अन्तर्गत कथक की विशेषताओं को संरक्षित रखने हेतु प्रदेश स्तरीय कथक संवर्धन किया जाता है। इससे कथक की छात्रायें एवं युवा कलाकार कथक के तकनीकी पक्ष एवं बारीकियों को समझ पाते हैं। जिससे उत्तर भारत के एकमात्र शास्त्रीय नृत्य ''कथक'' की लोकप्रियता बनी रहे। इसी उद्देश्य से निम्नवत् स्थानों पर कथक प्रवाह के आयोजन सम्पन्न कराये गयेः-

क्र0	दिनांक	कार्यक्रम	स्थान
1	02.08.2019	संगीत बहार	दयाल पैराडाइज, गोमती नगर, लखनऊ।
2	05.09.2019	कथक समूह नृत्य	अब्दुल कलाम टेक्निकल विश्वविद्यालय, लखनऊ
3	03.11.2019	कथक सौन्दर्य	होटल हयात, गोमती नगर, लखनऊ

8. राष्ट्रीय कथक समारोह 'विरासत' (किसी विशिष्ट विषय को आधार बनाते हुए प्रतिवर्ष एक नवीन अवधारणा पर आधारित मौलिक प्रयास) - कथक मानवता का सुन्दर सन्देश पहुंचाने वाली नृत्य विधा है। नृत्य के माध्यम से समाज में जागरुकता लाने की दृष्टि से कथक संस्थान ने एक मौलिक प्रयास किया, जिसके अन्तर्गत एक नई विचारधारा, अवधारणा एवं नई सोच के साथ राष्ट्रीय कथक समारोह-'विरासत' की परिकल्पना की गई जिसे प्रतिवर्ष प्रदेशवासियों के समक्ष आयोजित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2019-20 में इस कार्यक्रम की अवधारणा **''रसमय कथक''** रही। जिसके अन्तर्गत निम्नवत प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया गया-

क्र0	दिनांक	प्रदर्शित की गई प्रस्तुतियां का नाम	प्रस्तुति प्रदर्शित करने वाले कलाकार
1.	24.10.2019	1. भक्ति रंग कथक - 'नाचत सूदंग' 2. कौशल्या सुत राम 3. मॉनसून	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ डॉ0 रूचि खरे, लखनऊ सुश्री रानी खानम एवं समूह, नई दिल्ली
2.	25.10.2019	1. शक्ति रंग कथक - 'नवदुर्गा' 2. अनंत प्रवाह 3. इबादत-ए-रब	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ डॉ0 मीरा दीक्षित, लखनऊ सुश्री संजुक्ता सिन्हा एवं समूह, अहमदाबाद

9. पं0 बिन्दादीन महाराज स्मृति उत्सव 'रसरंग'

यह राष्ट्रीय कथक संस्थान का वार्षिक आयोजन है जिसमें प्रतिवर्ष प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा कथक में हो रहें नवीन प्रयोग एवं परम्परा का प्रस्तुतीकरण होता है। इस क्रम वित्तीय वर्ष 2019-20 में दिनांक 04 एवं 05 फरवरी, 2020 को स्थानीय संग गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में यह कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया, जिसका विवरण इस प्रकार है-

क्र0	दिनांक	प्रदर्शित की गई प्रस्तुतियां का नाम	प्रस्तुति प्रदर्शित करने वाले कलाकार
1.	04.02.2020	1. महिमामण्डित कथक 2. एकल कथक नृत्य 3. रूहानियत	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ। सुश्री ईशानी अग्रवाल, नोएडा। सुश्री विधा लाल, अभिमन्यु लाल एवं रूहानी सिस्टर्स, नई दिल्ली।
2.	05.02.2020	1. शिवोहम 2. एकल कथक नृत्य 3. शक्ति	राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ। सुश्री मधुमिता मिश्रा, कोलकाता। सुश्री रेखा ठाकर, जयपुर।

वर्ष 2019-20 में प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण

10. संगीत संगम

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा कार्यशाला के समापन पर 'संगीत संगम' नामक कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षार्थियों की प्रतिभा को निखारना एवं उन्हें मंच के प्रति जागरुक बनाना हैं। चालू वित्तीय वर्ष 2019-2020 में माह जनवरी, 2019 में कराया जाना प्रस्तावित है।

11. कथक शिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं की वार्षिक प्रस्तुति 'रुनझुन'

कथक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं का मंच के प्रति आत्मविश्वास जागृत करने तथा उन्हें प्रस्तुतिकरण के प्रति जागरुक बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 'रुनझुन' कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। चालू वित्तीय वर्ष 2019-2020 में माह जनवरी, 2019 में कराया जाना प्रस्तावित है।

12. मासिक कथक संध्या

दिनांक 21 फरवरी, 2020 को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह

दिनांक 20 मार्च, 2020 को राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह

13. राष्ट्रीय कथक संगोष्ठी - व्याख्यान एवं डिमॉन्सट्रेशन

यह राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा वार्षिक आयोजन है, जिसके अन्तर्गत देश के ख्यातिवद्ध कलाकारों में से गुरूओं को आंमत्रित कर कथक के गूढ़ परम्परा पर विभिन्न व्याख्यानों का निर्वाह किया जाता है एवं इसके अतिरिक्त कथक के सूक्ष्म नृत्त पक्ष को शिक्षार्थियों को प्रेरणा एवं नये आयाम देनें की सफल प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में माह 20 मार्च, 2020 में कथक संगोष्ठी किया जाना प्रस्तावित है।

14. प्रादेशिक कथक आयोजन

राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा लखनऊ के अतिरिक्त प्रदेश के अन्य मण्डलों में भी कथक के प्रति अभिरुचि जागृत करने का प्रयास किया जाता है। इस क्रम में निम्नवत् प्रादेशिक कथक आयोजन किया जाना प्रस्तावित है। इसी क्रम में वाराणसी, अयोध्या इत्यादि में आयोजन किया जाना प्रस्तावित है।

15. कथक प्रवाह

''कथक प्रवाह'' के अन्तर्गत कथक की विशेषताओं को संरक्षित रखने हेतु प्रदेश स्तरीय कथक संवर्धन किया जाता है। इससे कथक की छात्रायें एवं युवा कलाकार कथक के तकनीकी पक्ष एवं बारीकियों को समझ पाते हैं। जिससे उत्तर भारत के एकमात्र शास्त्रीय नृत्य ''कथक'' की लोकप्रियता बनी रहे।

16. अन्तर्राज्यीय कथक संवर्धन 'परस्पर'

उत्तर प्रदेश की एकमात्र शास्त्रीय नृत्य विधा 'कथक' का अन्य राज्यों से परस्पर समन्वय कराते हुए उत्तर भारत के एकमात्र शास्त्रीय नृत्य का राष्ट्रीय स्तर पर प्रचार-प्रसार एवं संवर्धन संस्थान की गतिविधियों में शामिल है। गत वर्षों में दिल्ली, बिहार, पश्चिमी बंगाल, मध्य प्रदेश के कलाकारों से प्रदेश के कलाकारों का 'परस्पर' कथक नृत्य आयोजन के तहत सामन्जस्य कराया गया। इसके द्वारा प्रदेश के कथक कलाकार अन्य प्रदेशों के कलाकारो की नृत्य परम्पराओं की व्यापकता, शास्त्रीयता एवं मौलिक प्रयोगों का आदान-प्रदान कर सके और साथ ही उन्होंने अन्य प्रदेशों के कलाकारों की विशिष्ट कला तकनीकों को समझा, उन्हें अपनी कला सूक्ष्मता से परिचित कराया और अन्य स्थानों की कलाओं को ग्राह्य करने का प्रयास करते हुए आपसी तालमेल स्थापित कराया गया। उस क्रम में में अन्तर्राज्यीय कथक संवर्धन 'परस्पर' कराया जाना प्रस्तावित है।

17. अभिलेखीकरण

राष्ट्रीय कथक अनुष्ठान में सर्वेक्षण से प्राप्त विचारों, शोध परक गोष्ठी द्वारा प्राप्त ज्ञान को संकलित कर उसका अभिलेखीकरण किया जाएगा। इस के अन्तर्गत राष्ट्रीय स्तर पर सर्वेक्षण से प्राप्त अभिलेखों से सम्बन्धित लेख,

चित्र, पाण्डुलिपि इत्यादि के सुरक्षित संकलन तथा प्राप्त सूचनाओं के सूचीकरण कर विवरणों के दर्ज करने का कार्य कराया जाएगा। सूचना के अभिलेखीकरण तथा सूचीकरण का कार्य सम्पादित किया जाएगा, तथा आधुनिक तकनीकी द्वारा प्राप्त अभिलेखों को संरक्षित रखने का कार्य किया जा रहा है।

18. प्रकाशन

कथक कलाकारों के जीवन वृत्त एवं कथक से सम्बन्धित विषयों का कथक संस्थान द्वारा प्रकाशन की कार्यवाही की जा रही है।

वर्ष 2020-21 से प्रस्तावित गतिविधियों का विवरण

क्र0	कार्यक्रम का नाम
1.	कथक बाल उत्सव
2.	प्रशिक्षण पाठ्यक्रम एवं कार्यशाला
3.	प्रादेशिक कथक आयोजन (कार्यशाला, व्याख्यान इत्यादि प्रस्तुतिकरण 12 जिलो/मण्डलों में आयोजन)
4.	राष्ट्रीय कथक समारोह 'विरासत' (किसी विशिष्ट विषय को आधार बनाते हुये प्रतिवर्ष एक नवीन अवधारणा पर आधारित मौलिक प्रयास) एवं कथक आचार्यों का व्याख्यान
5.	मासिक कथक संध्या
6.	राष्ट्रीय कथक संगोष्ठी
7.	कथक यात्रा (कार्यशालाए, व्याख्यान, संगोष्ठी एवं अन्य आयोजन)
8.	अन्तर्राज्यीय एवं राज्यीय कथक संवर्धन 'परस्पर' (किन्ही दो राज्यों में)
9.	संगीत प्रवाह
10.	प्रकाशन (संस्थान की स्मारिका "अनुष्ठान" एवं अन्य)
11.	पं0 बिन्दादीन महाराज स्मृति उत्सव 'रसरंग'
12.	संरक्षण/अनुरक्षण/सर्वेक्षण
13.	यंग प्रोफेशनल ग्रूमिंग कोर्स
14.	प्रस्तुति निर्माण
15.	कथक एवं संगीत प्रतियोगिता
16.	कथक संग्रहालय/सभागार/प्रेक्षागृह/खुला मंच की स्थापना एवं उक्त स्थानों मे कथक गतिविधियॉ कराया जाना
17.	कथक एवं अन्य विधाओं के आचार्यों एवं संगीत संरक्षकों का सम्मान समारोह
18.	अभिलेखिकरण
29.	राष्ट्रीय कथक अनुष्ठान
20.	'छात्रवृत्ति' (प्रतिभाशाली एवं निर्धन छात्र-छात्राओं हेतु)
21.	कार्यशाला (मासिक एवं वार्षिक) प्रदेश कें किन्ही दो जिलों मे।

कला एवं कलाकारों का सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण एवं वृद्ध कलाकारों को सहायता योजना

प्रदेश की लोक परम्पराओं को संरक्षित रखने के उद्देश्य से उनका वीडियो अभिलेखीकरण, योग्य छात्रों को कला एवं संस्कृति की व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिये आर्थिक सहायता दिये जाने की तथा वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को आर्थिक सहायता योजना प्रचलन में है।

तहसील स्तर के कस्बों में प्रेक्षागृहों/खुले मंचो का निर्माण

महानगरों एवं नगरों में किसी न किसी प्रकार सांस्कृतिक गतिविधियॉ संचालित रहती हैं तथा मनोरंजन के कुछ न कुछ साधन उपलब्ध रहते हैं। प्रदेश के तहसील स्तर के कस्बों में प्रेक्षागृह/खुले मंचों का निर्माण कराया जा रहा है।

फिल्मों का विकास (डाक्यूमेंट्री आडियो विजुअल)

प्रदेश के विपुल सांस्कृतिक धरोहर को जनमानस के लिये संरक्षित व प्रचारित-प्रसारित करने के लिये कला के विविध रूपों एवं प्रदेश के सुविख्यात कलाकारों को डाक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण की योजना गत वित्तीय वर्ष की भांति इस वर्ष भी करायी जानी है।

लोक कलाकारों को वाद्ययंत्रों के क्रय हेतु आर्थिक सहायता

प्रदेश के लोक कलाकारों को उनके कला प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार के लिये वाद्ययंत्रों के क्रय के लिये उन्हें आर्थिक सहायता दिये जाने की योजना क्रियान्वित की जा रही है।

कल्चरल क्लब की स्थापना

प्रदेश की लोक कलाओं के संरक्षण एवं उन्नयन तथा लोक संस्कृति की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिये लोक कलाकारों के उन्नयन के लिये प्रशिक्षण हेतु स्कूलों/विद्यालय आदि में कल्चरल क्लब की स्थापना की जायेगी।

मा0 अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति संकुल की स्थापना

मा0 अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में सांस्कृतिक समारोह आदि के आयोजन हेतु लखनऊ मुख्यालय में स्मृति संकुल का निर्माण कराया जा रहा है।

सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदिवारी का निर्माण

रामलीला की पौराणिकता, अध्यात्मिकता एवं विरासत को संरक्षित एवं सुरक्षित रखने के दृष्टिगत प्रदेश के रामलीला मैदानों की चाहरदीवारी का निर्माण कराये जाने की योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार

लखनऊ के कैसरबाग हैरिटेज जोन में स्थित राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह के भवन की सांस्कृतिक एवं गरिमामय विरासत को संरक्षित एवं संवर्द्धित रखने के दृष्टिगत उक्त प्रेक्षागृह का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है।

गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ संस्थान, गोरखपुर की स्थापना

पं0 दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ संस्थान की स्थापना का कार्य कराय जा रहा है।

पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी के स्मृति भवन की स्थापना

पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की जन्मस्थली गढ़कोला उन्नाव में विशाल स्मृति भवन, पुस्तकालय एवं अन्य संरचना का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ीकरण

तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ीकरण कार्य कराया जाना है।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर को उन्नत किया जाना

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर को उन्नत किया जाना है।

भाग – 2
पुरातत्व निदेशालय

भूमिका

उत्तर दिशा में नगाधिराज हिमालय, दक्षिण में विन्ध्य पर्वत श्रेणियों से घिरा, पश्चिम में यमुना और अरावली से लगा और पूरब में सदानीरा-गंगा-सोन संगम और बिहार के भोजपुर जिले तक विस्तृत उत्तर प्रदेश में प्रस्तर युग से ही अनवरत रूप से पुष्पित-पल्लवित मानवीय सभ्यता ने लाखों वर्ष में यहां की संस्कृति को एक विशेष स्वरूप प्रदान किया है।

प्राचीन देवभूमि, आर्यावर्त्त और मध्य देश, मोरिय, कोलिय, मल्ल और शाक्य आदि गणतंत्र, कोशल, काशी,कुरू, पंचाल, सूरसेन और वत्स महाजनपद इसी पावन भूमि पर स्थित रहे हैं। गंगा-यमुना के स्रोत बद्री-केदार ज्योतिर्मठ, अयोध्या, मथुरा और तीन लोक में न्यारा भोले बाबा का धाम काशी, गंगा-यमुना के बीच बसे प्रयागराज, कौशाम्बी, कालिंजर और देवगढ़, जौनपुर, आगरा और सीकरी, लखनऊ और फैजाबाद न केवल इस प्रदेश के वरन् सारे देश की अस्मिता के ऐसे अंग हैं जिनके बिना देश की पहचान नहीं बनती । वह प्रदेश है जहां की माटी पर पल कर राम, कृष्ण जैसे अवतारी पुरूषों ने ऐसी लीलाएं दिखलायीं और शाक्य सिंह, गौतम बुद्व ने शान्ति का ऐसा उद्घोष किया कि समस्त भारतीय उप महाद्वीप ही नहीं हिन्दूकुश के उस पार वक्ष (आक्सस) नदी के आस-पास, ब्रह्म देश (बर्मा) के पूरब वियतनाम और जावा-सुमात्रा-बाली, उत्तर में चीन, कोरिया, जापान और तिब्बत और दक्षिण समुद्र में लंका तक पूजे जाने लगे। कबीर, सूर, तुलसी, रसखान और नरोत्तम दास की यह पावन भूमि सांस्कृतिक एवं पुरातात्त्विक महत्व के अवशेषों की दृष्टि से अत्यन्त समृद्ध है।

प्रदेश की पुरातात्त्विक सामग्री और स्थलों/स्मारकों के संरक्षण, यथावश्यक पुरास्थलों के उत्खनन, पुरातत्व विषयक प्रकाशन तथा पुरातत्त्व और पुरास्थलों में लोकरूचि जगाने के उद्देश्य से 1951 में लखनऊ में पुरातत्व विभाग की स्थापना की गयी। सन् 1979-80 में लखनऊ के बाहर कुमाऊं और गढ़वाल क्षेत्रों के लिए पहली क्षेत्रीय इकाई गठित हुई। नवें दशक में पौड़ी गढ़वाल और झांसी तथा तत्पश्चात् आगरा, गोरखपुर, वाराणसी और इलाहाबाद में भी क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाईयां स्थापित की गयीं। राज्य में पुरातत्व सम्बन्धी गतिविधियों को और अधिक गति प्रदान करने हेतु 27 अगस्त, 1996 को निर्गत संस्कृति अनुभाग की अधिसूचना संख्या 2558/चार-96-6(2)/96, द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व संगठन का नाम 'उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व विभाग' तथा निदेशक, उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्त्व संगठन को स्वतंत्र विभागाध्यक्ष घोषित करते हुए सचिव, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अधीन रखा गया है।

विभाग द्वारा अपने उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस सत्र में प्रदेश के जालौन, चित्रकूट, उन्नाव एवं जौनपुर जिले में पुरातात्विक सर्वेक्षण कराया जा रहा है। प्रदेश के इतिहास के अल्पज्ञात पक्षों की जानकारी के लिए विभाग द्वारा मनवाडीह (सीतापुर), जाजमऊ (कानपुर), हुलासखेड़ा एवं दादूपुर (लखनऊ) , शनिचरा(सुल्तनपुर), मूसानगर (कानपुर), राजा नल का टीला, नई डीह एवं भगवास (सोनभद्र), मलहर (चन्दौली),लहुरादेवा (संत कबीर नगर), पुरवा उदयी (औरैया) एवं सोनिक (उन्नाव) में पुरातात्विक उत्खनन कराये गये हैं। प्रदेश के राज्य संरक्षित स्मारकों के परिरक्षण /अनुरक्षण के कार्य कराने के अतिरिक्त शोध कार्य को बढावा देने के लिए एक वार्षिक शोध पत्रिका प्रकाशित कराने तथा जनचेतना जागृत करने हेतु शैक्षिक कार्यक्रमों के आयोजन भी कराये जा रहे हैं।

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ

सम्पूर्ण उत्तर प्रदेश में पुरातात्त्विक गतिविधियों का संचालन उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय द्वारा किया जाता है। पुरातत्व निदेशालय के अन्तर्गत गठित क्षेत्रीय इकाईयों के कार्यों पर नियंत्रण, प्रदेश के विभिन्न भागों में बिखरी पुरासम्पदा की खोज हेतु सर्वेक्षण, महत्वपूर्ण पुरास्थलों का उत्खनन, राज्य संरक्षित स्मारकों/स्थलों का अनुरक्षण व रख-रखाव, एवं पुरावशेषों के प्रति जन चेतना जागृत करना पुरातत्व निदेशालय के प्रमुख उद्देश्य हैं।

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	निदेशक	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	7600	लेवल-12
2	उपनिदेशक	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	6600	लेवल-11
3	उत्खनन एवं अन्वेष अधिकारी	02	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
4	पुरातत्त्व अभियन्ता	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
5	सहायक लेखाधिकारी	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4800	लेवल-8
6	सहायक पुरातत्त्व अधिकारी	06	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
7	फोटो अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
8	प्रशासनिक अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
9	प्रकाशन सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
10	संरक्षण सहायक	03	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
11	लेखाकार	02	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
12	प्रधान सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
13	वैयक्तिक सहायक ग्रेड-2	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6

14	अवर अभियंता	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
15	नक्शानवीस	02	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
16	सर्वेयर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
17	रसायनविद	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
18	पुस्तकालय सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
19	सहायक लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
20	आशुलिपिक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
21	वरिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
22	कनिष्ठ सर्वेयर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2400	लेवल-4
23	कनिष्ठ सहायक	04	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
24	ड्राईवर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1900	लेवल-2
25	मार्क्समैन कम पाट्री मेंण्डर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
26	फोटोलैब सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
27	साइक्लो स्टाईल मशीन आपरेटर कम दफ्तरी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-2
28	रसायन शाला सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
29	नलकूप चालक	02	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
30	वर्क्स फोरमैन	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
31	अर्दली	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
32	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
33	स्वीपर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
34	कार्यालय चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
35	माली चौकीदार	22	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
36	स्मारक परिचर	40	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
37	उद्यान परिचर	07	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
38	डाक रनर कम फर्राश	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
	योग	**118**			

सर्वेक्षण/निरीक्षण :-

1. जनपद-लखनऊ अन्तर्गत तहसील-मलिहाबाद स्थित प्राचीन भवन-बाराखम्भा का स्थलीय निरीक्षण।
2. जनपद मथुरा स्थित कुसुमवन सरोवर एवं पोतरा कुण्ड का स्थलीय निरीक्षण।
3. निदेशक पुरातत्व द्वारा वाराणसी के संरक्षित स्मारकों कर्दमेश्वर महादेव मन्दिर-कन्दवा, गुरूधाम मन्दिर-गुरूधाम, बत्तीस-खम्भा, बकरिया कुण्ड, रेलवे यार्ड तथा कबीर तालाब-लहर तारा का स्थलीय निरीक्षण।
4. जनपद-अयोध्या स्थित स्वर्गद्वार, हेरिटेज होटल एवं कोहिनूर पैलस का स्थलीय निरीक्षण।
5. जनपद-कानपुर नगर के बिठूर स्थित संरक्षित स्मारक बाल्मीकि आश्रम का निरीक्षण।

अनुरक्षण :-

1. राज्य संरक्षित स्मारक सन्त कबीर की समाधि एवं मजार-मगहर का निरीक्षण।
2. कार्यदायी संस्था उ0प्र0 राजकीय निर्माण निगम द्वारा गोरखपुर जनपद में निर्माणाधीन बहुउद्देश्यीय ऑडोटोरियम भवन का निरीक्षण।
3. जनपद-लखनऊ स्थित राज्य संरक्षित स्मारक लाल बारादरी भवन पर 13वें वित्त आयोग द्वारा अन्तर्गत कराये जा रहे कार्यो का विभागीय टीम द्वारा निरीक्षण।
4. जनपद-फैजाबाद स्थित संरक्षित स्मारक गुप्तार घाट पर अनुरक्षण कार्यो हेतु आगणन तैयार कराया गया।
5. जनपद-लखीमपुर स्थित मेढक शिव मन्दिर पर वार्षिक अनुरक्षण कार्य हेतु आगणन तैयार कराया गया।
6. जनपद-संत कबीर नगर अन्तर्गत संरक्षित टीला पर सीमांकन के बाद पिलर स्थापना हेतु आगणन तैयार कराया गया।

फोटोग्राफी अनुभाग :-

1. राज्य संरक्षित स्मारकों/स्थलों एवं निरीक्षणों से सम्बन्धित लगभग 500 अदद् छायाचित्र तैयार कराये गये।

रसायनशाला :-

1. जनपद-कानपुर नगर स्थित संरक्षित स्थल-जाजमऊ के टीले के पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त ताम्र-निधि का रासायनिक उपचार किया गया।

प्रकाशन अनुभाग :-

1. विभागीय शोध पत्रिका-प्राग्धारा के अंक-27 का मुद्रण कार्य कराया जा रहा है।
2. विभागीय फेसबुक को समय-समय पर अपडेट कराने का कार्य कराया गया।

शैक्षिक-गतिविधियाँ :-

1. विश्व धरोहर दिवस (18 अप्रैल,2019) के अवसर पर ड्रांइग प्रतियोगिता, स्मारक भ्रमण एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया।
2. कुम्भ मेला, प्रयागराज 2019 के अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा लगाई गयी प्रदर्शनी कला कुम्भ पर आधारित पुस्तक **'कुम्भ गाथा'** के मुद्रण हेतु पाण्डुलिपि तैयार की गयी।

3. भू-जल सप्ताह के अवसर पर मुख्यालय तथा सम्बद्ध इकाईयों द्वारा छायाचित्र प्रदर्शनी, ड्रांइग प्रतियोगिता एवं व्याख्यानों का आयोजन किया गया।
4. विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी एवं ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन राज्य संरक्षित स्थल हुलासखेडा पर किया गया।

ड्रांइग एवं सर्वेक्षण कार्य :-

1. जी0आई0एस0/जी0पी0एस0 से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने हेतु मुख्य सचिव विज्ञान एवं प्रोघौगिकी की अध्यक्षता में आहूत बैठक में भाग लिया गया।
2. संरक्षित स्मारक कोपिया टीला पर राजस्व विभाग की टीम के साथ चिन्हांकन कराया गया।
3. संरक्षित स्मारक लहरतारा तालाब-वाराणसी का चिन्हांकन कराकर नजरी नक्शा तैयार किया गया।
4. ग्राम-स्तरीय सर्वेक्षण हेतु 03 अद्द नक्शे तैयार कराये गये।
5. उत्खनित स्थल जाजमऊ टीला-कानपुर की 03 अदद् सेक्शन ड्राइंग तैयार की गयी।
6. उत्खनित स्थल लहुरादेवा जनपद-संत कबीर नगर के साइट प्लान को कम्प्यूटर पर तैयार किया गया।

उत्खनन एवं सर्वेक्षण :-

1. मुख्यालय एवं क्षेत्रीय पुरातत्व इकाइयों द्वारा किये जाने वाले ग्राम स्तरीय पुरातात्वीय सर्वेक्षण हेतु लाइसेन्स प्राप्त करने के लिए 06 प्रस्ताव तैयार कराकर भारत सरकार नई दिल्ली को प्रेषित किये गये।
2. जनपद-प्रतापगढ में सई नदी का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य कराया जा रहा है।
3. जनपद-गोण्डा अन्तर्गत तहसील तरबगंज में विकासखण्ड-नवाबगंज का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण का कार्य कराया जा रहा है।

अन्य कार्य :-

१. शासन द्वारा समय-समय आहुत बैठकों में भाग लिया गया एवं मांगी गयी सूचनाओं को समय से प्रेषित किया गया।
२. सूचना विभाग द्वारा प्रकाशित की जाने वाली पुस्तक उ0प्र0 सन्दर्भ विषयक सूचना हिन्दी एवं अग्रेजी में तैयार कर प्रेषित की गयाी।
३. विभागीय वादों का अनुश्रवण किया गया।
४. पर्यावरण संरक्षण के तहत विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा वृक्षारोपण किया गया।
५. पुरातत्व परामर्शदात्री समिति-2018 में लिये गये निर्णय के क्रम में स्मारकों/स्थलों को संरक्षित करने हेतु राजस्व अभिलेख प्राप्त करने के लिये सम्बन्धित जिलाधिकारियों को अनुस्मारक पत्र प्रेषित किया गया।

1. मा0 संस्कृति मंत्री के निर्देश के क्रम में 1857 से पूर्व विद्यमान मन्दिरों के स्तावेजीकरण कार्य हेतु 07 जनपदों के मन्दिरों के सूचीकरण का कार्य किया गया।
2. पुरातत्व परामर्शदात्री समिति 2018 के अन्तर्गत 10 अदद् स्मारकों/स्थलों की प्रथम विज्ञप्ति जारी कराने हेतु अंग्रेजी एवं हिन्दी के प्रारूप तैयार कर शासन के प्रेषित किये गये।
3. विभागीय वादों की पैरवी की गयी।
६. समय-समय शासन द्वारा मांगी गयी सूचनाओं का प्रेषण एवं बैठकों में भाग लिया गया।

पुरातत्व परामर्शदात्री-2018 के क्रम में प्रथम विज्ञप्ति जारी करने हेतु जनपद-हमीरपुर के दो स्मारकों/स्थलों एवं मथुरा के दो स्मारकों/स्थलों को संरक्षित करने हेतु सम्बन्धित प्रारूप हिन्दी/अंग्रेजी में तैयार कर शासन को प्रेषित किया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, झॉसी

क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाई ,झांसी के अन्तर्गत झांसी, ललितपुर , महोबा ,हमीरपुर ,जालौन ,बांदा, चित्रकूट आदि जिले रखे गये हैं । प्रस्तर उपकरणों , मन्दिरों , मूर्तियों, अभिलेंखों, बावली , कूप ,तड़ागों और पात्रावशेषों आदि के रूप में प्राचीन पुरासामग्री इस क्षेत्र में जगह-जगह बिखरी हुई हैं। यहां शैव, वैष्णव शाक्य और जैन धर्मों का विशेष प्रभाव दिखायी देता है । इन सबका व्यापक अन्वेषण कराकर इन्हे प्रकाशित करने, संरक्षित करने तथा विभाग के उद्देश्यों के अनुरूप पुरातत्त्व सम्बन्धी अन्य कार्यों के सम्पादन के लिये झांसी में क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई की स्थापना की गई है।

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई ,झांसी के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं :-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	सहायक पुरातत्व अधिका	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4600	लेवल-7
3	संरक्षण सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
4	फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
5	नक्शा नवीस	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
6	लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
7	कनिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
8	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
9	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
10	सफाई कर्मचारी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
योग		10			

सर्वेक्षण/निरीक्षण

1. संरक्षित स्मारक बरूआसागर किला तथा लक्ष्मी मंदिर का स्थलीय निरीक्षण।

अनुरक्षण

1. राज्य संरक्षित स्मारक रघुनाथ राव का महल झांसी, पर अनुरक्षण कार्य हेतु आगणन तैयार कराया गया।
2. संरक्षित स्मारक-बालावेहट किले में विद्यमान कुएं की सफाई का कार्य।
3. जनपद-झॉसी स्थित रघुनाथ राव महल के अनुरक्षण का कार्य।

उत्खनन एवं सर्वेक्षण

1. जनपद हमीरपुर अन्तर्गत तहसील सरीला स्थित विकासखण्ड-गोहन्द का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य कराया जा रहा है।

अन्य कार्य

1. मा0 संस्कृति मंत्री के निर्देश के क्रम में 1857 से पूर्व विद्यमान मन्दिरों के दस्तावेजीकरण कार्य हेतु जनपद-झॉसी के मन्दिरों के सूचीकरण का कार्य किया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, आगरा

उत्तर प्रदेश में बृज मंडल का सांस्कृतिक महत्व सर्वज्ञात है। वृन्दावन, गोकुल, मथुरा के बंशी बजइया कृष्ण कन्हैया की लीला भूमि लाखों श्रद्धालुओं को हर वर्ष यहां खींच लाती है । आगरा स्थित फतेहपुर सीकरी, ताजमहल, बुलन्द दरवाजा जैसी मुगल इमारतों की एक झलक पाने को सारी दुनिया के सैलानी बेताब रहते हैं। कुसुम सरोवर, गोवर्धन आदि स्थलों पर जाट राजाओं द्वारा निर्मित छतरियों की छटा देखते ही बनती है। इसके अतिरिक्त इस क्षेत्र में जगह-जगह प्राचीन पात्रावशेषों, मृण्मूर्तियां, सिक्के, पाषाण मूर्तियां और अभिलेख आदि मिलते रहते हैं । इनके व्यापक सर्वेक्षण, अभिलेखीकरण, प्रकाशन और संरक्षण/परिरक्षण के लिये आगरा में क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई की स्थापना की गई है। इसके अन्तर्गत आगरा, अलीगढ़, एटा, इटावा, फिरोजाबाद और मैनपुरी जिलों के कार्य सौंपे गये हैं ।

क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाई ,आगरा के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं :-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल

1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	कनिष्ठ फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2400	लेवल-4
3	नक्शानवीस	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
4	लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
5	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
6	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
7	सफाई कर्मचारी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
योग		07			

सर्वेक्षण/निरीक्षण

1. संरक्षित स्मारक रसखान की समाधि पर निर्मित चाहरदीवारी का निरीक्षण।
2. राज्य संरक्षित कुसुमवन सरोवर का स्थलीय निरीक्षण।

अनुरक्षण

1. जनपद आगरा स्थित अकबर का शिकारगाह, किरावली के अनुरक्षण हेतु आगणन तैयार कराया गया।
2. 13वें वित्त आयोग की सहायता से कुसुमवन सरोवर पर चल रहे कार्यो का निरीक्षण तथा प्राप्त निर्देश के क्रम में राधावन बिहारी जी मन्दिर के समीप ग्रिल लगाने हेतु निरीक्षण एवं इंगित पटट् के स्थापना का कार्य।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई, प्रयागराज

इलाहाबाद मंडल में गंगा यमुना दोआब का ऐसा क्षेत्र सम्मिलित है जिसमें प्राचीन वत्स राज्य तथा अवध का बड़ा भू-भाग आता है। वत्स राज उदयन की राजधानी कौशाम्बी, जहां भगवान बुद्ध प्रवास काल में रहे, भीटा, झूंसी, भारद्वाज आश्रम, श्रृगंवेरपुर आदि बहुसंख्यक पुरातात्त्विक महत्व के स्थल इस क्षेत्र में विद्यमान हैं । प्रतापगढ़ में सरायनाहर राय आदि पुरास्थलों से मानव के आज से लगभग 10,000 वर्ष प्राचीन आवासीय स्थलों से नर कंकाल और प्रस्तर उपकरण प्रकाश में आये हैं । ऐसे अत्यन्त महत्वपूर्ण पुरास्थलों और अवशेषों की खोज, रख-रखाव अध्ययन, प्रकाशन आदि के उद्देश्य से इलाहाबाद में क्षेत्रीय पुरात्त्व इकाई की स्थापना की गयी है ।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई ,इलाहाबाद के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं :-

क्र0 सं0	**पद का नाम**	**पदों की संख्या**	**सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान**	**सादृश्य ग्रेड वेतन**	**पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल**
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-3910(	5400	लेवल-10

2	अन्वेषण सहायक कम फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
3	नक्शानवीस	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2400	लेवल-4
4	लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
5	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
6	सफाई कर्मचारी कम चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
योग		06			

सर्वेक्षण/निरीक्षण

1. जनपद-बांदा स्थित नवाब टैंक एवं भूरागढ किला का स्थलीय निरीक्षण।

उत्खनन एवं सर्वेक्षण

1. जनपद बांदा अन्तर्गत तहसील व विकासखण्ड बबेरू का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।

अन्य कार्य

1. जनपद प्रतापगढ़ में आयोजित अजगरा महोत्सव में छायाचित्र प्रद-र्नी का आयोजन कराया गया।
2. विश्व धरोहर दिवस/सप्ताह के अवसर पर छायाचित्र प्रद-र्नी एवं व्याख्यान का आयोजन।
3. मा0 संस्कृति मंत्री के निर्देश के क्रम में 1857 से पूर्व विद्यमान मन्दिरों के दस्तावेजीकरण कार्य हेतु जनपद-प्रयागराज के मन्दिरों के सूचीकरण का कार्य किया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई ,वाराणसी

पूर्वी उत्तर प्रदेश में वाराणसी मंडल का अपना विशेष महत्व है । उत्तर भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक राजधानी के रूप में विख्यात वाराणसी नगर का ही पुरातात्त्विक एवं ऐतिहासिक महत्व लगभग 3000 वर्ष प्राचीन है। इस नगर और जनपद में जगह-जगह प्राचीन मन्दिर, मूर्तियां और अन्य बहुत से मन्दिर विद्यमान हैं । वाराणसी मंडल के सोनभद्र, मिर्जापुर, जौनपुर, गाजीपुर और बलिया जनपद भी समृद्व एवं प्राचीन सांस्कृतिक विरासत की दृष्टि से अपनी गौरवशाली परम्परा रखते हैं। मिर्जापुर और सोनभद्र जिलों में चित्रित ैलाश्रय व चुनार, विजयगढ, शक्तेशगढ में सुख्यात दुर्ग, अनेक मंदिर, अभिलेख आदि ज्ञात हैं। शैव, वैष्णव, जैन और बौद्ध धर्म के केन्द्र के रूप में काशी की महिमा सर्वज्ञात है। महर्षि विश्वामित्र और जमदग्नि मुनि की भूमि जनपद गाजीपुर से सम्बद्ध की जाती है। शर्की राजाओं की राजधानी जौनपुर/मछलीशहर की प्राचीन वास्तुकला की एक नई बानगी देती है। सरयू और गंगा के बीच के भाग में सैदपुर, भीतरी, श्रंराडीह जैसे बड़े-बड़े टीले पाये गये हैं। जिनमें प्राचीन सांस्कृतिक सामग्री के विपुल भण्डार छिपे हुये हैं । विन्ध्य की श्रृखलाओं में पाषाण युगीन मानव के निवास के प्रमाण प्रस्तर

उपकरणों के रूप में जगह-जगह मिलते हैं। अतएव इस क्षेत्र में पुरातत्त्व सम्बन्धी गतिविधियों में तेजी लाने के लिए वाराणसी में एक क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई की स्थापना की गयी है।

क्षेत्रीय पुरातत्व इकाई ,वाराणसी के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं :-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	संरक्षण सहायक	01	वेतन बैण्ड-2 9300-34800	4200	लेवल-6
3	कनिष्ठ फोटोग्राफर	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2400	लेवल-4
4	नक्शानवीस	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
5	सहायक लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
6	कनिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
7	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
8	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
योग		08			

<u>सर्वेक्षण/निरीक्षण :-</u>

1. जनपद-वाराणसी स्थित पंचकोशी यात्रा के तृतीय पड़ाव पर स्थित श्री रामेश्वर महादेव मन्दिर का निरीक्षण।
2. जनपद-चन्दौली स्थित भांटी गॉव में स्थित पुरातत्व का स्थलीय निरीक्षण।
3. जनपद-रार्बट्सगंज के ग्राम-बहुआर में स्थित असुर पॉव का स्थलीय निरीक्षण।
4. जनपद-वाराणसी स्थित बसनी, बड़ागॉव ग्राम से प्राप्त सिक्कों एवं प्राप्ति स्थल का निरीक्षण।

<u>अनुरक्षण :-</u>

1. जनपद-वाराणसी स्थित गुरूधाम मन्दिर परिसर स्थित लॉन तथा नौबतखाना की साफ-सफाई एवं वनस्पति उन्मूलन कराया गया।
2. सारनाथ मन्दिर जनपद-मिर्जापुर पर अनुरक्षण कार्य हेतु आगणन तैयार कराया गया।

<u>उत्खनन/सर्वेक्षण :-</u>

1. जनपद जौनपुर अन्तर्गत तहसील केराकत में विकास खण्ड जलालपुर एवं ढोभी का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य कराया जा रहा है।

<u>अन्य कार्य :-</u>

1. विश्व धरोहर दिवस/सप्ताह के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी, चित्रकला प्रतियोगिता एवं व्याख्यानों का आयोजन किया गया।
2. काशी विमर्श व्याख्यान श्रृंखला के तहत ''काशी और ऐनीबेसेण्ट'' विशयक व्याख्यान का आयोजन।
3. मा0 संस्कृति मंत्री के निर्देश के क्रम में 1857 से पूर्व विद्यमान मन्दिरों के दस्तावेजीकरण कार्य के क्रम में जनपद-वाराणसी के मन्दिरों के सूचीकरण का कार्य किया गया।

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई ,गोरखपुर

क्षेत्रीय पुरातत्त्व इकाई ,गोरखपुर के लिये निम्नलिखित पद सृजित हैं :-

क्र0 सं0	पद का नाम	पदों की संख्या	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल
1	क्षेत्रीय पुरातत्व अधिकारी	01	वेतन बैण्ड-3 15600-39100	5400	लेवल-10
2	सहायक लेखाकार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2800	लेवल-5
3	कनिष्ठ सहायक	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	2000	लेवल-3
4	चपरासी	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
5	चौकीदार	01	वेतन बैण्ड-1 5200-20200	1800	लेवल-1
6	सफाई कर्मचारी	01	रु0 1000/- नियत वेतन		
योग		06			

सर्वेक्षण/निरीक्षण :-

1. जनपद बस्ती अन्तर्गत विकास खण्ड-बनकटी स्थित ग्राम-बेहिक(बेहलिंग)में प्राचीन टीले का स्थलीय निरीक्षण।
2. जनपद-गोरखपुर की तहसील चौरी-चौरा अन्तर्गत ग्राम-जगपुर से प्राप्त प्राचीन सिक्कों (आहत मुद्राएं) का थाना-चौरी-चौरी के माल खाने में निरीक्षण।
3. जनपद-महराजगंज अन्तर्गत ग्राम बनरसिया कला एवं खुर्द प्राचीन पुरास्थल का स्थलीय निरीक्षण।

अनुरक्षण :-

1. जनपद संतकबीर नगर अन्तर्गत संतकबीर दास की समाधि एवं मजार का अनुरक्षण कार्य कराया जा है।

उत्खनन/सर्वेक्षण :-

1. जनपद संतकबीर नगर अन्तर्गत विकास-खंड मेंहदावल स्थित विकासखण्ड सांथा का ग्राम स्तरीय पुरातातिवक सर्वेक्षण कराया जा रहा है।

अन्य कार्य :-

1. जनपद संतकबीर नगर के मगहर स्थित संरक्षित स्मारक संतकबीर दास की समाधि एवं मजार से सम्बद्ध भूमि का सीमांकन कार्य।
2. जनपद-संत कबीर नगर के ग्राम कोपिया स्थित संरक्षित पुरास्थल कोपिया का सीमांकन कार्य कराकर सीमेंट के पिलर स्थापना का कार्य कराया गया।
3. मा0 संस्कृति मंत्री के निर्देश के क्रम में 1857 से पूर्व विद्यमान मन्दिरों के दस्तावेजीकरण कार्य हेतु जनपद-गोरखपुर के मन्दिरों के सूचीकरण का कार्य किया गया।

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग, लखनऊ द्वारा
वित्तीय वर्ष 2020-21 के प्रस्तावित कार्यो का संक्षिप्त विवरण

1. **प्रकाशन :** इस मद के अन्तर्गत रु0 1.50 लाख मात्र की धनराशि प्राविधानित है। तद्न्तर्गत प्राग्धारा शोध-पत्रिका अंक-28 का प्रकाशन, रंगीन लघु पुस्तिकाओं, फोल्डरों का प्रकाशन आदि किया जाना प्रस्तावित है।

2. **अनुरक्षण :** इस मद के अन्तर्गत रु0 10.00 लाख मात्र की धनराशि प्राविधानित है। तद्न्तर्गत राज्य संरक्षित स्मारकों का वार्षिक रख-रखाव, स्थलों की तार फेन्सिंग तथा सीमांकन आदि का कार्य कराया जाना प्रस्तावित है।

3. **अन्य व्यय :** इस मद के अन्तर्गत रु0 19.00 लाख मात्र की धनराशि प्राविधानित है। तद्न्तर्गत ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण (जनपद-प्रतापगढ़ अन्तर्गत सई नदी के किनारे-किनारे ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण, जनपद-गोण्डा अन्तर्गत विकासखण्ड-वजीरगंज का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण, जनपद-संत कबीर नगर के विकासखण्ड-बेलहरकला का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण, जनपद-हमीरपुर की विकासखण्ड-मौदहा का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण, जनपद-जौनपुर की तहसील शाहगंज का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण, जनपद-बांदा की तहसील बबेरू का ग्राम स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण एवं जनपद-बरेली की मीरगंज तहसील में विकासखण्ड फतेहगंज का ग्राम

स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण कार्य।) शैक्षिक गतिविधियों का संचालन यथा विश्व धरोहर सप्ताह, संगोष्ठी का कार्य तथा स्मारकों का भ्रमण कराया जाना। उक्त के अतिरिक्त पुरातत्व निदेशालय के पुस्तकालय हेतु पुस्तकों आदि का क्रय इस मद के अन्तर्गत किया जायेगा।

भाग – 3
संग्रहालय निदेशालय

संक्षिप्त परिचय

संग्रहालय सांस्कृतिक सम्पदा, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का वह केन्द्र है, जहां प्राचीन कलाकृतियों को संग्रहीत कर राष्ट्र के अतीत की गौरवशाली संस्कृति का दर्शन शोधार्थियों, बुद्धिजीवियों तथा सामान्य जनमानस को कराया जाता है। संग्रहालय का कार्य कलाकृतियों एवं पुरावशेषों का संग्रह करना, संरक्षित करना, शोध करना तथा उन्हें प्रदर्शित करना है। संग्रहालय वर्तमान में अनौपचारिक शिक्षा का केन्द्र भी है जो समय-समय पर प्रदर्शनियां, व्याख्यान तथा संगोष्ठी आयोजित कर सामान्य जनमानस में कला के प्रति अभिरूचि जागृत कर शिक्षा प्रदान करने का कार्य भी करते हैं।

31 अगस्त, 2002 के पूर्व, उ0 प्र0 के समस्त राजकीय संग्रहालय संस्कृति निदेशालय, उ0 प्र0 द्वारा संचालित होते थे। प्रदेश के समस्त संग्रहालयों के विकास एवं संवर्द्धन, स्वतंत्र नियंत्रण एवं प्रभावी पर्यवेक्षण, नये संग्रहालयों की स्थापना, उनके भवनों का निर्माण, आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, कलाकृतियों एवं पुरावशेषों के क्रय, उनके प्रदर्शन तथा कला अभिरूचि के विकास, व्याख्यान, प्रशिक्षण आदि योजनाओं के उन्नयन हेतु 31 अगस्त, 2002 से उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय के रूप में स्वंतत्र निदेशालय की स्थापना की गई। राज्य संग्रहालय, बनारसी बाग, लखनऊ के परिसर की ओल्ड कोठी में ही इस निदेशालय को स्थापित किया गया। वर्तमान में यह निदेशालय राज्य संग्रहालय, लखनऊ के चतुर्थ पार्श्व में स्थापित है। निदेशक, उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय विभागाध्यक्ष के कार्यों एवं दायित्वों के साथ-साथ राज्य संग्रहालय, लखनऊ के निदेशक के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन करते हैं। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में कुल उन्नीस राजकीय संग्रहालय उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय के अधीन हैं जिनमें पन्द्रह संग्रहालय संचालित है तथा चार संग्रहालय निर्माणाधीन हैं। राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर को उन्नत किया जाना है।

क्र.स.	संग्रहालय के नाम तथा वर्ष	उद्देश्य
1	राज्य संग्रहालय लखनऊ (1863)	उ0 प्र0 राज्य का बहुउद्देशीय संग्रहालय है।
2	राजकीय संग्रहालय, मथुरा (1874)	मथुरा कला के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संग्रहालय है।
3	राजकीय संग्रहालय, झांसी (1978)	बुन्देलखण्ड की मध्यकालीन कला एवं इतिहास को संरक्षित किए जाने के उद्देश्य से स्थापित है।
4	अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या, फैजाबाद (1988)	विश्व प्रचलित रामकथाओं से सम्बन्धित कलाकृतियों का प्रदर्शन, संरक्षण एवं रख-रखाव के लिए स्थापित।
5	राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर (1987),	जनपद एवं आस-पास से प्राप्त पुरासम्पदाओं का संरक्षण, संवर्द्धन, शोध एवं ज्ञानवर्धन हेतु स्थापित।
6	लोक कला संग्रहालय, लखनऊ (1989),	प्रदेश में प्रचलित समस्त लोक कलाओं के प्रदर्शन, संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से स्थापित।
7	जनपदीय संग्रहालय, सुलतानपुर (1989),	जनपद एवं आस-पास से प्राप्त पुरासम्पदाओं का संरक्षण, संवर्द्धन, शोध एवं ज्ञानवर्धन हेतु स्थापित।
8	राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर (1994),	जनपद एवं आस-पास से प्राप्त पुरासम्पदाओं का संरक्षण, संवर्द्धन, शोध एवं ज्ञानवर्धन हेतु स्थापित।
9	राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, कन्नौज (1975)	जनपद एवं आस-पास से प्राप्त पुरासम्पदाओं का संरक्षण, संवर्द्धन, शोध एवं ज्ञानवर्धन हेतु स्थापित।
10	राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ, (1996),	भारत के प्रथम स्वतंत्रता आन्दोलन 1857 से सम्बन्धित प्राप्त तत्कालीन प्रचलित अस्त्र-शस्त्रों को संग्रहीत करना व विविध पहलुओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से स्थापित।
11	जैन संग्रहालय, मथुरा (2003)	जैन कलाकृतियों के प्रदर्शन, संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित
12	अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर, (2004)	भारत के संविधान निर्माता डॉ0 भीमराव अम्बेडकर से सम्बन्धित सभी प्रकार की सामग्रियों के संकलन हेतु स्थापित।

13	राजकीय बौद्ध संग्रहालय, पिपरहवा (सिद्धार्थनगर) (1997)	जनपद एवं आस-पास से प्राप्त पुरासम्पदाओं का संरक्षण, संवर्द्धन, शोध एवं ज्ञानवर्धन हेतु स्थापित।
14	कालका बिन्दादीन महाराज की ड्यूढ़ी व कथक संग्रहालय, लखनऊ (2016)	बिन्दादीन महाराज व घराने के अन्य गुरूओं से सम्बन्धित वाद्य यंत्र एवं अन्य सामग्रियों के संरक्षण एवं प्रदर्शन हेतु स्थापित।
15	स्व0 लाल बहादुर शास्त्री स्मृति भवन संग्रहालय, रामनगर, वाराणसी (2018)	भारत के दूसरे प्रधानमंत्री व गांधीवादी लाल बहादुर शास्त्री के जीवन स्मृति का संग्रह स्थल।
16	राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, फ़र्रूख़ाबाद (निर्माणाधीन)	प्राचीन बौद्ध पुरास्थल काम्पिल्य, संकिशा से प्राप्त प्राचीन कलाकृतियों एवं पुरावशेषों के संकलन एवं सवंर्द्धन हेतु स्थापित।
17.	बाल संग्रहालय, कन्नौज (निर्माणाधीन)	बच्चों, विद्यार्थियों तथा सामान्य जनमानस को विज्ञान के नये-नये अविष्कार एवं तकनीकी से परिचित कराने हेतु स्थापित।
18.	थारू जनजाति संस्कृति संग्रहालय, इमिलिया कोडर, बलरामपुर (निर्माणाधीन)	इमिलिया कोडर, जनपद-बलरामपुर में या उसके आस-पास थारू जनजाति से सम्बन्धित संस्कृति को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने हेतु स्थापित।
19.	प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय, लखनऊ (प्रस्तावित)	बच्चों, विद्यार्थियों तथा सामान्य जनमानस प्रकृति के विभिन्न आयामों से परिचित कराने हेतु स्थापित।

संस्कृति विभाग, उ0 प्र0 के सांस्कृतिक कैलेण्डर के कार्यक्रमानुसार प्रदेश के समस्त संग्रहालयों में समय-समय पर प्रदर्शनी, व्याख्यान, संगोष्ठी, कला अभिरूचि पाठ्यक्रम, सामान्य ज्ञान एवं कला प्रतियोगिता, मूक-बधिर बच्चों की क्ले मॉडलिंग कार्यशाला एवं फिल्म तथा संग्रहालय तकनीकी कार्यशाला आदि का आयोजन किया जाता है।

उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय (राज्य संग्रहालय परिसर) लखनऊ

प्रदेश के समस्त संग्रहालयों के विकास एवं संवर्द्धन, स्वतंत्र नियंत्रण एवं प्रभावी पर्यवेक्षण, नये संग्रहालयों की स्थापना, उनके भवनों का निर्माण, आधुनिकीकरण एवं सुदृढ़ीकरण, कलाकृतियों एवं पुरावशेषों के क्रय, उनके प्रदर्शन तथा कला अभिरुचि के विकास, व्याख्यान, प्रशिक्षण आदि योजनाओं के उन्नयन हेतु 31 अगस्त, 2002 को उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय की स्थापना की गई, जो राज्य संग्रहालय, बनारसीबाग, लखनऊ के परिसर में स्थापित है। निदेशक, उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय, विभागाध्यक्ष के कार्यों व दायित्वों के साथ-साथ राज्य संग्रहालय, लखनऊ के निदेशक के कार्यों एवं दायित्वों का निर्वहन भी करते हैं।

निदेशालय में निम्नलिखित पद सृजित हैः-

क्र. सं.	पदनाम	सादृश्य वेतन बैण्ड/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6
1	निदेशक	15600-39100	7600	लेवल-12	1
2	वित्त एवं लेखाधिकारी	15600-39100	5400	लेवल-10	1
3	प्रशासनिक अधिकारी	9300-34800	4600	लेवल-7	1
4	वैयक्तिक सहायक ग्रेड-।	9300-34800	4600	लेवल-7	1
5	प्रधान सहायक	9300-34800	4200	लेवल-6	1
6	लेखाकार	9300-34800	4200	लेवल-6	2
7	सम्परीक्षक	5200-20200	2800	लेवल-5	2
8	वरिष्ठ सहायक	5200-20200	2800	लेवल-5	2
9	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	लेवल-3	3
10	अर्दली	5200-20200	1800	लेवल-1	2
योगः					16

राज्य संग्रहालय, लखनऊ

राज्य संग्रहालय, लखनऊ उ0 प्र0 का प्राचीनतम तथा विशालतम् बहुउद्देशीय संग्रहालय है। इसकी स्थापना सन् 1863 ई0 में लखनऊ डिवीजन के तत्कालीन कमिश्नर कर्नल एबट द्वारा सींखचे वाली कोठी में की गयी थी। सन् 1883 में यह प्रान्तीय संग्रहालय के रूप में लाल बारादरी में व्यवस्थित हुई। सन् 1950 में इसका नाम प्रान्तीय संग्रहालय के स्थान पर राज्य संग्रहालय रखा गया तथा वर्ष 1963 में नवीन भवन बन जाने के बाद बनारसी बाग स्थित प्राणि उद्यान परिसर में आ गया। इस संग्रहालय के संकलन में लगभग दो लाख से अधिक पुरावशेष हैं, जिसमें पुरातत्व अनुभाग, चित्रकला अनुभाग, प्राणिशास्त्र अनुभाग, मुद्रा अनुभाग, सज्जा कला अनुभाग और धातु मूर्ति अनुभाग आदि प्रमुख हैं। इसके साथ ही राज्य संग्रहालय, लखनऊ में एक वृहद पुस्तकालय भी है, जहां भारतीय संस्कृति, कला, पुरातत्व, इतिहास तथा प्राच्य विद्या सम्बन्धित दुर्लभ पुस्तकें हैं, जो विशेष रूप से शोधार्थियों के लिये उपयोगी हैं।

इस विशाल संग्रह के महत्वपूर्ण कलाकृतियों को संग्रहालय के निम्नलिखित वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया है:-

1. पुरातत्व वीथिका-1 (प्रागैतिहासिक काल से कुषाण काल तक)
2. पुरातत्व वीथिका-2 (गुप्त काल से मध्यकाल तक)
3. जैनकला वीथिका
4. ममी वीथिका
5. अस्त्र शस्त्र एवं सज्जा कला वीथिका
6. प्राकृतिक इतिहास वीथिका
7. चित्रकला एवं थंका वीथिका
8. विदेशीमूर्ति कला वीथिका
9. बुद्ध वीथिका
10. मुद्रा वीथिका
11. नवाबी कला वीथिका

<u>संग्रहालय भ्रमण</u> -

संग्रहालय में दिनांक 01 अप्रैल, 2019 से 30 नवम्बर-2019 तक शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले छात्र/छात्राओं एवं अध्यापकों का विवरण :-

1.	स्कूल कालेजों की संख्या -	309
2.	छात्र/छात्राओं की संख्या -	18,995
3.	अध्यापक/अध्यापिकाओं की संख्या -	893

संग्रहालय में 01 अप्रैल, 2019 से 30 नवम्बर -2019 तक आने वाले भारतीय एवं विदेशी पर्यटकों का विवरण :-

1-	वयस्क दर्शकों की संख्या-	1,39,300
2-	अल्पवयस्कों दर्शकों की संख्या-	20,692
3-	विदेशी पर्यटको दर्शकों की संख्या-	125

<u>कुल दर्शकों की संख्या</u> **<u>-1,80,005</u>**

<u>शैक्षिक कार्यक्रमों का विवरण -</u>

क्र0सं0	दिनांक	कार्यक्रम
1.	18.04.2019	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर राज्य संग्रहालय की उत्कृष्ट कलाकृतियॉ विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी
2.	17.05.2019	विश्व संग्रहालय दिवस की पूर्व संध्या पर छात्र/छात्राओं की प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता।
3.	16-22 जुलाई, 2019	भूजल सप्ताह के अवसर जल बचाएं, जीवन बचाएं विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता, कठपुतली शो एवं 18 जुलाई से 31 जुलाई, 2019 तक चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
4.	01 अक्टूबर,	गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर गांधी की जीवन यात्रा विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी का

	2019	आयोजन किया गया।
5.	16 अक्टूबर, 2019	मूक बधिर एवं मंद बुद्धि बच्चों हेतु क्ले मॉडलिंग की कार्यशाला का आयोजन किया गया।
6.	22 नवम्बर, 2019	विश्व धरोहर सप्ताह (19 से 25 नवम्बर) के अन्तर्गत भारतीय ऐतिहासिक धरोहर विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन एवं छात्र-छात्राओं का संग्रहालय भ्रमण।
7.	27-28 दिसम्बर, 2019	भारतीय मुद्रायें विषय पर तकनीकी अधिकारियों/ कर्मचारियों की कार्यशाला

<u>प्रस्तावित शैक्षिक कार्यक्रमः-</u>

1. 17 जनवरी, 2020 से 15 दिवसीय कला अभिरूचि पाठ्यक्रम।
2. माह फरवरी, 2020 वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यान।

<u>आरक्षित संकलन में माह अप्रैल से नवम्बर, 2019 तक किये गये मुख्य कार्य-</u>

1- **पुरातत्व अनुभाग**-

1. टेराकोटा वीथिका हेतु चयनित मृण्मूर्तियों को वीथिका में प्रदर्शित करने हेतु कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों को नाप एवं अन्य आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध कराई गयी।
2- पुरातत्व अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन किया गया।
3- आरक्षित संकलन में प्रस्तर प्रतिमाओं एवं मृण मूर्तियों का सत्यापन किया गया।
4. शोधकर्ताओं की मांग (अनुरोध) पर आधारित कलाकृतियों के छायाचित्र तैयार करवायें गये।

2- प्राणिशास्त्र अनुभाग-

प्राणिशास्त्र अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन।

1. आरक्षित संकलन में समुद्री कछुआ, गिलहरी, सीगों, मगर इत्यादि ऑब्जेक्टों का रासायनिक उपचार एवं स्पेसिमेंस तेंदुआ,बाघ व् उसके बच्चे,डियर इत्यादि जानवरों का प्राथमिक संरक्षण कार्य किया गया।
2. प्राणिशास्त्र आरक्षित संकलन में एंथ्रोपोलॉजी के ऑब्जेक्ट एवं पक्षियों के अण्डों के सत्यापन का कार्य किया गया।

3.छायाचित्र अनुभाग-

1. अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन।
2. विभिन्न अनुभागों में संग्रहित कलाकृतियों की कम्प्यूटर के माध्यम से फोटो तैयार की गयी।
3. समस्त शैक्षिक कार्यक्रमों डिजिटल छायांकन किया गया।

4-रसायन अनुभाग-

1. 32 अदद कॉपर व् अन्य धातु के सिक्कों, 25 अदद मृण्मूर्तियों ,01 अदद तलवार, 01 अदद आर्म्स कलाकृति, 03 अदद आर्म्स कलाकृति (तीर), एंथ्रोपोलॉजी से सम्बंधित मानव कलाकृतियों तथा उनकी पगड़ी सहित 40 अदद कलाकृतियों का रसायनिक संरक्षण किया गया।
2. रसायन अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन।
3. वायुयान एवं विदेशीकला वीथिका का संरक्षण कार्य किया गया।

5-चित्रकला अनुभाग-

1. अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन किया गया।
2. विभिन्न विश्वविद्यालयों से आये शोधकर्ताओं को उनके विषयानुसार छायाचित्रों का अवलोकन एवं छायाचित्र तैयार करवाये गये।

6- मुद्रा अनुभाग- अनुभाग से

1. सचिव/निदेशक ,उत्तर प्रदेश मुद्रा समिति,राज्य संग्रहालय लखनऊ द्वारा निखात निधियों को अधिग्रहित करने हेतु सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन किया गया।
2. दिनांक 15/10/2019 को जनपद अयोध्या से प्राप्त निखात निधि के अंतर्गत 35 अदद सिक्के (सिल्वर), 01 अदद स्वर्ण, 23 अदद घिसे हुए, 01 अदद ताम्र पत्र, 10 अदद डाउटफुल सिक्के, 01 अदद फॉरेन सिक्का,10 अदद मेडल, 54 अदद ताम्र सिक्के, 322(1/2) अदद ताम्र सिक्के मुद्रा अनुभाग को प्राप्त हुए।
3. दिनांक 16/10/2019 को चौरी चौरा (गोरखपुर) से प्राप्त निखात निधि के अंतर्गत सिक्कों के बुरी तरह चिपके हुए 02 अदद लोंदे (01 बड़ा एवं एक छोटा), अस्पष्ट 65 अदद सिक्के मुद्रा अनुभाग को प्राप्त हुए।
4. जनपद उन्नाव से 24 अदद सिक्के, 01 लोटिया तथा 01 अदद कटोरी एवं जनपद बिजनौर से 13 अदद सफेद धातु के सिक्के मुद्रा अनुभाग को प्राप्त हुए ।
5. मुद्रा अनुभाग में लगभग 900 सिक्कों के भौतिक सत्यापन के साथ ही जीर्ण शीर्ण लिफाफों को बदलकर नवीन लिफाफों में रखने से सम्बंधित कार्य किया गया।

7-सज्जा कला/ अस्त्र शास्त्र /धातु अनुभाग-

1. सज्जा कला ,चित्रकला वीथिका में प्रदर्शित प्रत्येक कलाकृति को एक्सेशन नंबर से सत्यापित करके चार्ज हस्तांतरण का कार्य किया गया।
2. अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन किया गया।

8- प्रकाशन अनुभागः-

1. अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन किया गया।
2. संग्रहालय में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के निमन्त्रण पत्र व फोल्डर छपवाने से सम्बन्धित कार्य किया गया।

9 .पुस्तकालय अनुभाग-

1. अनुभाग से सम्बन्धित पत्रों का सम्पादन किया गया।
2. 100 शोधार्थियों को पुस्तकालय में पढ़ाने की सुविधा प्रदान की गयी।
3. लगभग 2000 पुस्तकों का सत्यापन कार्य किया गया।

<u>राजस्व प्राप्तियॉ</u>

चालू वित्तीय वर्ष-2019-20 में दिनांक 01 अप्रैल, 2019 से 30 नवम्बर -2019 तक प्राप्त आय का विवरण निम्नवत् हैः-

1- वयस्क से प्राप्त आय - 6,96,500.00
2- अल्पवयस्कों से प्राप्त आय - 41,384.00
3- विदेशी पर्यटको से प्राप्त आय- 6250.00
4- कैमरे से प्राप्त आय - 4040.00
5- पुस्तकों के विक्रय से प्राप्त आय 3079.00

<u>कुल आय - रु0 7,51,253.00</u>

(रूपया सात लाख इक्यावन हजार दो सौ तिरपन मात्र)

<u>स्वीकृत पदों का विवरण</u>

संग्रहालय के संचालन हेतु संस्कृति विभाग, उ0 प्र0 शासन द्वारा निम्नलिखित पद स्वीकृत किए गए हैंः-

क्र. सं.	पदनाम	सादृश्य वेतन बैण्ड /वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6
1	मुद्राशास्त्र अधिकारी	15600-39100	5400	लेवल-10	01
2	सहायक निदेशक	9300-34800	4800	लेवल-8	06
3	पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-।	9300-34800	4600	लेवल-7	01
4	रसायनविद् ग्रेड-।	9300-34800	4600	लेवल-7	01
5	फोटो अधिकारी	9300-34800	4600	लेवल-7	01
6	प्रशासनिक अधिकारी	9300-34800	4600	लेवल-7	01
7	प्रकाशन सहायक	9300-34800	4200	लेवल-6	01
8	मॉडलर	9300-34800	4200	लेवल-6	02
9.	प्रर्दशक व्याख्याता	9300-34800	4200	लेवल-6	02
10.	वैयक्तिक सहायक ग्रेड-2	9300-34800	4200	लेवल-6	01
11.	लेखाकार	9300-34800	4200	लेवल-6	01
12.	फोटोग्राफर	9300-34800	4200	लेवल-6	01
13.	रसायन सहायक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
14.	ज्येष्ठ चर्मपूरक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
15.	वरिष्ठ सहायक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
16	सहायक लेखाकार	5200-20200	2800	लेवल-5	01
17.	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	03
18.	अभिरक्षक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
19.	मुद्राशास्त्र सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
20	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	लेवल-3	06
21.	स्वागतकर्ता	5200-20200	2000	लेवल-3	01
22.	संग्रहालय सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
23.	प्रयोगशाला सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
24.	वाहन चालक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
25.	बुकबांइडर	5200-20200	1900	लेवल-2	01
26.	दफ्तरी	5200-20200	1900	लेवल-2	01
27.	जमादार	5200-20200	1900	लेवल-2	02
28.	कैबिनट कम पैडेस्टल मेकर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
29.	वर्कशॉप मिस्त्री	5200-20200	1800	लेवल-1	01
30.	लिफ्टमैन कम इलेक्ट्रीशियन	5200-20200	1800	लेवल-1	01
31.	बढ़ई	5200-20200	1800	लेवल-1	01
32.	चिन्हकर्ता	5200-20200	1800	लेवल-1	01
33.	चपरासी	5200-20200	1800	लेवल-1	02
34.	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	24
35.	चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	07
36.	माली	5200-20200	1800	लेवल-1	04
37.	साइकिल स्टैंड परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
38.	सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	लेवल-1	05
योग					90

राजकीय संग्रहालय, मथुरा

(1) भूमिका :-

उत्तर प्रदेश के पश्चिम में 27^0 $28^{'}$ उत्तरी अक्षांश उत्तर तथा 71^0 रेखांश पूर्व में देशान्तर में मथुरा नगर पश्चिम से पूर्व की ओर बहती यमुना नदी के पश्चिमी किनारे पर भारत की राजधानी दिल्ली से 145 कि.मी. दक्षिण पूर्व तथा आगरा से 58 कि0मी0 उत्तर-पश्चिम में स्थित है।

मथुरा यमुना नदी के दाहिने तट पर प्राचीन धार्मिक केन्द्र के रूप में 12 वन 24 उपवन तथा 5 पर्वतमालाओं का क्षेत्र रहा है।

आदि काल से ही मथुरा श्री कृष्ण की लीलास्थली के रूप में वैष्णवों की उपासना स्थली रहा है। यहाँ पर बौद्ध, शैव व जैनियों ने भी अपने पूजा-स्थलों का निर्माण किया। मथुरा की गणना सप्त महापुरियों में की जाती है। यहाँ क्रमशः नन्द, मौर्य, शुंग, क्षत्रप और कुषाण वंशों का शासन रहा। विभिन्न धर्मों से सम्बन्धित सहस्त्रों मूर्तियाँ मथुरा में बनी। यह कला लगभग 12 वीं शती ई0 तक जारी रही। कालान्तर में उपासना स्थल टीलों में परिवर्तित हो गये। आज मथुरा इन्हीं टीलों पर बसा है, जिनसे अनेक लाल चित्तीदार बलुए पत्थर की तराशी मूर्तियों की धरोहर प्राप्त हुई। ये मूर्तियां मथुरा से बाहर तक्षशिला, सारनाथ, श्रावस्ती, भरतपुर, बोधगया, साँची, कुशीनगर तथा कौशाम्बी तक बिखरी हैं। इस शैली के प्रभाव के प्रमाण दक्षिण पूर्व एशिया तथा चीन तक प्राप्त हुए हैं। ऐसी ही अनेक प्रतिमाएँ राजकीय संग्रहालय, मथुरा में संग्रहीत हैं।

(2) संरचना :-

संग्रहालय ज्ञान का वातायन, भविष्य का शिक्षक, अतीत का संरक्षक एवं राष्ट्रीय एक्य का उन्नायक है। संग्रहालय सांस्कृतिक सम्पदा, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक धरोहरों को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने का वह केन्द्र है, जहाँ प्राचीन कलाकृतियों को संग्रहीत कर राष्ट्र के अतीत की गौरवशाली संस्कृति का दर्शन, शोधार्थियों, बुद्धिजीवियों तथा सामान्य जनमानस को कराया जाता है। संग्रहालय का कार्य कलाकृतियों एवं पुरावशेषों का संग्रह करना, संरक्षित करना, शोध करना तथा उन्हें प्रदर्शित करना है। संग्रहालय वर्तमान में अनौपचारिक शिक्षा का केन्द्र भी है, जो समय-समय पर प्रदर्शनियाँ, व्याख्यान तथा संगोष्ठी आयोजित कर सामान्य जनमानस में कला के प्रति अभिरूचि जागृत कर शिक्षा प्रदान करने का कार्य भी करते हैं। भारतीय कला के क्षेत्र में मथुरा का ऐतिहासिक स्थान रहा है। राजकीय संग्रहालय, मथुरा की स्थापना भारतीय कला के मनीषी विद्वान पुरातत्ववेत्ता तत्कालीन जिलाधिकारी श्री एफ. एस. ग्राउज द्वारा वर्ष 1874 ई0 में कचहरी के समीप एक कलात्मक भवन में की गयी थी, जो वर्तमान में राजकीय जैन संग्रहालय, मथुरा के रूप में दर्शकों के लिए खुला है। राजकीय संग्रहालय प्रारम्भ में ''कर्जन म्यूजियम ऑफ आर्कियोलॉजी'' के नाम से विख्यात रहा। वर्ष 1933 ई0 में संग्रहालय वर्तमान भवन में स्थानान्तरित हुआ। वर्ष 1945 से इसे ''पुरातत्व संग्रहालय'' तथा वर्ष 1974 से ''राजकीय संग्रहालय, मथुरा'' के रूप में जाना जाता है। संग्रहालय के प्रथम भारतीय मानद संग्रहालयाध्यक्ष पं0 राधाकृष्ण हुए, जिनके प्रयास से ही अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के कुषाण शासकों- विम, कनिष्क एवं क्षत्रप शासक चष्टन आदि की उत्कृष्ट/ऐतिहासिक मूर्तियाँ संग्रहालय को मिली।

डॉ0 दिशकेलकर, डा0 वी0 एस0 अग्रवाल, प्रो0 कृष्णदत्त वाजपेयी एवं डॉ0 नीलकण्ठ पुरूषोत्तम जोशी, डॉ0 आर0सी0 शर्मा जैसे विद्वानों ने संग्रहालय की मूर्तियों का अध्ययन एवं प्रकाशन कर अन्तर्राष्ट्रीय कला जगत में मथुरा के इस कला संग्रह को प्रतिष्ठा दिलाई।

मूर्ति शिल्प में मथुरा कला शैली का स्थानीय केन्द्र होने तथा प्रारम्भ से ही संग्रहालय का स्वरूप मूलरूप से पुरातात्विक होने के कारण स्पष्टतः संग्रहालय के संकलन में अधिसंख्य कुषाण एवं गुप्तकालीन मथुरा शैली की प्रस्तर कलाकृतियाँ हैं, परन्तु अन्य वर्गों जैसे मृण्मूर्ति, सिक्के, लघुचित्र, धातुमूर्ति, काष्ठ एवं स्थानीय कला के अनेक दुर्लभ कलारत्न संग्रहीत हैं, जो संस्था के लिए गौरव स्वरूप हैं। मृण्मूर्तियों में शुंगकालीन मातृदेवी, कामदेव फलक, गुप्तकालीन नारी व विदूषक, कार्तिकेय, साँचे, सिक्कों में आहत मुद्रायें तथा नाग कुषाण गुप्त तथा मध्यकालीन मुद्रायें संग्रहीत हैं। प्रस्तर प्रतिमाओं में मौर्यकालीन यक्ष, कुषाण कालीन कटरा बुद्ध, कनिष्क, गुप्तकालीन बुद्ध (ए-5) आदि दर्शनीय हैं। गोविन्द नगर से प्राप्त प्रतिमायें तथा सोंख से प्राप्त सिक्के एवं कुषाण कालीन धातु मूर्तियों में कार्तिकेय, देव युगल प्रतिमा व नाग मूर्तियाँ, स्थानीय कला में मन्दिरों की पिछवईयाँ, आदि संग्रहालय की अत्यन्त मूल्यवान धरोहर हैं :-

संग्रहालय में निम्नानुसार जनसामान्य के अवलोकनार्थ वीथिकाएं प्रदर्शित हैं :-

(1) टेराकोटा एवं पाषाण मूर्तिकला वीथिका
(2) मौर्य एवं शुंग युगीन वीथिका
(3) कुषाण युगीन वीथिका
(4) नाग वीथिका
(5) गुप्त युगीन वीथिका
(6) कृष्ण बलराम वीथिका

(7) मध्यकालीन वीथिका
(8) सूर्य वीथिका
(9) गंधार वीथिका

माह जनवरी, 2019 से अक्टूबर, 2019 तक सम्पन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों का विवरण

क्र0 सं0	दिनांक	कार्यक्रम का विवरण
1	31 जनवरी, 2019	क्ले माडलिंग वर्कशाल प्रतियोगिता।
2	23 फरवरी, 2019	काव्य पाठ्य प्रतियोगिता तथा मथुरा वास्तुकला की विशिष्टताएं विषयक व्याख्यान।
3	03 मई, 2019	लोक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
4	19 मई, 2019	ब्रज की लोककला विषयक छायाचित्र प्रदर्शनी।
5	18 जुलाई, 2019	बच्चो की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
6	20 जुलाई, 2019	ब्रज का सांस्कृतिक लोक जीवन विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया।
7	01 अक्टूबर, 2019	बाल फिल्म प्रदर्शन एवं बच्चों के निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कलाकृतियों का अधिग्रहण– चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 में कोई मूर्ति अधिग्रहीत नहीं की गयी है।

वीथिकाओं का रख-रखाव एवं नवीनीकरणः- संग्रहालय में जनसामान्य के अवलोकनार्थ कुल 09 वीथिकाओं प्रदर्शित है। इसका वर्णन पहले किया जा चुका है।

पुस्तकालयः- संग्रहालय में एक विशाल संदर्भ पुस्तकालय है। संग्रहालय पुस्तकालय में आने वाले शोधार्थियों/विद्यार्थी तथा जिज्ञासु जनों की आवश्यकता अनुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा अध्ययन कार्य हेतु आगन्तुकों को पूर्ण सहायोग प्रदान किया जाता है।

अनुभागीय गतिविधियॉं (छायाचित्र, रसायन, मॉडलिंग):- छायाचित्रशाला में कनिष्ठ फोटोग्राफर की नियुक्ति है। इनके द्वारा संग्रहालय में समय-समय पर आयोजित कार्यक्रमों, व्याख्यान, प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता आदि की फोटोग्राफी की जाती है। मॉडलिंग अनुभाग न होने के कारण काफी समय से बन्द है। रसायनविद् द्वारा रसायनशाला की देख-रेख की जा रही है। तथा उसके अतिरिक्त उन्हें स्टोर चार्ज के कार्य भी दिये गये है। जिन्हे भली-भॉंति उनके द्वारा सम्पन्न किया जा रहा है।

दिनांक 01 जनवरी, 2019 से 30 नवम्बर, 2019 तक वर्ष में संग्रहालय को प्रवेश शुल्क, कैमरा शुल्क प्रकाशन बिक्रय आदि से रू0 1,41,030.00 (रू0 एक लाख इकतालीस हजार तीस रूपये मात्र) की आय प्राप्त हुई।

पदों का विवरण

इस संग्रहालय में वर्तमान में निम्नलिखित पद स्वीकृत हैं:-

क्र.सं.	पदनाम	सादृश्य वेतन बैण्ड/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6
1	उपनिदेशक	15600-39100	6600	लेवल-11	01
2	सहायक निदेशक	9300-34800	4800	लेवल-8	01
3.	मॉडलर	9300-34800	4200	लेवल-6	01
4.	प्रदर्शक व्याख्याता	9300-34800	4200	लेवल-6	02
5	प्रधान सहायक	9300-34800	4200	लेवल-6	01
6.	पुस्तकालयाध्यक्ष ग्रेड-।।	5200-20200	2800	लेवल-5	01
7.	रसायनविद् -।।	5200-20200	2800	लेवल-5	01
8.	आशुलिपिक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
9	कनिष्ठ फोटोग्राफर	5200-20200	2400	लेवल-4	01
10.	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
11.	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	लेवल-3	04
12.	बिक्री सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
13.	संग्रहालय सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
14.	वाहन चालक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
15	कर्मशाला/रसायनशाला सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
16	जमादार	5200-20200	1900	लेवल-2	01
17	दफ्तरी	5200-20200	1900	लेवल-2	01
18.	वर्कशॉप मिस्त्री	5200-20200	1800	लेवल-1	01
19.	बुकबांइडर/ बुक लिफ्टर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
20.	मार्क्समैन	5200-20200	1800	लेवल-1	01
21.	विद्युत मिस्त्री	5200-20200	1800	लेवल-1	01
22.	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	04
23.	चपरासी	5200-20200	1800	लेवल-1	07
24.	माडलिंग परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
25.	फर्राश	5200-20200	1800	लेवल-1	01
26.	साइट कुली	5200-20200	1800	लेवल-1	01
27.	भिश्ती	5200-20200	1800	लेवल-1	01
28.	चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	04
29.	माली	5200-20200	1800	लेवल-1	03
30.	सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	लेवल-1	02
31.	गार्डनर/डे चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	01
कुल योग					**50**

राजकीय संग्रहालय, झाँसी

विन्ध्याचल की गोद में बसे बुन्देलखण्ड का अतीत गौरवशाली रहा है। बुन्देलखण्ड पुरातात्विक दृष्टि से अत्यन्त सम्पन्न है। इस क्षेत्र से प्राप्त होने वाले पाषाण एवं ताम्र उपकरण इस बात का परिचायक है कि हजारों वर्ष पूर्व आदिमानव यहॉ विचरण करता था। देश के अतीत का दर्शन संग्रहालय के प्रदर्शो से होता है। ये प्रदर्श हमारे अतीत की समुन्नत विरासत का प्रतिनिधित्व करते है। बुन्देलखण्ड की यत्र-तत्र बिखरी कला सम्पदा के संग्रह, संरक्षण, अभिलेखीकरण के साथ ही इस क्षेत्र के गरिमामयी इतिहास एवं संस्कृति की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यहॉ पर उ0प्र0 सरकार द्वारा सन् 1978 में राजकीय संग्रहालय की स्थापना की गयी। वर्तमान भवन

का शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा 1982 में तथा उद्घाटन उत्तर प्रदेश के राज्यपाल महामहिम श्री मोती लाल बोरा द्वारा 29 जनवरी, 1996 को किया गया ।

संकलन

राजकीय संग्रहालय, झाँसी में लगभग 22000 कलाकृतियाँ संग्रहीत है, जिनमें प्रस्तर प्रतिमायें, मृण्मूर्तियाँ, धातु मूर्तियाँ, शिलालेख, ताम्रपत्र, सिक्के, मुहरें तथा विभिन्न शैली के लघुचित्र, आभूषण तथा काष्ठ कला से सम्बन्धित वस्तुएं संग्रहीत है।

संग्रहालय की विभिन्न वीथिकाओं में लघु चित्र जिनमें राजस्थानी, पहाड़ी कोटा आदि शैली के चित्र प्रदर्शित किये गये। वैष्णव प्रतिमायें, गणेश की चौदहभुजी नृत्य प्रतिमा अत्यन्त महत्वपूर्ण और सौन्दर्य की दृष्टि से प्रभावशाली है, प्रदर्शित की गयी है।

प्रवेश शुल्क रू0 5/- वयस्क भारतीय
रू0 20/- विदेशी पर्यटक
रू0 20/- कैमरा शुल्क

पुस्तकालय- आलोच्य अवधि में 30 शोधार्थियों द्वारा अपने विषय का अध्ययन किया गया।

भ्रमण- आलोच्य अवधि में 65725 दर्शकों, 75 विदेशी पर्यटकों 7003 स्कूली बच्चों व अन्य ने संग्रहालय का भ्रमण किया।

राजस्व प्राप्तियॉं- संग्रहालय को कैमरा शुल्क प्रकाशन, मींटिंग हॉलशुल्क एवं संग्रहालय प्रवेश शुल्क की बिक्री आदि से माह 01 जनवरी, 2019 से 30 नवम्बर, 2019 तक रू0 8,25,895.00 (**रूपया आठ लाख पचीस हजार आठ सौ पन्चानबे मात्र**) की आय प्राप्त हुई।

राजकीय संग्रहालय झाँसी में 01 जनवरी से 30 नवम्बर, 2019 तक कराये गये शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का विवरण।

क्रम सं0	दिनांक	कार्यक्रम
1	09.01.2019	पद्मभूषण डॉ0 वृन्दावन लाल वर्मा स्मृति दिवस का आयोजन।
2	04.04.2019	हिन्दी नाटक ''लहरों के राजहंस लेखक'' का आयोजन।
3	02-12.05.2019	ग्रीष्म शिविर का आयोजन।
4	21.06.2019	योग शिविर का आयोजन।
5	16-22.07.2019	चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।
6	अगस्त, 2019	स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन।
7	12-13.09.2019	एकल प्रदर्शनी का आयोजन।
8		लघु नाटक का आयोजन।
9	02.10.2019	सूत कातने का प्रशिक्षण।
10	19.11.2019	रानी लक्ष्मी बाई के जन्म दिवस के अवसर पर रंगोली प्रतियोगिता।
11	19-25.11.2019	वाद-विवाद प्रतियोगिता तथा हमारी धरोहर विषय पर छायाचित्र प्रदर्शनी।
12	07-09.12.2019	एक सामूहिक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।

संग्रहालय में वर्तमान में निम्नलिखित पद स्वीकृत हैं :-

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1	2	3	4	**5**	6
1.	उप निदेशक	15600-39100	6600	लेवल-11	01
2.	सहायक निदेशक	9300-34800	4800	लेवल-8	01
3.	मॉडलर	9300-34800	4600	लेवल-7	01
4.	फोटोग्राफर	9300-34800	4200	लेवल-6	01

5.	आशुलिपिक	5200-20200	2800	लेवल-5	01
6.	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
7.	सहायक लेखाकार	5200-20200	2800	लेवल-5	01
8.	संग्रहालय सहायक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
9.	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	लेवल-3	01
10.	ड्राईवर	5200-20200	1900	लेवल-2	01
11.	कैबिनेट कम पेडस्टल मेकर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
12.	बिजली मिस्त्री	5200-20200	1800	लेवल-1	01
13.	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	06
14.	चपरासी	5200-20200	1800	लेवल-1	01
15.	चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	02
16.	चौकीदार कम माली	5200-20200	1800	लेवल-1	01
17.	माली	5200-20200	1800	लेवल-1	01
18.	स्वीपर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
			योग		24 पद

अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, नयाघाट, अयोध्या

अयोध्या के महत्व तथा रामकथा की व्यापकता को दृष्टिगत रखते हुए मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम की जन्म स्थली तथा भारतीय जनमानस की वन्दनीया नगरी अयोध्या में संस्कृति विभाग, उ0 प्र0 सरकार द्वारा रामकथा संग्रहालय की स्थापना माह जनवरी, 1988 में की गयी तब से निरन्तर अपने उद्देश्यों के प्रति रामकथा संग्रहालय अग्रसर है।

संग्रहालय का उद्देश्य जहॉ एक ओर रामकथा विषयक सचित्र, पाण्डुलिपियों, मूर्तियों, रामलीला व अन्य प्रदर्श कलाओं से सम्बन्धित सामग्री, अयोध्या परिक्षेत्र के पुरावशेषों, दुलर्भ सांस्कृतिक सम्पदा व प्रदर्श कलाओं, अनुकृतियों, छायाचित्रों का संकलन व परिरक्षण करना है वही दूसरी ओर संकलित सामग्री का वीथिकाओं में प्रदर्शन, छायाचित्रण व अभिलेखीकरण तथा शैक्षिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत व्याख्यानों, गोष्ठियों, प्रतियोगिताओं व कार्यशालाओं तथा अस्थायी प्रदर्शनियों का आयोजन करना भी है।

संग्रहालय में अभी तक 1020 कलाकृतियों का संकलन हो चुका है तथा संग्रहालय देखने के लिए दर्शकों के लिए निःशुल्क व्यवस्था है। प्रतिमाह दर्शकों की औसतन संख्या- 2000 से अधिक हो जाती है। स्थानीय मेलों, विभिन्न त्योहारों, रामनवमी, चौदह कोसी परिक्रमा, दीपोत्सव तथा रामायण मेला आदि के अवसरों पर दर्शकों की संख्या में अत्यधिक वृद्धि हो जाती है। संग्रहालय की तरफ दर्शकों का आकर्षण बढ़ा है। वर्तमान में गुमनामी बाबा उर्फ भगवान जी की दो वीथिकाओं का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लोकार्पण की कार्यवाही चल रही है।

शोधार्थियों की सुविधा के लिए संग्रहालय में एक पुस्तकालय भी है अभी तक 857 पुस्तकों को पंजीकृत किया जा चुका है अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, नया घाट अयोध्या में दिनांक 01 जनवरी, 2015 से नवनिर्मित भवन में संचालित है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में सम्पादित किये गये कार्यो एवं होने वाले कार्यक्रमों का विस्तृत विवरणः-

क्रम स0	माह	कार्यक्रम विवरण
1	अप्रैल, 2019	व्याख्यान का आयोजन।
2	18 मई, 2019	विश्व संग्रहालय दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।
3	21 से 27 जून, 2019	ग्रीष्मावकाश में 5 दिवसीय प्रशिक्षण चित्रकला कार्यशाला।
4	21 जुलाई, 2019	दिव्यांगों के लिए कला अभिरूचि कार्यक्रम का आयोजन।
5	25 अगस्त, 2019	जूनियर वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन
6	15 सितम्बर, 2019	सीनियर वर्ग की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
7	02 अक्टूबर, 2019	गांधी जयन्ती पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।
8	27 नवम्बर, 2019	व्याख्यान का आयोजन कराया गया।

9	28 दिसम्बर, 2019	लेखन प्रतियोगिता का आयोजन कराया जायेगा।
10	जनवरी 2020	संग्रहालय स्थापना दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया जायेगा।
11	फरवरी, 2020	चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा।
12	20 मार्च, 2020	बच्चों द्वारा निर्मित रामकथा पर चित्रित प्रदर्शनी लगाने का कार्य।

संग्रहालय मे संचालन हेतु निम्नलिखित पद सृजित है :-

क्रमांक	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	**पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल**	पदों की संख्या
1	2	3	4	**5**	6
01	उपनिदेशक	15600-39100	6600	लेवल-11	01
02	लेखाकार	9300-34800	4200	लेवल-6	01
03	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
04	वाहन चालक	5200-20200	1900	लेवल-2	01
05	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
06	चपरासी/अर्दली	5200-20200	1800	लेवल-1	01
07	चौकीदार/माली	5200-20200	1800	लेवल-1	02
कुल योग					**08**

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर

पूर्वी उत्तर प्रदेश का क्षेत्र ऐतिहासिक व पुरातात्विक दृष्टि से न केवल भारत, बल्कि विश्व में विख्यात है। शाक्यों का कपिलवस्तु, कोलियों का रामग्राम, मोरियों का पिप्पलीवन एवं मल्लों की राजधानी कुशीनगर तथा पावा भी इसी क्षेत्र में स्थित है, जिनकी शासन पद्धति जनतंत्रात्मक थी। ऐसे में हम कह सकते हैं कि जनतंत्र की प्रथम प्रयोगशाला होने का गौरव भी इस क्षेत्र को प्राप्त है। इतना ही नहीं, यहॉ के गणराज्य निःसंदेह यूनानी गणराज्यों से भी प्राचीन थे। पूर्वी उत्तर प्रदेश बौद्ध धर्म के उद्भव और विकास का हृदय स्थल रहा है। भगवान बुद्ध के जीवन की घटनाओं से सम्बन्धित स्थान लुम्बिनी, देवदह, कोलियों का रामग्राम, कोपिया एवं तथागत की महापरिनिर्वाण स्थली कुशीनगर इसके महत्वपूर्ण साक्ष्य हैं। जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर की परिनिर्वाण स्थली पावा भी इसी क्षेत्र में विद्यमान है। आमी नदी के तट पर स्थित संत शिरोमणि कबीर की निर्वाणस्थली मगहर और नाथ पंथ के गुरू गोरक्षनाथ की तपोभूमि होने का गौरव भी इस क्षेत्र को प्राप्त है।

2- संग्रहालय का उद्देश्य एवं गतिविधियां -

पूर्वी क्षेत्र में यत्र-तत्र बिखरी कला सम्पदा के संग्रह, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन एवं शोध के साथ ही इस क्षेत्र के गरिमामय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा सन् 1987 में राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर की स्थापना की गई। वर्तमान में रामगढ़ताल परियोजनान्तर्गत निर्मित संग्रहालय भवन गोरखपुर रेलवे एवं बस स्टेशन से लगभग 6 किमी0 दक्षिण एवं सर्किट हाउस से लगभग 1 किमी0 दक्षिण-पूर्व में स्थित है।

भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति और पुरातत्व की जानकारी जन-सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संग्रहालय द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत विविध प्रतियोगिताओं एवं प्रदर्शनी के अतिरिक्त प्रतिष्ठित विद्वानों के व्याख्यान भी आयोजित किये जाते हैं। संग्रहालय द्वारा संग्रहीत कलाकृतियां जहॉ एक ओर हमारे समृद्ध कला एवं संस्कृति का आभास कराती हैं, वहीं दूसरी ओर वर्तमान पीढ़ी को उनके गौरवमयी विरासत से परिचित भी कराती हैं।

संग्रहालय द्वारा समय-समय पर स्थलीय सर्वेक्षण, दान, उपहार, दीर्घकालीन ऋण एवं क्रय द्वारा संग्रह में अभिवृद्धि की जाती रही है। संग्रहालय में प्रागैतिहासिक उपकरणों के साथ-साथ प्रस्तर, मूर्तियों मृण्मूर्तियों व धातु मूर्तियों, आभूषण, सिक्के, लघुचित्र, थंका, हाथीदॉत एवं हस्तलिखित ग्रन्थ, डाक टिकट आदि का संकलन है।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर में संग्रहीत कलाकृतियों में से कतिपय चयनित कलाकृतियों को जनसामान्य के अवलोकनार्थ निम्नलिखित वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया है –

प्रथम वीथिका– राहुल सांकृत्यायन कला वीथिका में भगवान बुद्ध तथा बौद्ध धर्म से सम्बन्धित मथुरा व गांधार शैली में निर्मित कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया है। धर्म और कला की दृष्टि से महत्वपूर्ण पवित्र मांगलिक चिन्हों से युक्त मथुरा शैली की कुषाणकालीन अभिलिखित आयागपट्ट के अतिरिक्त जैन तीर्थंकर ऋषभनाथ, पार्श्वनाथ और महावीर की प्रस्तर प्रतिमाएं भी इस वीथिका में प्रदर्शित की गयी हैं।

द्वितीय वीथिका–पुरातत्व वीथिका में पाषाणकालीन उपकरणों, प्रस्तर मूर्तियों एवं पूर्व मौर्य काल से गुप्त काल तक की मृण्मूर्तियों को कालक्रमानुसार प्रदर्शित किया गया है। वीथिका में प्रदर्शित मौर्यकाल से गुप्तकाल तक की मृण्मूर्तियों में शिशु का आहार करती डाकिनी (हारिति), मोढ़े पर बैठी पशु-सिर युक्त मातृका, शुकसारिका, विविध पशु-आकृतियां, मत्स्य व जलपात्र के अतिरिक्त सिक्कों एवं मृण्मूर्तियों के सांचे विशेष रूप से दर्शनीय हैं। हिन्दू धर्म से सम्बन्धित प्रस्तर मूर्तियों में अष्टभुजी गणेश, त्रिशूलधारी शिव, दशावतार विष्णु, सप्तमातृकापट्ट, नवग्रहपट्ट एवं कसौटी पत्थर पर बनी पाल शैली की उमा-महेश्वर की प्रतिमा दर्शनीय है।

तृतीय वीथिका– कला के विविध आयाम में कुषाण काल से आधुनिक काल तक की विविध माध्यमों (प्रस्तर, मृण्, धातु, हाथी दाँत, सीसा आदि) में बनी कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं।

चतुर्थ वीथिका– चित्रकला वीथिका में तिब्बत एवं नेपाल में प्रचलित थंका तथा राजस्थानी एवं पहाड़ी शैली के विविध विषयों पर आधारित लघुचित्रकला के नमूने प्रदर्शित किये गये हैं।

पाँचवीं वीथिका-जैन वीथिका में जैन धर्म से सम्बन्धित कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। वीथिका में चौबीस तीर्थंकरों के जन्म स्थान, माता-पिता तथा उनके लांछन सहित प्रदर्शित कलाकृतियों का संक्षिप्त इतिहास जनसामान्य के आकर्षण का केन्द्र है।

इसके अतिरिक्त समय-समय पर विविध विषयों पर आधारित अस्थाई प्रदर्शनी एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

4– पुस्तकालय –

संग्रहालय में एक संदर्भ पुस्तकालय भी है, जिसमें कला, इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, मुद्राशास्त्र एवं प्रतिमाशास्त्र से सम्बन्धित पुस्तकों का संकलन है। भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति एवं पुरातत्व के विभिन्न विषयों पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले शोध छात्रों/विद्वतजन को संग्रहालय द्वारा आवश्यक जानकारी तथा संदर्भ पुस्तकालय की सुविधा प्रदान की जाती है।

शैक्षिक गतिविधियॉ (माह अप्रैल से 30 नवम्बर, 2019 तक)–

क्रम सं0	दिनांक	कार्यक्रम
1	14 अप्रैल 2019	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
2	18 अप्रैल, 2019	प्राचीन स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
3	17 मई, 2019	छायाचित्र प्रदर्शनी।
4	30 जून, 2019	शैक्षिक फिल्म शो का आयोजन किया गया।
5	16-22 जुलाई, 2019	भूजल संरक्षण विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।
6	31 जुलाई, 2019	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
7	17-18 अगस्त, 2019	फोटो प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी का आयोजन।
8	22 अगस्त, 2019	छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
9	20 सितम्बर, 2019	चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।
10	02 अक्टूबर, 2019	शैक्षिक डाक्यूमेन्ट्री फिल्म शो का आयोजन किया गया।
11	31 अक्टूबर, 2019	शैक्षिक डाक्यूमेन्ट्री फिल्म शो का आयोजन किया गया।

12	22 नवम्बर, 2019	क्ले माडलिंग वर्कशाप एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
13	25 नवम्बर, 2019	छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

6- <u>प्रवेश टिकट</u> -

संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर हेतु प्रवेश टिकट की व्यवस्था निम्नवत निर्धारित की गई है -

1- 5 वर्ष तक के बच्चों के लिए -	निःशुल्क।
2- 5 वर्ष से ऊपर आयु के भारतीय दर्शकों हेतु प्रवेश शुल्क	रू0 3.00 मात्र प्रति दर्शक।
3- विदेशी पर्यटकों हेतु प्रवेश शुल्क -	रू0- 10.00 मात्र प्रति दर्शक।
4- फोटो कैमरा शुल्क -	रू0- 20.00 मात्र प्रति कैमरा।
5- शैक्षिक भ्रमण एवं शोधार्थियों हेतु -	निः शुल्क।
6- सभागार/प्रदर्शनी हाल का किराया -	रू0 2000.00प्रति दिन,प्रति हाल

<u>संग्रहालय भ्रमण</u> -

संग्रहालय में दिनांक 01 अप्रैल, 2019 से 30 नवम्बर, 2019 तक <u>शै</u>क्षिक भ्रमण सहित आने वाले भारतीय एवं विदेशी पर्यटकों का विवरण निम्नवत है।

(1) शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले विद्यालयों/महाविद्यालयों की कुल संख्या -	20
(2) शैक्षिक भ्रमण सहित कुल भारतीय दर्शकों की संख्या -	5603
(3) विदेशी दर्शकों की संख्या -	02

<u>राजस्व प्राप्तियां</u>- चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 में दिनांक 01 अप्रैल, 2019 से 30 नवम्बर, 2019 तक कुल रू0 49,122.00 (रू0 उन्चास हजार एक सौ बाइस मात्र) की राजस्व प्राप्तियॉ हुई।

<u>स्वीकृत पदों का विवरण</u> -

पूर्वांचल के गरिमामय इतिहास, कला एवं संस्कृति के बहुमुखी विकास हेतु यह संग्रहालय सतत प्रयत्नशील है। संग्रहालय के समुचित संचालन हेतु संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निम्नलिखित पद सृजित हैं -

क्र0सं0	पद का नाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	**पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल**	पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6
1	उप निदेशक	15600-39100	6600	लेवल-11	1
2	लेखाकार	9300-34800	4200	लेवल-6	1
3	आशुलिपिक	5200-20200	2800	लेवल-5	1
4	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	1
5	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	लेवल-3	1
6	ड्राइवर	5200-20200	1900	लेवल-2	1
7	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	4
8	चपरासी	5200-20200	1800	लेवल-1	2
9	चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	2
10	सफाई कर्मचारी/फर्राश	5200-20200	1800	लेवल-1	1
				योग-	**15**

लोक कला संग्रहालय,लखनऊ

लोक कला परम्पराएं हमे विरासत एवं परम्पराओं से प्राप्त होती है, जिनका मूल अति प्राचीन है। जन्म से लेकर मृत्यु तक यह हमारे जीवन में रची-बसी है और पीढ़ी दर पीढ़ी हस्तान्तरित होती रहती है, किन्तु सामयिक परिवर्तन के कारण आधुनिकीकरण एवं औद्योगीकरण की ऑधी में हमारे प्रदेश की लोक कला परम्पराएं शनैः-शनैः विलुप्त होती जा रही है एवं इनका मूलस्वरूप परिवर्तित हो रहा है। इसलिए इन प्राचीन लोक कला परम्पराओं के मूल स्वरूप को अक्षुण्ण बनाये रखने एवं इनके विशेष दस्तावेजों को संकलित कर भविष्य के लिए सुरक्षित रखने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग उ0प्र0 द्वारा फरवरी 1989 में लोक कला संग्रहालय की स्थापना कला परिसर कैसरबाग, लखनऊ में की गयी थी। वर्तमान में नवनिर्मित लोक कला संग्रहालय भवन, राज्य संग्रहालय परिसर, चिड़िया घर, बनारसीबाग, लखनऊ में स्थापित है। लोक कलाओं के संकलन, संरक्षण तथा प्रदर्शन की दिशा में कार्यरत लोक कला संग्रहालय प्रदेश का एकमात्र संग्रहालय है।

संकलनः- सम्प्रति संग्रहालय में प्रदेश के विभिन्न अंचलों की उत्कृष्ट एवं दुर्लभ लोक कलाओं से सम्बन्धित लगभग 1900 कलाकृतियों का संग्रह है। इनमें लोकनृत्य, लोकवाद्य, लोककला आलेखन, आभूषण, पोशाक, टेराकोटा, पारम्परिक मुखौटे, काष्ठ, लौह, एवं प्रस्तर के खिलौने तथा इनसे सम्बन्धित कला नमूने संग्रहीत है। संग्रहालय में भूमि एवं भित्ति अलंकरण से सम्बन्धित लोक कला चित्रों की समय-समय पर प्रदर्शनी आयोजित की जाती है। लोक कला संग्रहालय में चित्रों का विशाल संग्रह है जो संरक्षित संकलन के रूप में व्यवस्थित है। संग्रहालय में कला प्रदर्शनी का संग्रह प्रदर्श क्रय समिति के माध्यम से तथा स्थान-स्थान का भ्रमण और सर्वेक्षण कर किया जाता है।

प्रदर्शनः-(क) संग्रहालय में उपलब्ध कला प्रदर्शनी को प्रदेश के प्रमुख 5 क्षेत्रों यथा-ब्रज, बुन्देलखण्ड, अवध, भोजपुर, रूहेलखण्ड में विभक्त किया गया है। इनके क्षेत्रवार प्रदर्शन हेतु अलग-अलग कक्षों का निर्माण कराकर उनमें कलाकृतियों को अत्यन्त आकर्षक ,सुरूचिपूर्ण एवं आधुनिक तकनीक से प्रदर्शित किया जा रहा है।

(ख) लोक नृत्यों के डायरोमा, विवाह मण्डप, जनेऊ संस्कार के डायरोमा, पोषाक, लोकवाद्य, मुखौटे, खिलौने तथा क्षेत्र विशेष की रहन-सहन की शैली को दर्शाते हुए भिन्न-भिन्न प्रकार की पारम्परिक नृत्य एवं लोक जीवन से सम्बन्धित आकर्षक डायरोमा तैयार करवाकर प्रदर्शन किया गया है।

भूमि एवं भित्ति अलंकरणः- प्रदेश में भूमि एवं भित्ति अलंकरण की विविध परम्पराएं बहुत समद्ध तथा विविध प्रकार की विद्यमान है। आलेखन शुभ कार्यो एवं पूजा अनुष्ठान के अवसर पर हाथ की अंगुलियों द्वारा मॉगलिक प्रतीक और सुख समृद्वि की भावना से बनाये जाते है। संग्रहालय में आलेखन और चित्रों का अद्वितीय संग्रह है।

मृण्मूर्तियॉः- टेराकोटा एक परम्परागत हस्तशिल्प है। साधारण तौर पर टेराकोटा के अर्न्तगत देवी-देवताओं की मूर्तियॉ घोड़ा, हाथी और खिलौने बनाये जाते है। संग्रहालय में टेराकोटा का विशाल संग्रह है।

आभूषणः- प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र के पहनावे रहन-सहन में विविधता पायी जाती है। इसके अर्न्तगत अलग-अलग क्षेत्रों के विविध प्रकार के प्राचीन तथा दुर्लभ लोक कलात्मक आभूषण संग्रहालय में संग्रहीत है।

हस्तशिल्पः- अवध के ग्रामीण अंचलों में मूँज तथा बेंत के हस्तशिल्प अत्यन्त लोकप्रिय है। बॉस-मूँज के बेंत से बने डलिया,टोकरी,चटाई,फूलदान,पंखे,सूप आदि आज कलात्मक सामग्रियॉ दैनिक जीवन में देखने को मिलती है, जिनके उत्कृष्ट नमूने संग्रहालय में प्रदर्शित है।

डायरोमाः- लोकनृत्य एवं जीवन शैली तथा लोक प्रथाओं से सम्बन्धित बड़े-बड़े डायरोमा का निर्माण किया गया है।

पुस्तकालयः- लोक कला संग्रहालय में लोक कला संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकालय भी है, जिसमें लोकनृत्य, लोक संगीत, प्राचीन इतिहास, लोक कला एवं संस्कृति से सम्बन्धित 900 पुस्तकें उपलब्ध है।

शैक्षिक कार्यक्रम- लोक कला संग्रहालय, लखनऊ द्वारा समय-समय पर शैक्षिक कार्यक्रम भी कराये जाते हैं।

<u>पर्यटक सुविधायें</u>:- संग्रहालय में आने वाले पर्यटकों को यहॉ प्रदर्शित कलाकृतियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों के जन-जीवन, रहन-सहन, स्थानीय, तीज त्यौहारों ,नृत्यों एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों की जानकारी दी जाती है। इच्छुक दर्शकों को फोल्डर उपलब्ध कराएं जाते है। संग्रहालय में पीने के पानी की उचित व्यवस्था है। विभिन्न तलों पर जाने के लिए तथा दिव्यांग दर्शकों के सुविधा के लिए लिफ्ट लगवाई गयी है एवं रैम्प की भी सुविधा उपलब्ध है।

सुरक्षा एवं रख-रखाव- संग्रहालय में कार्यरत् तीन चौकीदार दिन एवं रात्रि में चौकीदारी का कार्य करते हैं।

लोक कला संग्रहालय, लखनऊ में निम्नलिखित पद सृजित हैः-

क्र0सं0	पदनाम	सादृश्य वेतन/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की सं0
1	2	3	4	5	6
1.	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	लेवल-8	1
2.	वीथिका सहा0 कम वरिष्ठ लिपिक	5200-20200	2400	लेवल-4	2
3.	चौकीदार कम सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	लेवल-1	3
4.	चपरासी कम माली	5200-20200	1800	लेवल-1	1
5.	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	1
			योगः		**08**

<u>शैक्षणिक कार्यक्रम 2019-20 में शैक्षिक कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम कराये गये।</u>

1. **''भूजल सप्ताह''** के अन्तर्गत माह जुलाई, 2019 में ''जल बचाये जीवन बचाये'' विषयक बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

2. माह जुलाई, 2019 में संग्रहालय परिसर में विभिन्न प्रकार के पौधों का रोपण कराया गया।

<u>जनपदीय संग्रहालय सुलतानपुर</u>

सुलतानपुर जनपद के अनेक महत्वपूर्ण पुरास्थलों जैसे-शनिचरा, कूंड, भांटी, सोमनाभार, कालू पाठक का पुरवा, अहिरन पलिया, सोहगौली, महमूदपुर आदि स्थलों पर पुरा सांस्कृतिक सम्पदा बिखरी दिखाई देती है, यही नहीं इस जनपद के आस-पास के जनपदों में भी धरती के गर्भ से बराबर अतीत की धरोहर निकलती रहती है। इसके विविध आयामों से संबंधित सामग्रियों और बिखरी पुरासांस्कृतिक सम्पदा को संकलित, सुरक्षित, प्रदर्शित, प्रलेखीकृत व प्रकाशन कर उन पर अनुसंधान करने कराने के उद्देश्य से वर्ष 1988-89 में इस संग्रहालय की स्थापना की गयी। आज यह संग्रहालय नगर पालिका के पीछे सुपर मार्केट सुलतानपुर के प्रथम तल पर प्रतिष्ठित है।

<u>वीथिकायें</u>:- वर्तमान में संग्रहालय में दो वीथिकाएं जन सामान्य के अवलोकनार्थ खुली हैं। एक वीथिका में प्रस्तर प्रतिमा एवं मृण्मूर्तियां प्रदर्शित है। दूसरी वीथिका स्व0रफी अहमद किदवई को समर्पित है। इस वीथिका में उनके जीवन में जुड़ी वस्तुओं को संजोया गया है। आलोच्य अवधि में बड़ी संख्या में लोगों ने संग्रहालय का भ्रमण किया।

संग्रह- लगभग 2596 कलाकृतियॉं संग्रहालय में संग्रहीत है, जिसमें पाषाण, मृण्मूतियां, स्वर्ण सिक्के, रजत सिक्के, रजत पदक/ताम्र पदक, आभूषण, पेंटिंग एवं अन्य कलात्मक वस्तुएं इस संग्रहालय में संग्रहीत हैं।

पुस्तकालय:- संग्रहालय के सन्दर्भ पुस्तकालय में कला संस्कृति एवं इतिहास की लगभग 746 (सात सौ छियालिस) पुस्तकें संग्रहीत हैं। इन सन्दर्भित ग्रंथों/पुस्तकों को शोधार्थियों एवं छात्रों को उपलब्ध कराया जाता है।

शैक्षिक गतिविधियॉं (2019-20)

क्रम सं0	दिनांक	कार्यक्रम विवरण
1	16.05.2019	निबंध प्रतियोगिता का आयोजन।
2	14.06.2019	छायाचित्र प्रदर्शनी।
3	19.07.2019	रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन।
4	21.08.2019	क्राफ्ट प्रतियोगिता का आयोजन।
5	19.09.2019	वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजना।
6	24.10.2019	सजावाट प्रतियोगिता का आयोजन।
7	21.11.2019	चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।
8	19.12.2019	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन।

इस संग्रहालय के संचालन हेतु निम्न पद सृजित किये गये हैं-

क्र0सं0	पदनाम	वेतनमान	ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1.	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	लेवल-8	01
2.	लेखाकार	9300-34800	4200	लेवल-6	01
3.	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
4.	वीथिका परिचर-कम-चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	02
5.	सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	लेवल-1	01
				योग	06

राजस्व प्राप्तियॉं- 01 अप्रैल, 2019 से अद्यतन तिथि तक 540.00 (रू0 पांच सौ चालीस मात्र) की आय प्राप्त हुई।

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर

भारत के बौद्ध स्थलों में कुशीनगर (कुसीनारा) का प्रमुख स्थान है। बौद्ध धर्म प्रवर्तक भगवान बुद्ध ने लगभग 80 वर्ष की अवस्था में अपना अनवरत भ्रमणपूर्ण जीवन व्यतीत करने के पश्चात् यहीं पर शालवन में महापरिनिर्वाण प्राप्त (शरीर त्याग) किया था। बुद्ध से पूर्व युग में कुशीनारा का उल्लेख एक वैभवशाली नगर के रूप में प्राप्त होता है। बुद्ध पूर्व युग में यह कुशावती के नाम से प्रसिद्ध था पालि ग्रंथों के अनुसार यहॉं महासम्मत वंश के राजा राज करते थे, जिनमें ओक्काक (इक्ष्वाकु) कुस (कुश), तथा महासुदस्सन (महासुदर्शनी) प्रसिद्ध थे। महासुदस्सन जातक के अनुसार बुद्ध से कुछ शताब्दियों पूर्व यह सात सुरक्षा प्राचीरों तथा चार द्वारों के अतिरिक्त चतुर्दिक तमाल वृक्षों की सात पंक्तियों से घिरा नगर था महापरिनिब्बान सुत्त के अनुसार भिक्षु आनन्द ने भगवान तथागत से कुसीनारा में निर्वाण प्राप्त न करने का अनुरोध करते हुए कहा कि भगवान आप वनों से आवृत्त इस छोटे से नगर में निर्वाण न प्राप्त करें। इस पर भगवान बुद्ध ने अपने शिष्य आनन्द से कुसीनारा के प्राचीन वैभवशाली रूप का वर्णन करते हुए कहा कि हे आनन्द प्राचीन काल की बात है कि यहॉं महासुदर्शन नामक प्रतापी राजा धर्मानुसार प्रजा का पालन करते हुए राज करता था और कुशावती उसकी राजधानी थी, यहा नगर पूरब से पश्चिम लम्बाई में 12 योजन तथा उत्तर से दक्षिण चौड़ाई में सात योजन विस्तृत था। स्पष्टतया बुद्ध से पूर्व यह बहुत समृद्ध एवं शक्तिशाली नगर था, परन्तु बुद्धकाल में एक छोटा कस्बा (निगम) ही रह गया था। जातकों से स्पष्ट होता है कि बुद्ध

अपने पूर्व जन्मों में कुश एवं सुदर्शन हुए थे। महापरिनिब्बान सुत्त में बुद्ध स्वयं कहते हैं कि उन्होंने छः बार चक्रवर्ती राजा के रूप में राज करते हुए शरीर का त्याग किया था। छठी शताब्दी ई0पू0 के गणराज्यों में कुशीनारा के मल्लों का प्रमुख स्थान था।

असंख्य भारतीय एवं विदेशी पर्यटक तथा बौद्ध धर्मानुयायी प्रतिवर्ष भगवान बुद्ध को श्रद्धा सुमन अर्पित करने कुशीनगर आते हैं। कुशीनगर की धार्मिक महत्ता, समृद्ध ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक धरोहर ने कई देशों एवं विभागों को इस क्षेत्र में अपने धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठन स्थापित करने की प्रेरणा दी। परिणामस्वरूप यह स्थल सम्पूर्ण विश्व में श्रद्धा एवं आकर्षण का केन्द्र बन गया। कालान्तर में कुशीनगर की पुरातात्विक सम्पदा सहित भारतीय संस्कृति के विविध स्वरूपों को संरक्षित करने के उद्देश्य से संग्रहालय के निर्माण की आवश्यकता प्रतीत हुई। एतदर्थ इस क्षेत्र में यत्र-तत्र बिखरी कला सम्पदा के संग्रह, संरक्षण, अभिलेखीकरण, प्रदर्शन एवं शोध के साथ ही क्षेत्र के गरिमामय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व की जानकारी जन सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा सन् 1993-94 में राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर की स्थापना की गई।

संग्रहालय द्वारा संग्रहीत कलाकृतियां जहॉ एक ओर हमारी समृद्ध कला एवं संस्कृति का आभास कराती हैं, वहीं दूसरी ओर वर्तमान पीढ़ी को उनकी गौरवमयी विरासत से परिचित भी कराती हैं।

संग्रहालय का उद्देश्य एवं गतिविधियां - संग्रहालय का प्रमुख उद्देश्य पूर्वी उ0प्र0 एवं देश के अन्य भागों से प्राप्त पुरासम्पदा का संकलन, अभिलेखीकरण, संरक्षण, प्रदर्शन, प्रकाशन तथा देशी-विदेशी पर्यटकों को आकृष्ट कर उन्हें भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति और पुरातत्व की जानकारी जन-सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संग्रहालय द्वारा समय-समय पर विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

संकलन - संग्रहालय द्वारा समय-समय पर स्थलीय सर्वेक्षण, दान, उपहार, दीर्घकालीन ऋण एवं उ0प्र0 राज्य प्रदर्श क्रय समिति द्वारा क्रय की गई कलाकृतियों के माध्यम से संग्रह में अभिवृद्धि की जाती रही है। संग्रहालय में प्रस्तर, मृण्मूर्तियां, धातु मूर्तियां, सिक्के, थंका एवं डाक टिकट आदि का संकलन है। वर्तमान में संग्रहालय में क्रमांक 01/1993 से 482/2018 तक कुल 1337 कलाकृतियों/पुरावशेषों का संकलन है।

प्रदर्शन व्यवस्था - राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर में संग्रहीत कलाकृतियों में प्रस्तर मूर्तियां, मृण्मूर्तियां, वास्तुकला के अवशेष, मिट्टी की मुहरें, धातु प्रतिमाएं, तिब्बती थंका एवं सिक्के विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। चयनित कलाकृतियों को विभिन्न वीथिकाओं में प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में संग्रहालय में कुल 04 (चार) वीथिकाएं जनसामान्य के अवलोकनार्थ खुली हुई हैं, जिनका विवरण निम्नवत है -

<u>प्रथम वीथिका (कला वीथिका)</u> में बौद्ध, जैन एवं हिन्दू धर्म से सम्बन्धित कलाकृतियों का प्रदर्शन किया गया है। वीथिका में प्रदर्शित कलाकृतियों में मथुरा एवं गांधार शैली की प्रस्तर मूर्तियों के अतिरिक्त बौद्ध पूजा स्तूप, बौद्ध मन्दिर का अलंकृत द्वार, कुशीनगर क्षेत्र से प्राप्त अलंकृत ईंटें (कई ईंटों को जोड़कर बनने वाली मानवाकृति), धातु कलाकृतियां एवं तिब्बती थंका आदि विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। वीथिका में प्रदर्शित गच (स्टको) की बनी ध्यानमुद्रा में आसनस्थ बुद्ध प्रतिमा, गुप्तकाल तक चली आने वाली गांधारकला परम्परा का उत्तम उदाहरण है।

<u>द्वितीय वीथिका (अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध वीथिका)</u> में आस्ट्रेलिया में बने बौद्ध स्तूप से-चेन-चोर-खोर-लिंग के माडल का प्रदर्शन बड़े ही रोचक ढंग से किया गया है। इस वीथिका में बौद्ध धर्म से सम्बन्धित विभिन्न देशों की पूजा-पद्धति, बौद्ध भिक्षुओं के रहन-सहन आदि की झांकी प्रस्तुत की गई है।

<u>तृतीय वीथिका (विविध मुद्राओं में बुद्ध)</u> में भगवान बुद्ध की विभिन्न मुद्राओं में प्राप्त मथुरा एवं गांधार शैली की प्रस्तर मूर्तियों का प्रदर्शन किया गया है। भगवान बुद्ध की अभया, ध्यान, भू-स्पर्श एवं धर्मचक्र प्रवर्तन मुद्रा में प्रदर्शित कलाकृतियां निश्चित रूप से दर्शकों को आह्लादित करती है।

<u>चतुर्थ वीथिका (पुरातत्व वीथिका)</u> में प्रदर्शित मध्य पाषाण कालीन लघु प्रस्तर उपकरण, मृणमूर्तियां, मृण्पात्र, मुहरें एवं मिट्टी व कांच के मनके तथा हड्डी की चूड़ियां आदि दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र हैं। मृण कलाकृतियों में पंचआयामी मुहर तथा सिंह के साथ गजलक्ष्मी का अंकन (शुंग कालीन) विशेष उल्लेखनीय है।

उक्त के अतिरिक्त संग्रहालय परिसर में इण्डो-जापान चिल्ड्रेन पार्क एवं इण्डो-जापान सांस्कृतिक केन्द्र भी दर्शकों के आकर्षण का केन्द्र है।

<u>राहुल सांकृत्यायन पुस्तकालय</u>- संग्रहालय का अपना एक संदर्भ पुस्तकालय भी है, जिसमें कला, इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व, मुद्राशास्त्र एवं प्रतिमाशास्त्र से सम्बन्धित पुस्तकें संग्रहीत है। भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व के विभिन्न विषयों

पर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले एवं शोध छात्रों एवं अन्य जिज्ञासुओं को संदर्भ पुस्तकालय की सुविधा प्रदान की जाती है। संग्रहालय के पुस्तकालय का नामकरण प्रसिद्ध साहित्यकार राहुल सांकृत्यायन के नाम पर किया गया है। पुस्तकालय के संग्रह में सतत् वृद्धि की जा रही है। भविष्य में पुस्तकालय को बौद्ध शोध केन्द्र के रूप में विकसित किये जाने की भी योजना है।

संग्रहालय सभागार (अज्ञेय स्मृति सभागार) - संग्रहालय सभागार में विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। संग्रहालय सभागार का नामकरण प्रसिद्ध साहित्यकार एवं कवि हीरानन्द सच्चिदानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय' के नाम पर किया गया। शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु संग्रहालय का अज्ञेय स्मृति सभागार शासन द्वारा निर्धारित किराए पर अन्य संस्थाओं को भी उपलब्ध कराया जाता है।

प्रवेश टिकट व्यवस्था-

1- 05 वर्ष तक के बच्चों के लिए -	निःशुल्क।
2- 12 वर्ष से अधिक आयु के भारतीय नागरिकों हेतु प्रवेश शुल्क -	रू0 3.00 प्रति दर्शक।
3- विदेशी पर्यटकों हेतु प्रवेश शुल्क -	रू0 10.00 प्रति दर्शक।
4- फोटो कैमरा शुल्क -	रू0 20.00 प्रति कैमरा।
5- शैक्षिक भ्रमण/शोधार्थियों हेतु प्रवेश शुल्क -	निःशुल्क।

संग्रहालय समय-दर्शकों को प्रातः 10:30 से सायं 4:30 बजे तक प्रत्येक सोमवार व माह के द्वितीय शनिवार के बाद पड़ने वाले रविवार एवं अन्य सार्वजनिक अवकाशों में संग्रहालय बन्द रहता है।

<u>शैक्षिक गतिविधियां (अप्रैल, 2019 से दिसम्बर, 2019 तक)</u>

क्र0सं0	दिनांक	कार्यक्रम
1.	12 से 16, अप्रैल, 2019	भारतरत्न बाबा साहब डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
2.	17 मई, 2019	भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
3.	19 जुलाई, 2019	भूजल सप्ताह के अवसर पर वृक्षारोपण व परिचर्चा का आयोजन।
4.	20 से 31 जुलाई, 2019	सिक्कों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
5.	14 अगस्त, 2019	स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
6.	30 सितम्बर, 2019	महात्मा गांधी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी (तस्वीरों में बापू)
7.	19 से 25 नवम्बर, 2019	स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी को आयोजन किया गया।
8.	10 से 31 जनवरी, 2020	बौद्ध कला पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जाना है।
9.	14 फरवरी, 2020	चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना है।

4- दर्शकों/पर्यटकों की संख्या- 01 अप्रैल, 2019 से 20 दिसम्बर, 2019 तक निम्नलिखित विवरणानुसार दर्शकों द्वारा संग्रहालय का भ्रमण किया गया -

(1) शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले विद्यालय/महाविद्यालयों की कुल संख्या-	334
(2) शैक्षिक भ्रमण पर आने वाले छात्रों की संख्या-	26396
(2) शैक्षिक भ्रमण सहित कुल भारतीय दर्शकों/पर्यटकों की संख्या-	51337
(3) विदेशी पर्यटकों की संख्या-	191

5- <u>राजस्व प्राप्तियाँ</u>:-दिनॉक 01 अप्रैल, 2019 से 20 दिसम्बर, 2019 तक प्रवेश टिकट, कैमरा शुल्क तथा सभागार किराया से रू0 79,113.00 (रू0 उन्यासी हजार एक सौ तेरह मात्र) की राजस्व प्राप्तियॉ हुई।

<u>स्वीकृत पदों का विवरण</u>- संग्रहालय के संचालन हेतु संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन द्वारा निम्नलिखित पद सृजित है -

क्र0सं0	पदनाम	वेतनबैण्ड/वेतनमान	**सादृश्य ग्रेड वेतन**	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1	2	3	4	**5**	6
1-	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	लेवल-8	01
2-	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	01
3-	कनिष्ठ सहायक	5200-20200	2000	लेवल-3	01
4-	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	01
5-	चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	01
				कुल पदों का योग	**05**

राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, कन्नौज

उ0 प्र0 में गंगा नदी के किनारे बसा कन्नौज नगर अपने सुगन्ध व्यवसाय एवं ऐतिहासिकता के कारण देश-विदेश में प्रसिद्ध है। ईसा की छठी शती के उत्तरार्ध से लेकर बारहवीं शती के अंत तक इस नगर को उत्तर-भारत का 'प्रथम नगर' होने का गौरव प्राप्त रहा है। लगभग छः सौ वर्ष तक इस नगर के इतिहास में प्राचीन भारत की राजनीति, धर्म, दर्शन, साहित्य और कला ने बहुमुखी विकास किया। हर्ष ने थानेश्वर से आकर कन्नौज को अपनी राजधानी बनाया, जिसके काल में कन्नौज की विशेष उन्नति हुई। चीनी यात्री ह्वेनसांग जिसने उस समय भारतवर्ष की यात्रा की थी, ने कन्नौज के वैभव तथा हर्ष के दान वीरता का विषद वर्णन किया है।

कन्नौज संग्रहालय समिति द्वारा 25 फरवरी, 1975 को कन्नौज में संग्रहालय की स्थापना की। कन्नौज संग्रहालय में प्रागैतिहासिक अस्थि उपकरण, महाभारतकालीन स्लेटी भूरे चित्रित पात्र, उत्तरी कृष्णमार्जित मृद्भाण्ड, गुप्त, कुषाण, प्रतिहारकालीन प्रतिमाएं, जिनमें भैरवरूप में विषपान, सप्त मातृकाएं, तपस्विनी पार्वती, कार्तिकेय, नृत्य गणेश, चामुण्डा, तीर्थंकर प्रतिमाएं आदि संग्रहीत हैं। इनके अतिरिक्त पक्की मिट्टी (टैराकोटा) के बने पुरावशेष, जिनमें देव प्रतिमाएं, पशु-पक्षी प्रतिमाएं, पाटल मुद्रा आदि शामिल हैं। संग्रहालय में विभिन्न काल के सिक्के व हस्तलिखित पाण्डुलिपियां भी संग्रहित हैं।

वर्ष 1995-96 में संस्कृति विभाग द्वारा संग्रहालय को अधिग्रहण करने का निर्णय शासन द्वारा लिया गया। 29 फरवरी, 1996 को पुरातत्व संग्रहालय को शासकीय संग्रहालय घोषित करते हुये राजकीय पुरातत्व संग्रहालय का स्वरूप प्रदान किया गया। 17 जनवरी सन् 2014 को संग्रहालय को पुराने भवन से नवीन भवन में स्थानान्तरित कर दिया गया। संग्रहालय के आधुनिकीकरण एवं उच्चीकरण का कार्य फरवरी 2016 में प्रारम्भ हुआ, जिसमें द्वितीय तल में नवीन गैलरियों का निर्माण एवं मरम्मत, फर्श व रैम्प पर टाइल्स, वाटर हार्वेसटिंग, कन्नौज के इतिहास से सम्बन्धित 18 डायरोमा का निर्माण, इत्र गैलरी, फॉल्स सीलिंग, ए0सी0, लेजर शो कक्ष इत्यादि कार्य कार्यदायी संस्था यू0 पी0 पी0 सी0 एल0, कानपुर द्वारा पूर्ण किया जा चुका है। हस्तानान्तरण की कार्य प्रक्रियाधीन है, जिसके जल्द पूर्ण होने की संभावना है।

संग्रहालय में जन सामान्य के अवलोकनार्थ कुल 07 वीथिकाओं एवं एक लेजर शों हेतु हॉल का निर्माण किया गया है, जिनमें निम्न वीथिकायें हैं:-

1. पाषाण वीथिका।
2. टेराकोटा एवं मृद्भाण्ड वीथिका।
3. पाषाण एवं टेराकोटा वीथिका।
4. लाइट एण्ड साउण्ड सहित हर्ष के जीवन पर आधारित मुख्य घटनाओं को दर्शाते डायोरमा।
5. हर्ष का दान एवं गंगा आरती लाइट एण्ड साउण्ड के माध्यम से निर्मित डायोरमा।
6. इत्र वीथिका।
7. 9 वीं से 12 वी0 भा0 ई0 पर आधारित लाइट एण्ड साउण्ड के माध्यम से निर्मित डायरोमा।

शैक्षिक गतिविधियां

क्र0सं0	**दिनांक**	**कार्यक्रम**

1.	18 मई, 2019	छायाचित्र प्रदर्शनी।
2.	02 अक्टूबर, 2019	गांधी जयंती का आयोजन, बाल दिवस पर मुख्य त्यौहारों पर आधारित प्रतियोगिता।
3.	22-25 नवम्बर, 2019	छायाचित्र प्रदर्शनी व निबन्ध प्रतियोगिता व व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इस संग्रहालय के संचालन हेतु निम्न पद सृजित किये गये हैं-

क्र0सं0	पदनाम	सादृश्य वेतन बैण्ड/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1.	2.	3.	4.	**5**	6.
1.	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	लेवल-8	1
2.	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	1
3.	वीथिका परिचर कम चौकीदार	5200-20200	1800	लेवल-1	1
4.	सफाई कर्मचारी	5200-20200	1800	लेवल-1	1
योग					4

राजकीय बौद्ध संग्रहालय, पिपरहवा, सिद्धार्थनगर .

पूर्वी उत्तर-प्रदेश का क्षेत्र ऐतिहासिक व पुरातात्विक दृष्टि से न केवल भारत में बल्कि विश्व में विख्यात है। बौद्ध धर्म के इतिहास में पिपरहवा का अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान है। प्राचीन भारत का महत्वपूर्ण गणराज्य कपिलवस्तु हिमालय पर्वत के तराई क्षेत्र में स्थित था। यह वह गणराज्य है जहा सिद्धार्थ जैसे होनहार, तेजस्वी राजकुमार ने राजा शुद्धोधन के पुत्र के रूप में जन्म लिया एवं कालान्तर में करूणा एवं प्रेम से ओत-प्रोत होकर सम्पूर्ण विश्व को सद्मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। भगवान बुद्ध के जीवन से सम्बन्धित प्रमुख स्थलों में से एक इस स्थल की पहचान प्राचीन कपिलवस्तु के रूप में की जाती है। प्राचीन काल में कपिलवस्तु शाक्यों की राजधानी थी तथा भगवान बुद्ध के पिता शुद्धोधन शाक्य गणराज्य के प्रमुख थे। छठी शताब्दी ईसा पूर्व के दस प्रमुख गणराज्यों में इसकी गणना की जाती थी। इस स्थल पर भगवान बुद्ध का बाल्यकाल व्यतीत हुआ था तथा राजकुमार सिद्धार्थ के रूप में 29 वर्ष की अवस्था में सत्य की खोज के लिये उन्होने यहां से प्रस्थान किया। बौद्ध साहित्य में इस बात का उल्लेख है कि बुद्ध के महापरिनिर्वाण के पश्चात् उनके अस्थि अवशेषों को आठ भागों में विभक्त किया गया था, जिसका एक भाग शाक्यों को भी प्राप्त हुआ। यहां का मुख्य स्तूप मूल रूप से शाक्यों द्वारा भगवान बुद्ध के अस्थि अवशेषों के रूप में प्राप्त भाग पर निर्मित किया गया था। यहां पर सर्वप्रथम पुरातात्विक कार्य प्रारम्भ कराने का श्रेय डब्ल्यू0सी0 पेपे को है। उत्खनन के परिणामस्वरूप यहां स्थित स्तूप से एक धातु मंजूषा प्राप्त हुई थी, जिस पर ब्राह्मी में लेख है- सुकिति-भतिनं स भगिनिकनम स-पुत-दलनं, इयं सलिल निधने बुधस भगवते सकियान। अर्थात् इस स्तूप का निर्माण उनके शाक्य भाईयों द्वारा अपनी बहनों, पुत्रों एवं पत्नियों के साथ मिलकर किया गया था। यहां से प्राप्त मृण्मुद्राओं (सीलिंग) पर ''देव पुत्र बिहारे कपिलवस्तु भिक्खु संघस'' तथा ''महा कपिलवस्तु भिक्खु संघस'' अंकित है। इससे यह प्रमाणित होता है कि यह स्थल प्राचीन कपिलवस्तु का बौद्ध प्रतिष्ठान था।

भगवान बुद्ध की स्मृतियों से जुड़ा होने के कारण यह क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से अन्तर्राष्ट्रीय महत्व का है। इस क्षेत्र में यत्र-तत्र बिखरी कला सम्पदा एवं देश के अन्य भागों से प्राप्त कलाकृतियों का संकलन, संरक्षण, अभिलेखीकरण, शोध एवं प्रदर्शन कर जनसामान्य को इसके गरिमामय इतिहास की जानकारी प्राप्त कराने के उद्देश्य से बौद्ध हेरिटेज सेन्टर, पिपरहवा, सिद्धार्थनगर के अर्न्तगत बौद्ध संग्रहालय एवं प्रशासनिक भवन कला वीथिका सहित अनेक परियोजनाओं का शिलान्यास वर्ष 1997 में मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 के कर कमलों द्वारा किया गया था। शासन द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में संग्रहालय/प्रशासनिक भवन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, भारत सरकार को दिनांक 03 अक्टूबर, 2009 को हस्तान्तरित कर दिया गया है।

2- संग्रहालय का उद्देश्य एवं गतिविधियांः-

संग्रहालय का प्रमुख उद्देश्य पूर्वी क्षेत्र एवं देश के अन्य भागों से प्राप्त पुरासम्पदा का संकलन, अभिलेखीकरण, संरक्षण, प्रदर्शन, प्रकाशन तथा देश-विदेश के पर्यटकों को आकृष्ट कर उन्हें भारतीय संस्कृति के विविध पहलुओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। भारतीय इतिहास, कला, संस्कृति और पुरातत्व की जानकारी जन-सामान्य को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संग्रहालय द्वारा शैक्षिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत विविध प्रतियोगिताओं/कार्यक्रमों का आयोजना भी किया जाता है।

3-प्रदर्शन व्यवस्था

वर्तमान में कला वीथिका भवन (दो हाल युक्त भवन) संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के नियंत्रणाधीन है, जिसमें प्रदर्शन व्यवस्था निम्नवत् हैं:-

1- **भूतल स्थित कला वीथिका**-इस वीथिका में बौद्ध धर्म से सम्बन्धित कलाकृतियों की कुल 29 अनुकृतियॉ प्रदर्शित हैं।

2- **प्रथम तल स्थित कला वीथिका-** इस वीथिका में बौद्ध धर्म से सम्बन्धित प्रसिद्ध स्थलों एवं कलाकृतियों के कुल 65 छायाचित्र प्रदर्शित हैं।

शैक्षिक गतिविधियाँ (2019-20 तक)

क्र0सं0	दिनांक	कार्यक्रम
1.	18 मई, 2019	संग्रहालय भ्रमण का आयोजन किया गया।
2	16-22 जुलाई, 2019	परिचर्चा एवं संवाद का आयोजन किया गया।
3	14 अगस्त, 2019	छायाचित्र प्रदर्शनी।
4	19 नवम्बर, 2019	प्राचीन स्मारको पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
5	15-21 दिसम्बर, 2019	भगवान बुद्ध के जीवन दृश्य पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।

संग्रहालय में निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है:-

क्र0सं0	पदनाम	सादृश्य वेतनबैण्ड/वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6
1.	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	लेवल-8	1
2.	सहायक लेखाकार	9300-34800	2800	लेवल-5	1
3.	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	1
4.	संग्रहालय परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	2
				योग	05

राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ

वर्ष 1995 में उ0प्र0 शासन द्वारा संग्रहालय निर्माण का निर्णय लिया गया, तत्क्रम में वर्ष 1997 में टास्कफोर्स द्वारा की गई संस्तुतियों के अनुरूप उ0प्र0 शासन के अधीन उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय द्वारा संचालित राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ की स्थापना हुई, जिसका औपचारिक लोकार्पण 10 मई, 2007 को हुआ।

क्षेत्रीय/विषयगत महत्व

जनपद मेरठ 28^0 47' तथा 29^0 18 उत्तरी अक्षांश एवं 77 7' तथा 78^0 7' पूर्वी देशान्तर पर स्थित है । प्राचीन काल में मेरठ ऊपरी गंगा यमुना के दोआब क्षेत्र में कुरू प्रदेश के अन्तर्गत आता था । वर्तमान में जनपद मेरठ उत्तर प्रदेश के पश्चिमी छोर पर गंगा-हिण्डन नदियों के दोआब क्षेत्र में स्थित है। मेरठ देश की राजधानी दिल्ली से 65 किमी0 उत्तर-पूर्व तथा प्रदेश की राजधानी लखनऊ से 461 किमी0 उत्तर पश्चिम में स्थित है। यहॉ रेल तथा बस द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है तथा यह उत्तर रेलवे के दिल्ली-मेरठ-सहारनपुर रेलवे मार्ग एवं उत्तर-पूर्वी रेलवे के लखनऊ -मुरादाबाद-मेरठ-सहारनपुर मुख्य रेलवे मार्गो के किनारे स्थित है।

मेरठ का शुद्ध नाम मयराष्ट्र है । इस विषय में दो जनश्रुतियाँ प्रचलित हैं । पहली जनश्रुति के अनुसार मंदोदरी के पिता और रावण के श्वसुर मय नामक दानव ने इस नगरी को बसाया था । इसी कारण मेरठ को मयदन्त का खेड़ा कहा जाता है। मय का उल्लेख वाल्मिकी रामायण में आया है । दूसरी जनश्रुति के अनुसार महाभारत नामक महाकाव्य में वर्णित खाण्डवदाह के समय अर्जुन द्वारा अपनी रक्षा के प्रत्युपकार में दानवों के शिल्पी

त्रिपुर रचयिता विश्वकर्मा मय ने कृतज्ञतावश श्रीकृष्ण के आदेश पर युधिष्ठर के लिए एक अद्वितीय सभागृह का निर्माण किया था । युधिष्ठर ने मय के शिल्प कौशल से प्रसन्न होकर दान में कुछ भूमि दी थी। कहा जाता है कि इसी भूमि पर मय ने मयराष्ट्र नामक नगर का निर्माण किया था।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में मेरठ का विशिष्ट स्थान है, यहीं से प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की चिंगारी फूटी। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी घटनाओं एवं संस्मरणों, जीवन गाथाओं को संरक्षित करना, भावी पीढ़ी को नवीन दिशा प्रदान करना तथा राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ का लक्ष्य है। स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी घटनाएं कैसी थीं और किस तरह से लड़ी गयीं इसका उल्लेख लिखित रूप से तो किताबों एवं अभिलेखों में मिलता है लेकिन दृश्य रूपों में इसका अभाव है, खासकर 10 मई 1857 को मेरठ में घटित घटनाएं जो आम जनसामान्य की पहुँच से दूर रही हैं । इन तथ्यों को संग्रहालय में दिखाने का अनूठा प्रयास किया गया है।

वीथिकाएं

संग्रहालय में पाँच वीथिकाएं प्रदर्शित की गई हैं-

प्रथम वीथिका में पेटिंग, डायोरामा एवं रिलीफ के माध्यम से विशेष रूप से 10 मई, 1857 की घटनाओं का प्रदर्शन किया गया है जो देश के अमर शहीदों को समर्पित है। इसी तरह अन्य प्रमुख घटनाओं यथा- क्रान्ति के प्रस्फुटित होते ही 20वीं पैदल सेना के सैनिकों द्वारा कर्नल जॉन फिनिश जो क्रान्ति के दौरान मारे गये प्रथम अंग्रेज अधिकारी थे पर गोली चलाना, विक्टोरिया पार्क स्थित नई जेल तोड़कर कैद 85 सैनिकों को मुक्त कराना एवं लगभग दो हजार क्रान्तिकारियों का दिल्ली कूच करना इत्यादि घटनाओं का प्रदर्शन किया गया है ।

द्वितीय वीथिका में फाँसी का दृश्य, 14 से 20 सितम्बर 1857 को दिल्ली में विद्रोह, कानपुर में सतीचौरा घाट का विद्रोह, लखनऊ की रेजीडेन्सी एवं रानी लक्ष्मीबाई की अंग्रेजों से लड़ाई को रिलीफ एवं पेटिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है । तत्क्रम में तात्या टोपे तथा कुवँर सिंह की क्रान्तिकारी गाथा का भी अवलोकन किया जा सकता है । देश विभाजन से पूर्व 1857 की क्रान्ति में पेशावर के आन्दोलन का योगदान इत्यादि को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया है ।

संग्रहालय के दो अन्य वीथिकाओं में देश के अन्य भागों में स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी प्रमुख घटनाओं को चित्रों एवं महत्वपूर्ण दुर्लभ अभिलेखों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है ।

तृतीय वीथिका- ईस्ट इण्डिया कम्पनी के आगमन से लेकर दिल्ली के लाल किले के इतिहास को प्रदर्शित किया गया है तथा साथ ही साथ आई.एन.ए. के दुर्लभ छाया चित्र एवं देश के अमर स्वतंत्रता सेनानियों पर भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी भारतीय डाक टिकटों को भी आम जनसामान्य के अवलोकनार्थ प्रदर्शित किया गया है ।

चतुर्थ वीथिका- में भी स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी देश विभिन्न भागों में घटित घटनाओं एवं आन्दोलनों को प्रदर्शित किया गया है, जिसमें रानी झाँसी के जीवन एवं संघर्ष, मंगल पाण्डे, उधम सिंह, महात्मा गाँधी, राजाराम मोहन राय, सिस्टर निवेदिता इत्यादि प्रमुख क्रान्तिकारियों एवं देश के अग्रणी महापुरूषों के जीवन तथा चरित्र के विषय में बताया गया है । इसी वीथिका में आई.एन.ए. के सिपाही की वर्दियाँ, भारत सरकार द्वारा जारी स्मारक सिक्के, चरखा एवं स्वतंत्रता सेनानियों के ताम्र पत्रों को प्रदर्शित किया गया है ।

पंचम वीथिका- में पुरातात्विक पुरासामग्रियों का प्रदर्शन किया गया है। चूँकि पश्चिमी उ0 प्र0 पुरातात्विक सम्पदा से भी बहुत समृद्ध क्षेत्र रहा है। इस क्षेत्र की पुरातात्विक महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए एक पुरातात्विक वीथिका का भी गठन किया है, जिसमें इस क्षेत्र के विभिन्न पुरातात्विक स्थलों के सर्वेक्षण के दौरान प्राप्त पुरासामग्रियों/कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है, वर्ष 2007 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग भारत सरकार के निर्देशन में उत्खनित स्थल सिनौली, बागपत से प्राप्त अवशेष, हस्तिनापुर से सर्वेक्षण में प्राप्त कलाकृतियाँ विशेष आकर्षण का केन्द्र रहती हैं । इसी तरह से काकोर, कुरडीह, काठा, इसोपुरटील इत्यादि पुरास्थलों से प्राप्त कलाकृतियाँ भेंट स्वरूप प्राप्त प्राचीन सिक्के, मनके, प्रस्तर एवं मृण्मूर्तियां इत्यादि को भी वीथिका में प्रदर्शित किया गया हैं ।

संग्रहालय का सुदृढ़ीकरण एवं विकास : संग्रहालय के विकास एवं सुदृढ़ीकरण किये जाने की विशेष आवश्यकता है। इस संग्रहालय के विकास के लिए विशेष रूप से इसमें वीथिकाओं का निर्माण किया जाय और इसके प्रदर्शन को अत्याधुनिक प्रणाली से समृद्ध करते हुए इसका विस्तार किया जाय। संग्रहालय में विस्तार किया जाता है तो इसके संचालन हेतु भी संसाधनों की आवश्यकता होगी जैसे कर्मचारियों की नियुक्ति, सुरक्षा व्यवस्था हेतु सिक्योरिटी गार्ड, पुस्तकालय के लिये लाइब्रेरियन, इस की पूर्ति हेतु **कोर मनी** का प्राविधान किया जाना आवश्यक होगा, जिससे इनके पारिश्रमिक इत्यादि का भुगतान उपलब्ध कोर मनी की धनराशि से किया जा सके।

संग्रहालय में निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है :-

क्र0सं0	पदनाम	सादृश्य वेतनबैण्ड/ वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल	पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6

1	संग्रहालयाध्यक्ष	9300-34800	4800	लेवल-8	1
2	लेखाकार	9300-34800	4200	लेवल-6	1
3	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	1
4	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	2
योग :					5

शैक्षिक गतिविधियाँ (अप्रैल, 2019 से नवम्बर, 2019 तक)

क्र0सं0	दिनांक	कार्यक्रम
1.	10 मई, 2019	संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन।
2	14 अगस्त, 2019	स्वतंत्रता दिवस के पूर्व संध्या पर भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन।
3	02 अक्टूबर, 2019	महात्मा गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन।
4	13 अक्टूबर, 2019	शरद पूर्णिमा एवं महार्षि बाल्मिकी जयन्ती के अवसर पर काब्य संध्या का आयोजन।
5	19-25 नवम्बर, 2019	विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर प्राचीन स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर

डॉ0 भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर का निर्माण वर्ष 1997 में प्रारम्भ किया गया तथा 30 नवम्बर 1999 में इसका निर्माण कार्य पूर्ण हुआ । इसके उपरान्त 12 अगस्त, 2000 को उ0प्र0 शासन के संस्कृति विभाग ने इसे अपने अधिकार में ले लिया और 21 अगस्त 2004 को इसका औपचारिक लोकार्पण किया गया।

जनपद रामपुर 28^0 48' उत्तरी अक्षांश एवं 79^0 05' पूर्वी देशान्तर पर स्थित है। जनपद रामपुर प्राचीन काल से ही ऐतिहासिक महत्ता को बनाये हुए है। कथानकों के अनुसार रामपुर का नाम कटहेर के राजा रामसिंह (कटहेरिया राजपूत) के नाम पर लगभग 10वीं शती ई0 में पड़ा । इस जनपद की स्थापना सन् 1775 ई0 में फैजुल्लाह खान ने किया था । इसका प्रारम्भिक नाम फैजाबाद रखा गया । इसके बाद यह तथ्य सामने आया कि इस नाम से पहले ही अनेक शहरों का नाम रखा गया है तो इसके दूसरे नाम पर विचार किया जाने लगा और इसका नाम बदलकर मुस्तफाबाद इलियास रामपुर किया गया । कालान्तर में इसका नाम रामपुर पड़ गया ।

इस जनपद को 1 दिसम्बर 1949 को उ0 प्र0 राज्य में सम्मिलित करते हुए जिले का दर्जा दिया गया । इस क्षेत्र को मध्य-पूर्व रूहेलखण्ड के नाम से भी जाना जाता था । प्राचीन काल में इस क्षेत्र को पांचाल अथवा उत्तरी पांचाल के नाम से भी जाना जाता था । यह उत्तर में जनपद नैनीताल (उत्तराखण्ड), दक्षिण में जनपद बदायूँ, पश्चिम में जनपद मुरादाबाद तथा पूर्व में बरेली जनपद की सीमाओं से घिरा हुआ है । रामपुर देश की राजधानी दिल्ली से 196 किमी0 उत्तर-पचिश्म तथा प्रदेश की राजधानी लखनऊ से 314 किमी0 दक्षिण-पश्चिम में स्थित है, यहाँ रेल तथा बस द्वारा आसानी से पहुँचा जा सकता है तथा यह उत्तर-पूर्वी रेलवे के लखनऊ-रामपुर-मुरादाबाद-दिल्ली मुख्य रेलवे मार्गों के किनारे स्थित है। यहाँ से लगभग 100 किमी0 की दूरी पर प्राचीन नगर अहिच्छत्र भी अवस्थित है जिसका सम्बन्ध महाभारत काल से जोड़ा जाता है। इसी जनपद में ऐतिहासिक दस्तावेजों को सहेजे रजा लाइब्रेरी भी स्थित है।

संग्रहालय में कुल दो वीथिकाएं हैं-

प्रथम वीथिका- में डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन चरित्र को छाया चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया है, जिसमें इनके जीवन काल की विभिन्न महत्वपूर्ण घटनाओं एवं सामाजिक उत्थान के लिये किये गये कार्यो को प्रमुखता के साथ दिखाया गया है ।

द्वितीय वीथिका- में इस क्षेत्र की पुरातात्विक महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए पुरातात्विक वीथिका का प्रदर्शन किया गया है, जिसमें उ0 प्र0 के अनेक संग्रहालयों में संग्रहीत प्रस्तर मूर्तियों की अनुकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इन

अनुकृतियों में विशेषकर बौद्ध धर्म से सम्बन्धित हैं यथा कटरा बुद्ध, गान्धार कला के अन्तर्गत जातक कथाओं से अंकित पैनल, तथा बोधिसत्व पद्मपाणि एवं बौद्ध देवी तारा की अनुकृतियाँ विशेष उल्लेखनीय हैं।

संग्रहालय में एक संदर्भ ग्रन्थालय भी स्थापित है जिसमें डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं । इसके साथ ही साथ भारतीय इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति से सम्बन्धित पुस्तकें भी संग्रहालय के पुस्तकालय में छात्र/छात्राओं एवं शोधार्थियों के अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं, जिससे सम्पर्क कर अनेंक विद्वत जन तथा शोधार्थी लाभान्वित होते हैं ।

संग्रहालय का सुदृढ़ीकरण एवं विकास : इस संग्रहालय के विकास के लिए यह विशेष रूप से आवश्यक है कि इसमें संग्रहालयाध्यक्ष का पद सृजित कर वीथिकाओं का निर्माण किया जाय और इसके प्रदर्शन को अत्याधुनिक प्रणाली से समृद्ध करते हुए इसका विस्तार किया जाय ।

शैक्षिक गतिविधियाँ (अप्रैल, 2019 से नवम्बर, 2019 तक)

क्र0सं0	दिनांक	कार्यक्रम
1.	14 अप्रैल, 2019	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन।
2	18 मई, 2019	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
3	21 अगस्त, 2019	संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।

संग्रहालय में निम्नलिखित पदों का सृजन किया गया है :-

क्र0सं0	पदनाम	सादृश्य वेतनबैण्ड/ वेतनमान	सादृश्य ग्रेड वेतन	**पुनरीक्षित वेतन मैट्रिक्स में लेवल**	पदों की संख्या
1	2	3	4	5	6
1	सहायक लेखाकार	5200-20200	2800	लेवल-5	1
2	वीथिका सहायक	5200-20200	2400	लेवल-4	1
3	वीथिका परिचर	5200-20200	1800	लेवल-1	2
योग :					4

स्व0 लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, रामनगर, वाराणसी

राष्ट्र की संस्कृति तथा महापुरूषों से जुड़ी स्मृतियों के संरक्षण के क्रम में उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय (संस्कृति विभाग, उ0प्र0) द्वारा भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के सम्मान में रामनगर, वाराणसी में स्थित उनके पैतृक आवास को अनुरक्षित करते हुए उसे ''लाल बहादुर शास्त्री स्मृति भवन संग्रहालय'' के रूमें में विकसित किया गया है। यह संग्रहालय दो भागों में विभाजित है। प्रथम भाग जो शास्त्री जी का मूल भवन है, उसमें पांच पक्ष है। इन कक्षों में उनके जीवन से जुड़ी हुई स्मृतियों को सहेजते हुए उन्हें जीवन्त करने का प्रयास किया गया है। कक्ष सं0-1 में शास्त्री जी के सम्पर्ण जीवन को छायाचित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। कक्ष सं0-2 में शास्त्री जी की बैठक, जिसमें वह आगन्तुकों से मुलाकात करते थे। कक्ष सं0-3 श्रीमती ललिता शास्त्री जी का कक्ष, जिसमें वह शास्त्री जी की मृत्यु के पश्चात् रहती थी। कक्ष सं0-4 में रसोई घर, जिसमें उनसे जुड़ी सामग्रियों को संयोजित किया गया है। कक्ष सं0-5 खपरैल से निर्मित शास्त्री जी का मूल भवन, जिसमें वह अपने विवाह के उपरान्त ललिता शास्त्री जी, बच्चों व मॉ के साथ रहते थे, को मूलरूप को संरक्षित करते हुए उनकी जीवन शैली को संयोजित किया गया है।

संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा बगल में स्थिति भवन को उनके रिश्तेदारों से क्रय कर उसे संग्रहालय के रूप में विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। इस भाग में फिल्म एवं संगोष्टी कक्ष, कार्यालय, पुस्तकालय, स्वागत कक्ष आदि को विकसित किया जा रहा है।

वित्तीय वर्ष 2019-20 में कराये गये कार्यो का विवरण।

1. स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के जन्म दिवस पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन। यथा-संगोष्ठी, भजन गायन कार्यक्रम।
2. स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के मूल भवन का जीर्णोद्धार का कार्य।
3. विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत स्कूली बच्चों का भ्रमण कार्यक्रम।
4. धरोहर पर आधारित चलचित्र का प्रदर्शन।
5. हरियाणा के राज्यपाल महोदय के संग्रहालय में आगमन के दौरान विविध कार्यक्रम का आयोजन।
6. विरासत जागरूकता सम्बन्धी अन्य कार्यक्रम का आयोजन।
7. स्व0 लाल बहादुर शास्त्री जी के पुण्यतिथि (दिनांक 11 जनवरी, 2020) के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन। (प्रस्तावित)।

कालिका बिन्दादीन ड्यूढ़ी व कथक संग्रहालय, कैसरबाग, लखनऊ।

पं0 बिरजू महाराज के पैतृक आवास कालका बिन्दादीन ड्योढ़ी को कथक संग्रहालय के रूप में विकसित किया गया है। पं0 बिन्दादीन महाराज व घराने के अन्य गुरूओं से संबंधित वाद्य यंत्र एवं अन्य सामग्रियां उक्त संग्रहालय में संरक्षित एवं प्रदर्शित है।

उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय, लखनऊ
सांस्कृतिक कैलेण्डर वित्तीय वर्ष 2020-21 में प्रस्तावित कार्यक्रमों का विवरण

क्र. सं.	संग्रहालय का नाम	दिनांक	कार्यक्रमों का विवरण
1	2	3	4
1.	राज्य संग्रहालय, लखनऊ	➢ 18 अप्रैल 2020	विश्व धरोहर दिवस पर छायाचित्र प्रदर्शनी।
		18 मई,2020	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर छात्र/छात्राओं की प्रश्नोत्तरी/चित्रकला प्रतियोगिता।
		जुलाई, 2020	अनुभागीय प्रदर्शनी का आयोजन।
		अगस्त-सितम्बर, 2020	पुरातत्व एवं कला अभिरूचि पाठ्यक्रम।
		अक्टूबर, 2020	मूक बधिर बच्चों की क्ले मांडलिंग कार्यशाला।
		18.नवम्बर,2020 से 25 नवम्बर,2020 तक	विश्व धरोहर सप्ताह पर छात्रों की चित्रकला प्रतियोगिता एवं संग्रहालय भ्रमण।
		जनवरी, 2021	अधिकारियों/तकनीकी कर्मचारियों तथा विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु कार्यशाला।
		फरवरी, 2021	डॉ0 वासुदेव शरण अग्रवाल स्मृति व्याख्यानमाला।
2.	राजकीय संग्रहालय, मथुरा	18-04-2020	विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता।
		17-05-2020	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर प्रदर्शनी।
		22-07-2020	बाल फिल्म प्रदर्शन
		27-08-2020	प्राचीन भारतीय कला एवं संस्कृति पर व्याख्यान।
		24-09-2020	बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता।
		16-10-2020	दिव्यांग बच्चों की क्ले मॉडलिंग कार्यशाला एवं प्रतियोगिता
		26-11-2020	बच्चों की निबन्ध प्रतियोगिता।
		18-12-2020	राजकीय संग्रहालय, मथुरा का 147 वॉ स्थापना दिवस समारोह
		25-02-2021	बच्चों की अल्पना/रंगोली प्रतियोगिता।
		04 अप्रैल, 2020	हिन्दी रंगमंच दिवस के अवसर पर नाट्य प्रस्तुति
		29 मई, 2020	व्याख्यान।
		09 जून, 2020	म्यूरल पेंटिंग कार्यशाला।
		14 जुलाई, 2020	वार्ली आर्ट पर प्रदर्शनी।

3.	राजकीय संग्रहालय, झांसी	14 अगस्त, 2020	स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर देश भक्ति से ओतप्रोत गीत एवं नृत्य।
		14 सितम्बर, 2020	हिन्दी दिवस पर केन्द्रित प्रदर्शनी।
		30 अक्टूबर, 2020	लघु नाटिका का मंचन।
		19 नवम्बर, 2020	विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत ऐतिहासिक स्थलों पर केन्द्रित प्रदर्शनी।
		28 दिसम्बर, 2020	फिल्म समारोह।
		09 जनवरी, 2021	पद्मभूषण वृन्दावन लाल वर्मा स्मृति समारोह।
		12 फरवरी, 2021	अन्तर्राज्यीय प्रदर्शनी।
		06 मार्च, 2021	फिल्म प्रदर्शन।
4.	अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय, अयोध्या।	18 अप्रैल, 2020	बच्चों द्वारा निर्मित रामकथा पर चित्रित प्रदर्शनी लगाने का कार्य।
		18 मई, 2020	विश्व संग्रहालय दिवस पर व्याख्यान का आयोजन।
		21 से 25 जून, 2020	पांच दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन।
		26 जुलाई, 2020	मूक बधिर विद्यार्थियों की कला प्रदर्शनी का आयोजन
		23 अगस्त, 2020	चित्रकला प्रतियोगिता (जूनियर वर्ग)
		20 सितम्बर, 2020	चित्रकला प्रतियोगिता (सीनियर वर्ग)
		11 अक्टूबर, 2020	मूक वधिर बच्चों द्वारा निर्मित चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन।
		15 नवम्बर, 2020	व्याख्यान का आयोजन।
		20 दिसम्बर, 2020	लेखन प्रतियोगिता का आयोजन।
		17 जनवरी, 2021	संग्रहालय स्थापना दिवस पर व्याख्यान का आयोजन।
		21 फरवरी, 2021	रामकथा विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन।
		07 मार्च, 2020	चित्रित रामकथा विषयक प्रदर्शनी का कार्यक्रम।
5.	राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर।	14 अप्रैल, 2020	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर संगोष्ठी एवं उनके जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		18 से 30 अप्रैल, 2020	विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर प्राचीन स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		04 मई, 2020	संग्रहालय स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विविध शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
		18-31 मई, 2020	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर विश्व के प्रसिद्ध संग्रहालयों की छायाचित्र प्रदर्शनी।
		18 जून, 2020	रानी लक्ष्मी बाई के निर्वाण दिवस पर शैक्षिक फिल्म शो।
		30 जुलाई, 2020	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता।
		13 अगस्त, 2020	स्वतंत्रता आन्दोलन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		18 सितम्बर, 2020	चित्रकला प्रतियोगिता।
		28 अक्टूबर, 2020	शैक्षिक फिल्म शो।
		19 से 25 नवम्बर, 2020	विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत क्ले माडलिंग वर्कशाप एवं प्रतियोगिता, वीथिका व्याख्यान तथा बौद्ध कला पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		15 दिसम्बर, 2020	सरदार पटेल के निर्वाण दिवस के अवसर पर उनके जीवन व दर्शन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		22 जनवरी, 2021	सिक्कों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		11 फरवरी, 2021	मूक बधिर बच्चों के मध्य चित्रकला प्रतियोगिता।
		14 मार्च, 2021	शैक्षिक फिल्म शो।
		14 अप्रैल, 2020	भारत रत्न बाबा सहाब डॉ0 बी0आर0 अम्बेडकर की जयंती पर उनके जीवन व कृतित्व पर अधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।

6.	राजकीय बौद्ध संग्रहालय, कुशीनगर।	06 मई, 2020 से 31 मई, 2020 तक	बुद्ध पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		16 जुलाई, 2020	भूजल सप्ताह के अवसर पर वृक्षारोपण व भूजल संरक्षण विषयक परिचर्चा।
		21 से 28 जुलाई, 2020	सिक्कों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		14 से 31 अगस्त 2020	स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		01 से 31 अक्टूबर, 2020	गांधी जयंती की पूर्व संध्या पर गांधी जी के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		19 से 25 नवम्बर, 2020	विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर पर स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		15-31 जनवरी, 2021	बौद्ध कला पर छायाचित्र प्रदर्शनी।
		10 फरवरी, 2021	चित्रकला प्रतियोगिता।
7.	लोक कला संग्रहालय, लखनऊ	अप्रैल, 2020	पोस्टर प्रतियोगिता।
		मई - जून, 2020	ग्रीष्म कालीन कार्यशालायें।
		जुलाई, 2020	लोक गायन कार्यक्रम।
		अगस्त, 2020	मेंहदी प्रतियोगिता।
		सितम्बर, 2020	लोक कला विषयक व्याख्यान।
		अक्टूबर, 2020	हस्तशिल्प कार्यशाला।
		नवम्बर, 2020	मूक बधिर बच्चों की प्रतियोगिता।
		दिसम्बर, 2020	निबन्ध प्रतियोगिता।
		जनवरी, 2021	क्राफ्ट प्रतियोगिता।
		फरवरी, 2021	चित्र कला प्रतियोगिता।
		मार्च, 2021	लोक गायन (रंगारंग कार्यक्रम)
8.	जनपदीय संग्रहालय, सुल्तानपुर	14 मई, 2020	बुद्ध के जीवन दर्शन पर व्याख्यान।
		25 जून, 2020	भारतीय सिक्कों पर व्याख्यान।
		23 जुलाई, 2020	निबंध प्रतियोगिता।
		21 अगस्त, 2020	चित्रकला प्रतियोगिता।
		24 सितम्बर, 2020	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता।
		22 अक्टूबर, 2020	क्राफ्ट प्रतियोगिता।
		19 नवम्बर, 2020	रंगोली प्रतियोगिता।
		24 दिसम्बर, 2020	अवधी लोक गीत प्रतियोगिता।
		21 जनवरी, 2021	वाद विवाद प्रतियोगिता।
		18 फरवरी, 2021	छायाचित्र प्रदर्शनी।
9.	राजकीय बौद्ध संग्रहालय, पिपरहवां (सिद्धार्थनगर)	18-31 मई, 2020	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर संग्रहालय भ्रमण का आयोजन।
		13 अगस्त, 2020	स्वतंत्रता आन्दोलन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
		19 से 25 नवम्बर, 2020	विश्व धरोहर सप्ताह के अन्तर्गत भारतीय कला में बुद्ध के विषयक प्रदर्शनी का आयोजन।
		15 से 21 दिसम्बर 2020	कपिवस्तु महोत्सव के अवसर पर भगवान बुद्ध के जीवन पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी।
		18 फरवरी, 2021	सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता।
		18.04.2020	विश्व धरोहर दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता।
		18.05.2020	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर छायाचित्र प्रदर्शनी एवं अन्य प्रतियोगिता का आयोजन।
		14.08.2020	स्कूली छात्र-छात्राओं का संग्रहालय भ्रमण एवं चित्रकला

10	राजकीय पुरातत्व संग्रहालय, कन्नौज		प्रतियोगिता।
		02.10.2020	गांधी जयन्ती का आयोजन एवं प्रदर्शनी प्रतियोगिता।
		14.11.2020	बाल दिवस पर स्कूली छात्र-छात्राओं का संग्रहालय भ्रमण एवं प्रतियोगिता।
		19.11.2020	विश्व धरोहर दिवस 19 से 25 नवम्बर के मध्य छायाचित्र प्रदर्शनी एवं प्रतियोगिता का आयोजन।
		25.01.2021	अस्थाई प्रदर्शनी का आयोजन।
11	राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ।	10 मई, 2020	क्रान्ति दिवस एवं संग्रहालय स्थापना दिवसस के अवसर पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन।
		14 अगस्त, 2020	स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन के अवसर पर प्रदर्शनी का आयोजन।
		02 अक्टूबर, 2020	महात्मा गांधी के जन्म दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन।
		19-25 नवम्बर,2020	विश्व धरोहर सप्ताह के अवसर प्राचीन स्मारकों पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन।
		25 जनवरी, 2021	गणतन्त्र दिवस की पूर्व संध्या पर अस्थायी प्रदर्शनी।
12	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर।	14 अप्रैल, 2020	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन।
		18 मई, 2020	विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन।
		21 अगस्त, 2020	संग्रहालय स्थापना दिवस के अवसर पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन।
		06 दिसम्बर, 2020	डॉ0 भीमराव अम्बेडकर के निर्वाण दिवस के अवसर पर अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन।
		05 फरवरी, 2021	अस्थायी प्रदर्शनी का आयोजन।
13	स्व0 लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, रामनगर, वाराणसी।		विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन
			संग्रहालय भवन के समय-समय पर अनुरक्षण कार्य।
			स्व0 लाल बहादुर शास्त्री के जन्म दिवस एवं पुण्य तिथि पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन।
			समय-समय पर व्याख्यान, शैक्षणिक भ्रमण आदि कार्यक्रमों का आयोजन।

नोट : अपरिहार्य परिस्थितियों में कार्यक्रमों की तिथियों में परिवर्तन सम्भव है।

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21
2205-कला एवं संस्कृति					
001-निदेशन एवं प्रशासन					
03	संस्कृति निदेशालय				
01	वेतन	307.31	297.05	267.35	272.00
02	मजदूरी	8.17	15.00	15.00	20.00
03	महँगाई भत्ता	21.38	44.56	44.56	68.00
04	यात्रा व्यय	0.28	1.00	1.00	1.00
05	स्थानान्तरण यात्रा व्यय	0.48	0.50	0.50	0.50
06	अन्य भत्ते	23.02	0.00	0.00	0.00
07	मानदेय	0.00	0.50	0.50	0.50
08	कार्यालय व्यय	2.87	3.00	3.00	3.00
09	विद्युत देय	12.62	22.00	22.00	22.00
10	जलकर	0.00	0.50	0.50	0.50
11	लेखन सामग्री	2.42	2.50	2.50	2.50
12	कार्यालय फर्नीचर	1.74	2.00	2.00	2.00
13	टेलीफोन	1.51	1.00	1.00	1.00
15	पेट्रोल	7.00	7.00	7.00	7.00
16	व्यवसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिये भुगतान	4.46	10.00	10.00	10.00
18	प्रकाशन	1.99	2.00	2.00	2.00
29	अनुरक्षण	6.87	8.00	8.00	8.00
42	अन्य व्यय	359.62	475.00	408.50	475.00
44	प्रशिक्षण	0.00	1.00	1.00	1.00
45	अवकाश यात्रा	0.00	1.00	1.00	1.00
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	14.33	5.00	5.00	5.00
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	2.50	2.50	2.50	2.50
49	चिकित्सा व्यय	10.58	10.80	10.80	12.00
51	वर्दी व्यय	0.00	0.50	0.50	0.50
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	2.08	25.00	25.00	1.00
55	मकान किराया भत्ता	0.00	20.00	20.00	20.00
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	2.00	2.00	3.00
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.00	2.00	2.00	5.00
	योग-001	**791.23**	**961.41**	**865.21**	**946.00**

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21
101-	**ललित कला शिक्षा**				
06	**ललित कला अकादमी**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	400.00	250.00	225.00	250.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	47.28	85.00	85.00	93.50
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	4.00	4.00	1.00
07	**संगीत नाटक अकादमी**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	180.00	215.00	193.50	215.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	106.34	140.00	140.00	154.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	10.00	10.00	1.00
08-	**भारतेन्दु नाट्य अका.**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	206.00	206.00	185.40	206.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	173.69	208.58	208.58	230.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	10.00	10.00	1.00
09	**कथक केन्द्र**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	0.00	0.00	0.00	0.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	29.62	55.00	55.00	55.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	3.10	3.10	1.00
12	**वृन्दावन शो0सं0**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	18.00	18.00	16.20	18.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	39.57	42.61	42.61	50.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
13	**अखिल भा0सं0परि0**				
20	सहायता अनुदान	5.00	5.00	4.50	5.00
31	वेतन अनुदान	0.00	0.00	0.00	0.00
16	**जैन विद्या शो0सं0**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	41.50	41.50	37.35	41.50
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	10.35	16.80	16.80	18.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
17	**अयोध्या शोध संस्थान**				
20	सहायता अनुदान-सामान्य (गैर वेतन)	325.00	325.00	292.50	325.00
31	वेतन अनुदान-सामान्य (वेतन)	35.17	71.52	71.52	58.05
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	10.00	10.00	10.00

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21
20	**कथक नृत्य संस्थान**				
20	सहायता अनुदान	100.00	100.00	90.00	100.00
31	वेतन अनुदान	15.50	39.70	39.70	40.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
21	**भातखण्डे संगीत संस्थान**				
20	सहायता अनुदान	44.00	44.00	39.60	44.00
31	वेतन अनुदान	390.79	518.59	518.59	570.00
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	40.00	40.00	1.00
22	**जनजाति एवं लोककला संस्थान**				
20	सहायता अनुदान	25.00	25.00	22.50	25.00
31	वेतन अनुदान	2.44	15.34	15.34	15.34
53	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राज्य सहायता)	0.00	0.00	0.00	0.00
	योग-101	**2195.25**	**2499.74**	**2376.79**	**2528.39**
102	**कला और संस्कृति का संवर्धन**				
03	**यश भारती पेन्शन**				
42	अन्य व्यय	0.00	100.00	86.00	6.00
04	**यश भारती सम्मान**				
42	अन्य व्यय	0.00	1.00	0.86	0.00
05	**कैफी आज़मी अकादमी**				
20	सहायता अनुदान	30.00	30.00	27.00	30.00
06	**बेग़म अख्तर पु0**				
42	अन्य व्यय	10.00	15.00	12.90	15.00
07	**कबीर अकादमी की स्थापना**				
20	सहायता अनुदान	50.00	50.00	45.00	50.00
08	**कुम्भ मेला-2019, इलाहाबाद**				
42	अन्य व्यय	327.02	1.00	0.86	0.00
09	**वृद्ध कलाकारों को पेंशन**				
20	सहायता अनुदान	63.60	150.00	135.00	150.00
16	**क्षेत्रीय सां0 केन्द्र**				
42	अन्य व्यय	72.92	75.00	64.50	75.00
17	**अयोध्या में विभिन्न कार्य**				
20	सहायता अनुदान	0.00	0.00	27.00	30.00
	योग-102	**553.54**	**422.00**	**399.12**	**356.00**
103	**पुरातत्व विज्ञान**				
01	**पुरावशेष योजना**				

ख–उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018–19	आय–व्ययक अनुमान 2019–20	पुनरीक्षित अनुमान 2019–20	आय–व्ययक अनुमान 2020–21
01	वेतन	38.18	45.33	40.80	42.21
03	महँगाई भत्ता	2.62	6.80	6.80	10.55
04	यात्रा व्यय	0.48	1.00	1.00	1.00
05	स्था0 यात्रा व्यय	0.00	0.30	0.30	0.30
06	अन्य भत्ते	2.00	0.00	0.00	0.00
07	मानदेय	0.20	0.20	0.20	0.20
08	कार्यालय व्यय	0.41	1.00	1.00	1.00
09	विद्युत देय	0.01	0.20	0.20	0.10
10	जलकर	0.00	0.30	0.30	0.30
11	लेखन सामग्री	0.10	0.50	0.50	0.50
12	कार्यालय फर्नीचर	0.00	0.50	0.50	0.50
13	टेलीफोन	0.00	0.10	0.10	0.10
17	किराया उपशुल्क	0.04	1.00	1.00	2.00
45	अवकाश यात्रा	0.00	0.50	0.50	0.50
49	चिकित्सा व्यय	0.44	0.60	0.60	0.60
51	वर्दी व्यय	0.00	0.10	0.10	0.10
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	0.00	5.30	5.30	5.00
55	मकान किराया भत्ता	0.00	2.95	2.95	2.95
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	0.68	0.68	0.68
	योग–01	**44.48**	**67.36**	**62.83**	**68.59**
03	**पुरातत्व निदेशालय**				
01	वेतन	457.33	499.19	449.27	451.00
02	मजदूरी	0.00	1.00	1.00	1.00
03	महँगाई भत्ता	38.20	74.88	74.88	112.75
04	यात्रा व्यय	6.13	6.00	6.00	6.00
05	स्थानीय यात्रा व्यय	0.00	1.00	1.00	1.00
06	अन्य भत्ते	30.01	1.00	1.00	1.00
07	मानदेय	0.20	0.20	0.20	0.20
08	कार्यालय व्यय	3.10	3.00	3.00	3.00
09	विद्युत देय	28.58	15.00	15.00	15.00
10	जलकर	0.13	0.15	0.15	0.15
11	लेखन सामग्री	0.62	0.70	0.70	0.70

ख–उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018–19	आय–व्ययक अनुमान 2019–20	पुनरीक्षित अनुमान 2019–20	आय–व्ययक अनुमान 2020–21
12	कार्यालय फर्नीचर	1.00	1.00	1.00	1.00
13	टेलीफोन	0.56	0.80	0.80	1.00
15	पेट्राल	0.59	0.60	0.60	1.00
17	किराया उपशुल्क	0.99	3.00	3.00	3.00
18	प्रकाशन	1.50	1.50	1.50	1.50
29	अनुरक्षण	8.81	10.00	10.00	10.00
42	अन्य व्यय मतदेय	19.19	19.00	16.34	19.00
	भारित	0.00	0.05	0.04	0.05
44	प्रशिक्षण	0.00	1.00	1.00	1.00
45	अवकाश यात्रा	0.14	1.00	1.00	1.00
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	1.01	1.00	1.00	2.00
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	1.44	1.50	1.50	1.50
49	चिकित्सा व्यय	4.79	4.80	4.80	5.00
51	वर्दी	0.00	0.25	0.25	0.25
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	0.00	40.00	40.00	0.00
55	मकान किराया भत्ता	0.00	25.00	25.00	25.00
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	9.00	9.00	9.00
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.00	2.00	2.00	5.00
	योग–03 मतदेय	**604.32**	**723.57**	**670.99**	**678.05**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.05**
	योग–103 मतदेय	**648.80**	**790.93**	**733.82**	**746.64**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.05**
104	**अभिलेखागार**				
03	**राज्य अभिलेख**				
01	वेतन	379.18	409.15	368.24	387.93
02	मजदूरी	0.06	7.00	7.00	7.00
03	महँगाई भत्ता	33.07	61.37	61.37	96.98
04	यात्रा व्यय	1.30	2.00	2.00	2.00
05	स्थाना0 यात्रा व्यय	0.00	1.00	1.00	1.00
06	अन्य भत्ते	29.52	0.00	0.00	0.00
07	मानदेय	0.18	0.50	0.50	0.50
08	कार्यालय व्यय	2.99	5.25	5.25	5.25
09	विद्युत देय	6.99	27.20	27.20	27.20
10	जलकर	6.60	21.25	21.25	20.40

ख–उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018–19	आय–व्ययक अनुमान 2019–20	पुनरीक्षित अनुमान 2019–20	आय–व्ययक अनुमान 2020–21
11	लेखन सामग्री	1.03	2.50	2.50	2.50
12	कार्यालय फर्नीचर	0.18	2.00	2.00	2.00
13	टेलीफोन	0.60	2.00	2.00	2.00
15	पेट्रोल	0.26	2.00	2.00	2.00
17	किराया उपशुल्क	10.10	35.04	35.04	35.04
18	प्रकाशन	2.50	2.50	2.50	2.50
19	विज्ञापन, बिक्री आदि	0.00	0.50	0.50	0.50
22	आतिथ्य व्यय	0.49	0.50	0.50	0.50
26	मशीनें	0.00	5.00	5.00	5.00
29	अनुरक्षण	0.39	5.00	5.00	5.00
42	अन्य व्यय	21.52	30.00	25.80	30.00
44	प्रशिक्षण	0.00	2.00	2.00	2.00
45	अवकाश यात्रा	0.00	2.60	2.60	2.60
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	0.00	3.00	3.00	3.00
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	0.89	2.50	2.50	2.50
49	चिकित्सा व्यय	8.29	9.00	9.00	10.00
51	वर्दी व्यय	0.00	1.50	1.50	1.50
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	0.00	29.75	29.75	1.00
55	मकान किराया भत्ता	0.00	30.00	30.00	35.69
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	5.60	5.60	6.49
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.00	2.00	2.00	2.00
	योग–104	**506.14**	**709.71**	**664.60**	**702.08**
107	**संग्रहालय निदेशालय**				
01	वेतन	766.64	843.64	759.28	950.00
02	मजदूरी	17.82	20.00	20.00	20.00
03	महँगाई भत्ता	67.66	126.55	126.55	237.50
04	यात्रा व्यय	3.76	3.50	3.50	5.70
05	स्थाना0 यात्रा व्यय	0.39	0.40	0.40	0.40
06	अन्य भत्ते	43.00	4.00	4.00	2.20
07	मानदेय	0.60	0.60	0.60	0.60
08	कार्यालय व्यय	3.99	4.50	4.50	4.50
09	विद्युत देय	80.99	150.00	150.00	160.00
10	जलकर	0.90	0.95	0.95	1.00
11	लेखन सामग्री	2.46	3.30	3.30	3.30
12	कार्यालय फर्नीचर	3.36	4.00	4.00	4.00
13	टेलीफोन	0.82	1.35	1.35	1.50

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21
15	पेट्रोल	2.53	4.00	4.00	4.00
17	किराया उपशुल्क	0.99	1.20	1.20	1.20
18	प्रकाशन	1.10	1.50	1.50	1.50
26	मशीनें और सज्जा	1.90	3.00	3.00	3.00
29	अनुरक्षण	10.92	12.50	12.50	12.50
42	अन्य व्यय	298.54	307.50	264.45	307.50
44	प्रशिक्षण	0.13	3.00	3.00	2.00
45	अवकाश यात्रा	0.18	2.50	2.50	2.50
46	कम्प्यूटर हार्डवेयर	3.36	3.50	3.50	3.50
47	कम्प्यूटर स्टेशनरी	1.25	1.50	1.50	1.50
49	चिकित्सा व्यय	10.94	12.00	12.00	15.00
51	वर्दी व्यय	0.00	1.00	1.00	1.00
52	पुनरीक्षित वेतन का अवशेष (राजकीय)	39.34	60.00	60.00	0.00
55	मकान किराया भत्ता	0.00	62.00	62.00	63.00
56	नगर प्रतिकर भत्ता	0.00	8.00	8.00	8.00
58	आउट सोर्सिंग सेवाओं हेतु भुगतान	0.00	1.00	1.00	1.00
	योग-107	**1363.57**	**1646.99**	**1519.58**	**1817.90**
800	**अन्य व्यय**				
101	**वृन्दावन शो0सं0 को मैचिंग अनुदान**				
35	पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान	0.00	37.50	32.25	0.00
11	**अभिलेखीकरण एवं आर्थिक सहायता**				
42	अन्य व्यय	0.00	25.00	21.50	25.00
14	**फिल्मों का विकास**				
42	अन्य व्यय	98.53	1.00	0.86	1.00
15	**लोक कलाकारों को वाद्ययंत्र अनुदान**				
20	सहायता अनुदान	0.00	100.00	90.00	100.00
16	**कल्चरल क्लब की स्थापना**				
42	अन्य व्यय	0.00	100.00	86.00	100.00
17	मा0 अटल बिहारी बाजपेयी की स्मृति में सांस्कृतिक समारोह का आयोजन				
42	अन्य व्यय	100.00	100.00	86.00	100.00
	योग-800	**198.53**	**363.50**	**316.61**	**326.00**
	कुल योग-2205 मतदेय	**6257.06**	**7394.28**	**6875.73**	**7423.01**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.05**
4202	**पूंजीलेखा**				

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21
04	कला तथा संस्कृति				
104	अभिलेखागार				
03	राज्य अभिलेख				
25	लघु निर्माण	0.00	6.00	6.00	6.00
106	संग्रहालय				
04	13वॉ वित्त आयोग				
0401	ऐतिहासिक स्मारकों, पुरातत्वीय स्थलों,संग्रहालयों के प्रतिरक्ष्ज्ञण एवं संरक्षण तथा प्रमुख विरासत स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों का सुदृढ़ीकरण				
24	वृहत निर्माण कार्य	18.77	0.00	0.00	0.00
07	राज्य संग्रहालय, लखनऊ में अत्याधुनिक तकनीकी के अग्निशमन संयंत्र की स्थापना				
26	मशीनें और सज्जा/उपकरण संयंत्र	0.00	394.75	394.75	394.75
09	मूर्तियों का निर्माण				
24	वृहत निर्माण कार्य	1.50	250.00	230.00	250.00
10	जनपद बलरामपुर में इमलिया कोडर व उसके आस-पास थारू जाति की संस्कृति के संरक्षण				
24	वृहत निर्माण कार्य	694.00	1000.00	920.00	500.00
11	प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय लखनऊ				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	460.00	500.00
12	मा0 उच्च न्यायालय इलाहाबाद में संगहालय के				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	5.25	4.83	2.62
800-अन्य व्यय					
01	के0प्रा0योजनाएं				
0102	रा0कथक भ0नि0				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	600.00	552.00	707.04
0104	मथुरा-वृन्दावन ऑडि0				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	837.50	770.50	0.00
03	प्रेक्षागृह/खुला मंच का निर्माण				
24	वृहत निर्माण कार्य	300.00	300.00	276.00	300.00
04	जसवन्त न0पंचवटी				
24	वृहत निर्माण कार्य	150.00	42.33	38.94	42.33
05	फैज़ाबाद में मंच का नि0				

ख–उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018–19	आय–व्ययक अनुमान 2019–20	पुनरीक्षित अनुमान 2019–20	आय–व्ययक अनुमान 2020–21
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	1.00	0.92	1.00
06	**भातखण्डे स0 सं0भूमि क्रय**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	100.00	92.00	100.00
08	**आजमगढ़ हरिऔध**				
24	वृहत निर्माण कार्य	100.00	100.00	92.00	300.00
10	**सांस्कृतिक संकुल, नोएडा**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	60.00	55.20	60.00
12	**गुमनामी बाबा गैलरी**				
24	वृहत निर्माण कार्य	29.57	1.00	0.92	0.00
14	**वृन्दावन शो0 सं0, वृन्दावन के भव का जीर्णोद्धार**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	100.00	92.00	100.00
16	**फैज़ाबाद में संकुल का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	460.00	500.00
20	**भातखण्डे सं0सं0 के भवन का सुदृढ़ी0**				
24	वृहत निर्माण कार्य	121.19	0.00	0.00	0.00
30	**आ0इ0कैफी आज़0अ0 कला केन्द्र का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	24.03	1.00	0.92	1.00
32	**जन0बदायूं में प्रे0नि0**				
24	वृहत निर्माण कार्य	50.00	50.00	46.00	50.00
33	**राज0अभि0,लख0 में आर्का0गैलरी**				
24	वृहत निर्माण कार्य	197.56	400.00	368.00	400.00
34	**संस्कृति निदेशालय**				
25	लघु निर्माण	30.00	2.00	2.00	2.00
36	**गोरखपुर में प्रेक्षा0 निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	1960.00	100.00	92.00	500.00
37	**संगीत ना0अका0 के भवन का सुदृढी0**				
24	वृहत निर्माण कार्य	95.49	100.00	92.00	400.00
38	**मथुरा में गीता शो0सं0की स्थापना**				
24	वृहत निर्माण कार्य	100.00	100.00	92.00	0.00
39	**रा0बौद्ध संग्र0,गोरखपुर का सुदृढ़ीकरण**				

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21
24	वृहत निर्माण कार्य	75.00	75.00	69.00	75.00
40	**रामगढ़ताल परि0, गोरखपुर, मुक्ताकाशी मंच**				
24	वृहत निर्माण कार्य	75.00	150.00	138.00	39.00
41	**सार्वजनिक रामलीला स्थलों में चाहरदीवारी का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	460.00	500.00
42	**निराला जी की जन्मस्थली गढ़कोला, उन्नाव में स्मृति भवन आदि का निर्माण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	460.00	600.00
43	पं0 दीनदयाल उपाध्याय, गोरखुपर विश्वविद्यालय परिसर में निर्माण कार्य				
24	वृहत निर्माण कार्य	100.00	500.00	460.00	500.00
44	**संत कबीर अकादमी की स्थापना**				
24	वृहत निर्माण कार्य	500.00	500.00	460.00	500.00
45	**मा0 अटल बिहारी बाजपेयी जी की स्मृति में सांस्कृतिक समारोह के आयोजन हेतु स्मृति संकुल**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	500.00	460.00	500.00
48	**जनपद वाराणसी में सांस्कृतिक संकुल का उच्चीकरण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	1.00	0.92	1.00
49	**जनपद चन्दौली के पड़ाव चौरोहे के निकट पं0 दीनदयाल उपाध्याय जी की मूर्ति,मेमोरियल ब्लाक एवं वैदिक उद्यान की स्थापना**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	1.00	0.92	1.00
50	**राय ऊमानाथ बली प्रेक्षागृह लखनऊ का जीर्णेद्धार एवं नवीनीकरण**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	100.00	92.00	100.00
51	**अयोध्या में विभिन्न कार्य**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	414.00	450.00
52	**तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या का सुदृढ़ी0**				

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	1000.00
53	**रा0बौ संग्रहालय, गोरखपुर की सुविधा हेतु**				
24	वृहत निर्माण कार्य	0.00	0.00	0.00	500.00
	योग 4202	**4622.11**	**8377.83**	**8153.82**	**9882.74**
	महायोग	**10879.17**	**15772.11**	**15029.55**	**17305.75**
	भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.05**

ख-उद्देश्यवार वर्गीकरण (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	कार्य	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-20	पुनरीक्षित अनुमान 2019-20	आय-व्ययक अनुमान 2020-21

ग- वित्तीय स्रोत (धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	अनुदान संख्या	लेखाशीर्षक	वास्तविक व्यय 2018-19	आय-व्ययक अनुमान 2019-2020	पुनरीक्षित आय-व्ययक अनुमान 2019-2020	आय-व्ययक अनुमान 2020-2021
संस्कृति विभाग						
1	92	2205-कला एवं संस्कृति				
		मतदेय	6257.06	7394.28	6875.73	7423.01
		भारित	0.00	0.05	0.04	0.05
2	92	4202-कला एवं संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय	4622.11	8377.83	8153.82	9882.74
		योग मतदेय	**10879.17**	**15772.11**	**15029.55**	**17305.75**
		भारित	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.05**

घ-राजस्व प्राप्तियॉं

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र.सं.	मद	आय-व्ययक अनुमान 2019-2020	पुनरीक्षित अनुमान 2019-2020	आय-व्ययक अनुमान 2020-2021
संस्कृति विभाग				
1	0202-शिक्षा, खेलकूद, कला और संस्कृति 04-कला और संस्कृति 101-अभिलेखागार और संग्रहालय	21.20	26.20	22.50
	800-अन्य प्राप्तियॉं	5300.00	6550.00	5625.00
	900-घटायें प्राप्तियॉं	-0.01	-0.01	-0.01
	योग- 0202	**5321.19**	**6576.19**	**5647.49**
2	1601-केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान 04-केन्द्र द्वारा समर्थित योजनागत स्कीमों के लिये अनुदान 92-संस्कृति विभाग 92-संस्कृति विभाग की प्राप्तियॉं	896.18	896.18	458.52
	योग-1601	**896.18**	**896.18**	**458.52**
	महायोग	**6217.37**	**7472.37**	**6106.01**

foRrh; vko';drk;sa

d&dk;Zde rFkk dk;Z&dykiksa dk oxhZdj.k ¼/kujkf'k yk[k :0 esa½

d-l-	dk;Z	okLrfod O;; 2018&2019	vk;&O;;d vuqeku 2019&2020	iqujhf{kr vuqeku 2019&2020	vk;&O;;d vuqeku 2020&2021
d- laLd`fr funs'kky;					
1	निदेशन एवं प्रशासन	791.23	961.41	865.21	946.00
2	ललित कलाओं की शिक्षा	2195.25	2499.74	2376.79	2528.39
3	कला और संस्कृति का संवर्धन	553.54	422.00	399.12	356.00
4	पुरावशेष एवं बहुमूल्य कलाकृति अधिनियम का कार्यान्वयन	44.48	67.36	62.83	68.59
5	अभिलेखागार	506.14	709.71	664.60	702.08
6	अन्य व्यय	198.53	363.50	316.61	326.00
	;ksx&d	**4289.17**	**5023.72**	**4685.16**	**4927.06**
[k- iqjkrRo funs'kky;					
	निदेशन एवं प्रशासन	604.32	723.57	670.99	678.05
	;ksx&[k&erns;	**604.32**	**723.57**	**670.99**	**678.05**
	Hkkfjr	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.05**
x- laxzgky; funs'kky;					
	निदेशन एवं प्रशासन	1363.57	1646.99	1519.58	1817.90
	;ksx&x	**1363.57**	**1646.99**	**1519.58**	**1817.90**
?k- iwathys[kk					
	पूँजीगत व्यय	4622.11	8377.83	8153.82	9882.74
	;ksx&?k	**4622.11**	**8377.83**	**8153.82**	**9882.74**
	egk;ksx¼d$[k$x$?k½ erns;	**10879.17**	**15772.11**	**15029.55**	**17305.75**
	Hkkfjr	**0.00**	**0.05**	**0.04**	**0.05**

lLdfr fun'kky; m0i0 e oreku le; e Lohd`r in

d-l-	inuke	oru c.M@xM oru	inks dh l[;k	vfHk;fDr
1	2	3	4	5
1	निदेशक	संवर्गीय	1	
2	वित्त नियन्त्रक	प्रादेशिक वित्त एवं लेखा संवर्ग से	1	
3	संयुक्त निदेशक	पी.बी.3 15600–39100 ग्रे.पे. 7600	1	
4	उपनिदेशक	पी.बी.3 15600–39100 ग्रे.पे. 6600	4	एक पद वरिष्ठ पी.सी.एस. संवर्ग से भरा जाता है। वर्तमान समय में इस पद पर अपर निदेशक (आई.ए.एस.) नियुक्त हैं। अपर निदेशक का पद स्वीकृत नहीं है।
5	सहायक निदेशक (सामान्य / निष्पादन कला)	पी.बी.3 15600–39100 ग्रे.पे. 5400	2	
6	सहायक निदेशक(विधि)	पी.बी.3 15600–39100 ग्रे.पे. 5400	1	
7	सहायक निदेशक(प्रशासन)	पी.बी.2 15600–39100 ग्रे.पे. 5400	1	
8	सहायक लेखाधिकारी	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4800	1	
9	प्रोग्राम इक्जीक्यूटिव	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4600	1	
10	प्रशासनिक अधिकारी	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4600	1	
11	वैयक्तिक सहायक ग्रेड–1	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4600	1	
12	वैयक्तिक सहायक ग्रेड–2	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4200	3	
13	आशुलिपिक ग्रेड–2	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2800	2	
14	लेखाकार	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4200	3	
15	सहायक लेखाकार	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2800	1	
16	ज्येष्ठ सम्परीक्षक	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4200	2	
17	सम्परीक्षक	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2800	1	
18	प्रधान सहायक	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4200	5	
19	वरिष्ठ सहायक (विधि)	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2800	1	
20	वरिष्ठ सहायक	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2800	1	
21	कनिष्ठ सहायक	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2000	7	
22	प्रोग्राम सहायक	पी.बी.2 9300–34800 ग्रे.पे. 4200	2	
23	कनिष्ठ प्रोग्राम सहायक	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2800	2	
24	टेक्नीशियन	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2000	1	
25	लाइट टेक्नीशियन	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2000	1	
26	साउण्ड टेक्नीशियन	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2000	1	
27	वीडियो टेक्नीशियन	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 2000	1	
28	ड्राइवर	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 1900	5	
29	साइक्लोस्टाइल आपरेटर	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 1900	1	
30	चपरासी / अर्दली / प्रोग्राम अटैण्डेंट / चौकीदार–कम–कुक / सफाई कर्मचारी / प्रेक्षागृह परिचर	पी.बी.1 5200–20200 ग्रे.पे. 1800	18	
			73	